



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ७] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी १६, १९८० (माघ २७, १९०१)
No. 7] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 16, 1980 (MAGHA 27, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, विनांक 22 दिसम्बर 1979

सं० ए० 12019/1/75-प्रशा०-II—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में निम्नलिखित अधीक्षकों (हालिय) को, अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 1-12-1979 से 29-2-1980 तक की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में सहायक नियन्त्रक (त० सं०) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है:—

1. श्री जे० एल० कपूर
2. कुमारी संतोष हांडा।

सं० ए० 12019/2/78-प्रशा०-II—मन्त्रिव, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थाई अनुसंधान सहायकों (हिन्दी) को 3-12-1979 ने 29-2-1980 तक की अवधि के लिये, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (अनुसं० एवं सांख्यिकी) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से

के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त करते हैं:—

1. श्रीमती सुधा भार्गव
2. श्री चन्द्र किरण
3. श्री जे० एन० एस० त्यागी।

सं० ए० 32016/2/78-प्रशा०-II—श्रीमती राजकुमारी आनन्द, कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (अनुसं० एवं सांख्यिकी) को अवकाश प्रशान विये जाने के फलस्वरूप उनके स्थान पर सं० लो० से० आयोग के कार्यालय में स्थायी अनुसंधान सहायक (अनुसं० एवं सांख्यिकी) तथा स्थानापन्न अनुसंधान अन्वेषक श्री राम मिह को, सचिव, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 3-12-1979 से 29-2-1980 तक की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (अनुसं० एवं सांख्यिकी) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 24 दिसम्बर 1979

सं० ए० 31013/1/79—प्रशा०-II—इस कार्यालय की समसंचयक अधिसूचना दिनांक 1-12-1979 के अधिकारण में परिवर्त्मना (प्रशासनिक) के स्थायी अधिकारी तथा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 17-11-1969 से वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (बंगला) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री एस० पी० गुह को अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 28-8-1979 से उसी पद अर्थात् वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (बंगला) के पद पर मूल रूप में नियुक्त किया जाता है।

एस० बालचन्द्रन

प्रब्रह्म सचिव

कृते अध्यक्ष संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 दिसम्बर 1979

सं० ए० 32013/3/79—प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग की समसंचयक अधिसूचना दिनांक 27-11-1979 के अनुक्रम में सैन्य भूमि एवं छावनी सेवा की अधिकारी श्रीमती बीना मंत्रा की नियुक्ति को राष्ट्रपति द्वारा 24 नवम्बर, 1979 से आगामी आदेश की अवधि तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर चालू रखने का आदेश दिया जाता है।

दिनांक 4 जनवरी 1980

सं० पी० /271—प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग की समसंचयक अधिसूचना दिनांक 15-3-79 और 17-9-79 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में विशेष कार्य अधिकारी (गोपनीय) के पद पर श्री एस० पी० घटकर्ता के निवारण के बाद पुनः नियुक्ति गृह मंत्रालय, कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग की उनके पत्र सं० 39017/16/79-स्था० (ब) दिनांक 24-12-79 द्वारा अन्वेषित सहमति से 1-1-80 से 31-3-80 तक और आगे जारी रखी गई है।

दिनांक 14 जनवरी 1980

सं० ए० 32013/11/1/79—प्रशा०-I(i)—राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय के निम्नलिखित अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दिखाई गई अवधि के लिये या आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-I में प्रब्रह्म सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है :—

क्र० सं०	नाम	अवधि
1	2	3

सर्वश्री

- बी० बी० मेहरा, के० स० स्टे० 22-10-79 से
से० का ग्रेड-क अधिकारी 21-1-80 तक।
- बी० ए० कपूर, अनुभाग 13-10-79 से
अधिकारी 12-1-80 तक।

1	2	3
3.	प्रार० एन० खुराना, अनुभाग	21-11-79 से
	अधिकारी	20-2-80 तक।
4.	जे० पी० गोयल, अनुभाग	3-12-79 से
	अधिकारी	29-2-80 तक।
5.	ए० ए० गणपति राम, के० स० स्टे० का ग्रेड-क अधिकारी	5-11-79 से 20-12-79 तक।

सं० ए० 32013/1/79—प्रशा०-I—राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय के निम्नलिखित अधिकारियों को उनमें से प्रत्येक के नाम के सामने दिखाई गई अवधि के लिये या आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड 1 में प्रब्रह्म सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है :—

क्र० सं०	नाम	अवधि
सर्वश्री		
1.	पी० सी० माधुर, अनुभाग	23-10-79 से
	अधिकारी	22-1-80 तक।
2.	टी० ए० मोकिल, के० स० स्टे० का ग्रेड-क अधिकारी	24-11-79 से 24-12-79 तक।
3.	ए० श्रीनिवासन, अनुभाग	24-11-79 से 2-1-80 तक।
	अधिकारी	
4.	डी० पी० राय, अनुभाग	6-11-79 से 26-12-79 तक।
	अधिकारी	

एस० बालचन्द्रन
प्रब्रह्म सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1980

सं० 10 आर० सी० टी० 3--केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्वारा श्री जे० के० बघरा, कार्यपालक अभियन्ता, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, को स्थानापन्न रूप से केन्द्रीय सतर्कता आयोग में तकनीकी परीक्षक के पद पर 14-1-1980 (अवराह्ल) से अगले आदेश तक नियक्त करते हैं।

कृष्ण लाल मल्होत्रा

प्रब्रह्म सचिव

कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मंत्रालय

का० एवं प्र० सु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1980

सं० ए०-2/69-प्रशा०-5—अपने भूल विभाग में प्रत्यावर्तन हो जाने पर, तमिलनाडु सरकार के अधिकारी श्री ए० वी० गोपालाकृष्णन ने दिनांक 31-12-1979 के अपराह्न में वरिष्ठ लोक-अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, मद्रास के पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० जी०-3/71-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतच्छारा, श्री जी० आर० श्रीनिवासन, लोक-अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सामान्य अपराध संघ, मद्रास को दिनांक 2-1-80 के पुर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रोफेशन पर तदर्थ आधार पर वरिष्ठ लोक-अभियोजक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 जनवरी 1980

सं० आर०-93/66-प्रशा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से महाराष्ट्र पुलिस सेवा के अधिकारी श्री आर० के० शुक्ला को दिनांक 25-10-79 के पुर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में स्थानापन्न पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

की० ला० ग्रोवर,
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक जनवरी 1980

सं० पी० सात-2/79-स्थापना—श्री ज्ञान चन्द्र शर्मा, कार्यालय अधीक्षक को महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में तदर्थ रूप में दिनांक 7-1-80 (पुर्वाह्न) से अनुभाग अधिकारी के पद पर पदोन्नति किया जाता है।

बाल कृष्ण,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

मुद्रण निदेशालय

नई दिल्ली-11, दिनांक 19 जनवरी 1980

सं० बी० (73)/प्रशा०-II—मुद्रण निदेशक ने कैप्टन टी० के० बालाकृष्णन को भारत सरकार मुद्रणालय, प्रकाशन एकाक, संदागारी हथड़ा में सुरक्षा अधिकारी के पद पर इ० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतन मान में स्थानापन्न रूप में 24 दिसम्बर, 1979 के पुर्वाह्न से अगले आदेश होने तक नियुक्त किया है।

मदन मोहन जोशी,
उप निदेशक (प्रशासन)

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 22 जनवरी 1980

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/79—इस कार्यालय की समसंबंधित अधिसूचना दिनांक 1-12-79 के अनुक्रम में प्रतिनियुक्ति पर आये श्री एन० जी० किबे, लेखा अधिकारी की नियुक्ति 31-3-80 तक बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में वर्तमान शर्तों के आधार पर बढ़ाई जाती है।

पी० एस० गिवराम
महाप्रबन्धक

सरकारी व्यय सम्बन्ध आयोग

नई दिल्ली-110001, दिनांक 18 जनवरी 1980

सं० 1(3)-ए०/सी० पी० ई०/79—राष्ट्रपति, योजना आयोग के अवकाश प्राप्त उप-सचिव, श्री के० एच० रामानाथन को 28 दिसम्बर, 1979 दोपहरपूर्व से 31 मई, 1980 तक वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग के अधीन सरकारी व्यय आयोग में वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 जनवरी 1980

सं० 1(3)-ए०(5)/सी० पी० ई०/80—श्री के० एच० रामानाथन जो कि सरकारी व्यय संबंधी आयोग में वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी के पद पर कार्य कर रहे थे, वित्त मंत्री के निजी सचिव चुने जाने पर उनका नाम इस आयोग से दिनांक 14 जनवरी, 1980 से काट दिया गया है।

जगन्नाथ कौल,
अवर सचिव

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-110002, दिनांक 29 जनवरी 1980

सं० 191/सी० एफ० I/24-70--सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा नई विद्युती कार्यालय में कार्यरत श्री बी० डी० शर्मा लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) अपनी अधिवर्षिता आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31-12-79 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवा नियूत हो गये।

एम० एस० ग्रोवर,
उप निदेशक (वाणिज्यिक)

निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-2, दिनांक 22 जनवरी 1980

सं० प्रशा० I/ओ० ओ०-556/5-12/79-80/2072—निदेशक लेखापरीक्षा एतच्छारा इस कार्यालय के निम्नलिखित

कृते लेखापरीक्षा अधिकारियों को स्थाई रूप से लेखापरीक्षा अधिकारी के स्थाई पदों के लिये उनके नाम के समक्ष दी गयी तिथि से रु० 840-1200 के समय वेतनमान में नियुक्त किया जाता है:—

नाम	ले० प० अधिः० 1-3-79 को पदक्रम के रूप में स्थाई सूची के अनुसार बरिहोने की तिथि छठता
सर्वश्री	
1. एस० के० जैन	1-6-75 श्री के० एस० ढाल, ले० प० अधिः० (क्र० सं० 16-प० 3) की कोटि से नीचे।
2. सी० पी० खशा	1-8-76 श्री एस० एस० रेखी, ले० प० अधिकारी, (क्र० सं० 17-प० 3) की कोटि से नीचे।
3. एन० बी० बंसिल	1-7-77 श्री बी० पी० जैन, ले० प० अधिकारी, (क्र० सं० 13-प० 5) की कोटि से नीचे।
4. एफ० सी० गोयल	14-6-79 श्री डी० डी० गुग्लानी, ले० प० अधिः० (क्र० सं० 28-प० 6) की कोटि से नीचे।

को० टि० छाया
संयुक्त निदेशक, ले० प० (प्र०)

महालेखाकार का कार्यालय,
हैदराबाद, दिनांक 22 जनवरी 1980
सं० प्रशा० 1/8.132/79-80/318—श्री एम० रामस्वामी, लेखा अधिकारी, महालेखाकार वार्यालय, आंध्र प्रदेश II सेवा से निवृत्त हुए दि० 31-12-79 अपराह्न।

रा० हरिहरन
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०)
ऑफिस प्रबंध

बैंगलोर, दिनांक 23 जनवरी 1980
सं० स्था० 1/ए०-4/79-80/929—महालेखाकार, इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थानापन्थ स्थाई अनुभाग अधिकारियों को उसके वरिष्ठों के बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले, अगले आदेश जारी होने तक, लेखा अधिकारी पद में उस

पद का कार्य भार प्रहृण करने का दिनांक से केवल अस्थाई रूप में पदोन्नत करते हैं।

सर्वश्री

1. बी० के० शिवरामय्या
2. आर० एन० इनामदार

ये पदोन्नत सन 1978 के सर्वोच्च न्यायालय के लेखाचिका नं० 4367 के अंतिम नतीजों के अधीन रहते हैं।

एम० ए० सौन्दरराजन
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्र०)
कर्नाटक

इलाहाबाद, दिनांक 10 जनवरी 1980

सं० प्रशा० 1/11-144/अधिः०/323—महा लेखाकार, उत्तर प्रदेश (प्रथम) इलाहाबाद ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को उनके नामों के आगे अंकित तिथि से श्रागामी आदेश पर्यन्त इस कार्यालय में स्थानापन्थ लेखा अधिकारी नियुक्त किया है।

1. श्री चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव—31-12-79 अपराह्न
2. श्री राय बागम्बरी प्रसाद—31-12-79 , ,
3. श्री श्याम सुन्दर सिंह—1-1-80 पूर्वाह्न
4. श्री प्रभु नारायण श्रीवास्तव—31-12-79 अपराह्न
5. श्री तुलसी राम अप्रवाल—31-12-79 , ,
6. श्री कृष्ण लाल भोला—31-12-79 , ,
7. श्री राम किशोर मेहरा—31-12-79 , ,

एम० एम० दत्ता
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्र०)
उत्तर प्रदेश

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा नियंत्रक मध्य कमान

मेरठ, दिनांक 18 जनवरी, 1980

सं० प्रशा०/एकम०-14/शि०/म०क्षे०/59—केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थाई सेवा) नियमावली 1965 के नियम 5 के उपनियम (1) के अनुसरण में, मैं इस अधिसूचना के द्वारा श्री राधेश्याम, अस्थाई लिपिक, लेखा संख्या 8313002 जो रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ के कार्यालय में कार्यरत हैं, को नोटिस वेता हूँ कि उनकी सेवायें इस नोटिस प्रकाशन तिथि या इसकी प्राप्ति की तिथि के एक मास बाद की तिथि से समाप्त समझी जाएंगी।

बी० एन० रहलन,
रक्षा लेखा नियंत्रक
मध्य कमान, मेरठ

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 18 जनवरी 1980

सं० 18342/प्रशासन I/(स्तर-II)/78—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर II (रु 2250—125/2—2500) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये उनके सामने दर्शायी गई तारीख से तदर्थ आधार पर एक वर्ष की अवधि, अथवा नियमित व्यवस्था किए जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

क्र० सं०	अधिकारी का नाम	तारीख जिस दिन से नियुक्त हुई है
1.	श्री बी० एन० रल्लन—	11-12-79 (पूर्वाह्न)
2.	श्री आर० एन० त्यागी—	12-11-79 (पूर्वाह्न)
3.	श्री के० पी० राव—	03-12-79 (पूर्वाह्न)

दिनांक 22 जनवरी 1980

सं० 71019(11)/79/प्रशा०-I—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा मन 1978 में सी गई संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामों के आधार पर, निम्नलिखित अधिकारियों को, रक्षा लेखा सेवा में परिवीक्षाधीन रूप में उनके समक्ष दर्शायी गई तारीखों से, सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

क्र० सं०	नाम	नियुक्ति की तारीख
1.	श्री गजेश्वर कुमार आनन्द—	12-7-79 (पूर्वाह्न)
2.	श्री मर्य नारायण मिश्रा—	21-11-79 (पूर्वाह्न)
3.	श्री सतीश कुमार डोगरा—	19-12-79 (पूर्वाह्न)
4.	श्री अरविन्द राणा—	12-11-79 (पूर्वाह्न)
5.	श्री श्याम लाल सिंगला—	12-7-79 (पूर्वाह्न)
6.	कुमारी रंजना गंगुली—	19-11-79 (पूर्वाह्न)
7.	कुमारी शोभाना तिवारी—	17-11-79 (पूर्वाह्न)
8.	श्री त्रिलोक चन्द्र मोर्य—	14-7-79 (पूर्वाह्न)
9.	श्री पारस राम—	13-11-79 (पूर्वाह्न)
10.	श्री प्रेम लाल—	12-11-79 (पूर्वाह्न)
11.	श्री प्रभु दयाल मीना—	24-11-79 (पूर्वाह्न)

के० पी० राधा
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक, (प्रशा०)

वाणिज्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 जनवरी 1980

आयात-निर्यात व्यापार नियन्त्रण स्थापना

सं० 1/2/79-प्रशा० (राज०)/541—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा की अनुभाग अधिकारी वर्ग की स्थाई अधि-

कारी कुमारी प्रतिभा श्रीवास्तव को उसी सेवा के वर्ग-I में 23-8-79 से 29-2-1980 तक की अवधि के लिये या जब तक नियमित अधिकारी नियुक्त न हो, इनमें जो भी पहले हो उस तक के लिये स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. राष्ट्रपति, कुमारी प्रतिभा श्रीवास्तव को उपर्युक्त अवधि के लिये मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय में उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में भी नियुक्त करते हैं।

सी० एस० आर्य
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात
कुते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

(ग्रोष्टोगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 16 जनवरी 1980

सं० 12(666)/70-प्रशा० (राज०)—उड़ीसा सरकार के जिला उद्योग केन्द्र के योजना कक्ष में विशेष अधिकारी नियुक्त हो जाने पर लघु उद्योग सेवा संस्थान, कटक के उप निदेशक (प्रा० ग्र०)—श्री बी० के० महापाल ने दिनांक 31 दिसम्बर, 1979 (पूर्वाह्न) से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० १० 19018(399)/79-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति, जो विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय के सहायक निदेशक, ग्रह-I (रसायन) श्री पी० एन० माझी का त्यागपत्र दिनांक 31 दिसम्बर, 1979 (पूर्वाह्न) से मंजूर करते हैं।

महेन्द्र पाल गुप्त
उपनिदेशक (प्रशा०)

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 28 जनवरी 1980

सं० ६० एस० टी० 1-2(700)/266—वस्त्र आयुक्त का कार्यालय, बम्बई के सहायक निदेशक द्वितीय श्रेणी (नान-टक्कीकल) श्री चित्तरंजन बोस सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर 31 दिसम्बर, 1979 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गये।

जो० चं० हांसदाक
उपनिदेशक (प्रशा०)

बम्बई-20, दिनांक 29 जनवरी 1980

सं० ६० एस० टी० 1-2(704)/277—श्रीमान राष्ट्रपति, भारतीय आर्थिकी सेवा के प्रथम श्रेणी अधिकारी, श्री म० वा० चेबुरकर को 10 सितम्बर, 1979 के पूर्वाह्न

से अन्य आदेश होने तक वस्त्र आयुक्त कार्यालय, बम्बई में संयुक्त वस्त्र आयुक्त (आर्थिकी) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० ई० एस० टी० 1-(452)/283—श्रीमान राष्ट्रपति, श्री एम० मदुरे नायगम, सलाहकार (सई) को 26 सितम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से, अन्य आदेश होने तक, वस्त्र आयुक्त कार्यालय, बम्बई में अपर वस्त्र आयुक्त के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० ई० एस० टी०-1-2(333)289—श्रीमान राष्ट्रपति, वस्त्र आयुक्त के बम्बई स्थित प्रादेशिक कार्यालय के निदेशक श्री एच० रामकृष्ण राव को 28 सितम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से, अन्य आदेश होने तक, वस्त्र आयुक्त कार्यालय, बम्बई में औद्योगिक सलाहर एवं पेन संयुक्त वस्त्र आयुक्त के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

एम० सी० सुवर्णा,
वस्त्र आयुक्त

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्र०-१ अनुभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 16 जनवरी 1980

सं० प्र-1/1(1109)—निदेशक पूर्ति तथा निपटान कलकत्ता के कार्यालय में स्थानापन्थ सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) श्री आर० पी० भट्टाचार्य निर्वतमान आयु (58 वर्ष) होने पर दिनांक 31 दिसम्बर 1979 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

दिनांक 24 जनवरी 1980

सं० प्र-1/42(34)—राष्ट्रपति, स्थाई निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-I) तथा स्थानापन्थ अपर महानिदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा में अधिसमय मान पद) श्री जे० सी० भण्डारी को दिनांक 1-5-79 से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप महानिदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा का अधिसमय मान पद) के पद पर स्थाई रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० प्र०-1/1(1054)—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में स्थानापन्थ सहायक निदेशक (ग्रेड-II) श्री देव राज की श्रवर प्रगति अधिकारी के पद पर अवनति होने पर उन्होंने 11-1-80 के अपराह्न से अपना पदभार छोड़ दिया।

सं० प्र०-1/1(1086)—राष्ट्रपति पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड I) भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड (III) श्री एन० के० भाषुर का त्यागपत्र दिनांक 31-12-1979 के अपराह्न से स्वीकार करते हैं। तदनुसार श्री एन० के० भाषुर दिनांक 31-12-1979 के अपराह्न से इस महानिदेशालय की सूची में नहीं रहे हैं।

सं० प्र०-1/1(1147)/80—राष्ट्रपति इंजीनियरी सेवा परीक्षा 1978 के परिणाम के आधार पर संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री सुशील कुमार अग्रवाल को दिनांक 1-1-80 के पूर्वाह्न से सहायक निदेशक (ग्रेड I) (परीक्षण आरक्षी) भारतीय पूर्ति सेवा युप ए के ग्रेड III के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 25 जनवरी 1980

सं० प्र०-1/1(1050)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा श्रवर प्रगति अधिकारी श्री एस० नागराजन को दिनांक 11-1-80 के पूर्वाह्न से पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (ग्रेड II) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सहायक निदेशक (ग्रेड II) के रूप में श्री एस० नागराजन की पदोन्नति पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर होगी और उनसे अन्यथा वरिष्ठ अधिकारियों के अधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा और उन्हें वर्तमान स्थानापन्थ व्यवस्था के आधार पर भविष्य में पदोन्नति का दावा करने का हक नहीं होगा।

सं० प्र०-1/1(1149)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, कलकत्ता में श्रवर क्षेत्राधिकारी (मुकदमा) श्री बी० सी० मुखर्जी को 8-1-1980 के अपराह्न से उसी कार्यालय में सहायक निदेशक (मुकदमा) (ग्रेड I) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री बी० सी० मुखर्जी की सहायक निदेशक (मुकदमा) (ग्रेड-I) के पद पर नियुक्ति पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर उनसे अन्यथा वरिष्ठ अधिकारियों के अधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना होगी और वर्तमान स्थानापन्थ व्यवस्था से उन्हें भविष्य में पदोन्नति का दावा करने का कोई हक नहीं होगा।

दिनांक 29 जनवरी 1980

सं० प्र०-1/42(34)—राष्ट्रपति, स्थाई निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड I) तथा स्थानापन्थ उप महानिदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा में अधिसमय मान पद) श्री बी० आर० आर० आरायंगर को दिनांक 1-10-78 से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप महानिदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा का अधिसमय मान पद) के पद पर स्थाई रूप से नियुक्त करते हैं।

कृष्ण किशोर,
उप निदेशक (प्रशासन)

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1980

सं० ए०-17011/44/72-प्र०-६—निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में स्थाई भण्डार परीक्षक, (वस्त्र) और

स्थानापन्न सहायक निरीक्षक अधिकारी (वस्त्र) श्री बी० पी० चक्रवर्ती निवर्तमान आयु होने पर दिनांक 31-12-79 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

दिनांक 23 जनवरी 1980

सं० ए० 17011/157/79-प्र० 6—राष्ट्रपति ने वस्त्र आयुक्त, अम्बई के कार्यालय के सहायक निदेशक (ग्रेड II) श्री डी० सी० दास के संघ लोक सेवा आयोग द्वारा चुने जाने पर 1-1-1980 (पूर्वाह्न) से और आगामी आदेशों के जारी होने तक निरीक्षण निदेशक, अम्बई के कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) (भारतीय निरीक्षण सेवा, ग्रुप ए वस्त्र शाखा के ग्रेड III) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

के० किशोर
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक

हस्पात, खान और कोयला मंत्रालय
(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 24 जनवरी 1980

सं० 729 बी०/ए०-19012 (ए० सी० ए० ओ०-एस० आर० सी०)/79-19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के लागत लेखाकार (तदर्थ) श्री सुख रंजन चक्रवर्ती को सहायक लागत लेखा अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 5 नवम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

बी० एस० कृष्णस्वामी
महानिदेशक

भारतीय खान व्यूरो

नागपुर, दिनांक 19 जनवरी 1980

सं० ए०-19012(119)/79-स्था० १०—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर, श्री के० टी० लुइस, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (अध्यक्ष प्रसाधन) भारतीय खान व्यूरो को दिनांक 29-12-1979 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक इस विभाग में सहायक अनुसन्धान अधिकारी (अध्यक्ष प्रसाधन) के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

दिनांक 22 जनवरी 1980

सं० 5-ए० 19011(263)/70-स्था० १०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर नीचे दर्शये गये स्थाई सहायक खनन अभियन्ता को भारतीय खान व्यूरो से सहायक

खान नियंत्रक के पद पर उनके नाम के सामने दी गई तारीख से पदोन्नति प्रदान की गई है:—

1. श्री के० एस० कृष्णमूर्ति	14-12-79 (अपराह्न)
2. श्री के० एम० प्रल्हाद	12-12-79 (अपराह्न)
3. श्री सी० अस्वथनारायण	14-12-79 (अपराह्न)
4. श्री आर० राधाकृष्ण	26-12-79 (पूर्वाह्न)

एस० खालागोपाल
कार्यालय अध्यक्ष
भारतीय खान व्यूरो

(कोयला विभाग)

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था

धनबाद, दिनांक जनवरी 1980

सं० प्रशासन 12(1)/79—श्री ए० एन० गुप्ता, जो कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था के स्थाई कनिष्ठ अभियन्ता (विषुत) हैं, दिनांक 10-12-1979 (पूर्वाह्न) से सहायक अभियन्ता (विषुत) के पद पर पदोन्नति किये जाते हैं और कल्याण कार्य प्रभाग नं०-1, धनबाद के अधीन परस्परित किये जाते हैं।

टी० सी० के० लोथा
कोयला खान कल्याण आयुक्त

दूरदर्शन महानिदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 22 जनवरी 1980

सं० ए० 19012/6/79-एस० २—महानिदेशक, दूरदर्शन, आकाशवाणी इलाहाबाद के प्रशासनिक अधिकारी श्री ए० के० चक्रवर्ती को दूरदर्शन केन्द्र, लखनऊ में रु० 650-1200 के वेतनमान में प्रशासनिक अधिकारी (वरिष्ठ) के पद पर 29-1-1979 (अपराह्न) से नियुक्त करते हैं।

2. दूरदर्शन केन्द्र, लखनऊ के प्रशासनिक अधिकारी (वरिष्ठ) श्री ए० के० चक्रवर्ती निवर्तन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31-1-1979 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

सी० एल० आर्य
उप महानिदेशक प्रशासन
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 21. जनवरी 1980

सं० ए० 19012/1/80-सिव्हन्डी 1:—फिल्म प्रभाग के मुख्य निर्माता ने पोस्ट और तार कार्यालय के इंस्पेक्टर श्री एन० टी० बोर्स को फिल्म प्रभाग, बम्बई में दिनांक 5-1-1980 के पूर्वाहि से डेपॉटेशन आधार पर कल्याण अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

न० ना० शर्मा
सहायक प्रशासकीय अधिकारी
कृते मुख्य निर्माता

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निवेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 21 जनवरी 1980

सं० ए० 35021/1/77-स्था०—श्री जी० के० गुगलानी, स्थाई वरिष्ठ आर्टिस्ट, जो इन्टर नेशनल क्राप्स रिसर्च हस्टी-ट्यूट थार दि सेमि एरिड ट्रापिक्स, हैदराबाद में प्रतिनियुक्त हैं का इस निवेशालय के वरिष्ठ आर्टिस्ट पद से त्यागपत्र 16 मई, 1979 से स्वीकार किया जाता है।

जनकराज लिखी
उप निवेशक (प्रशासन)
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार (निवेशक)

स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 जनवरी 1980

सं० सं० ए० 12025/2/79-स्टोर-1—राष्ट्रपति ने फैक्टरी प्रबन्धक श्री सुमीर चौधरी को 27 दिसम्बर, 1979 से छः महीने की अवधि के लिये सरकारी विक्रिता सामग्री घण्डार, हैदराबाद में उप सहायक महानिवेशक (चिकित्सा सामग्री) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

शिव दयाल
उप निवेशक प्रशासन (स्टोर्ज)

नई दिल्ली, दिनांक 22 जनवरी 1980

सं० ए० 12025/18/79-(एफ० आर० एल० एस०) प्रशासन-1—राष्ट्रपति ने खाद्य अनुसन्धान और मानकीकरण प्रयोगशाला, गाजियाबाद के कनिष्ठ विश्लेषक श्री विजय कुमार ढींगरा को 28 दिसम्बर, 1979 के अपराह्न से आगामी आदेशों तक उसी संस्थान में वरिष्ठ विश्लेषक के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

खाद्य अनुसन्धान और मानकीकरण प्रयोगशाला गाजियाबाद में श्री विजय कुमार ढींगरा की वरिष्ठ विश्लेषक के पद पर नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप उन्होंने 28 दिसम्बर, 1979 (अपराह्न) से उक्त संस्थान से कनिष्ठ विश्लेषक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 25 जनवरी 1980

सं० ए० 12023/2/79-प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिवेशक ने श्री सी० विठ्ठल को 28 दिसम्बर, 1979 अपराह्न से आगामी आदेशों तक श्री० सी० जी० वैष्णीन प्रयोगशाला, गिर्णी, मद्रास में प्रशासनिक अधिकारी (ए० ए०) के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला
उप निवेशक प्रशासन

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय

विषयन एवं निरीक्षण निवेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 29 जनवरी 1980

सं० ए० 19025/34/79-प्र० त०—विभागीय पदोन्नति समिति (वर्ग भी) की संस्तुतियों के आधार पर निम्नलिखित वरिष्ठ निरीक्षकों को अगले आदेशों तक इस निवेशालय में उनके समक्ष दर्शित स्थान पर एवं दिनांक से स्थानापन्न सहायक विषयन अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है:—

1. श्री पी० सूर्यनारायण मूर्ति	31-12-79 गन्दूर (पूर्वाह्न)
2. श्री के० रामा राव	4-1-80 चिलकालूरपेट (पूर्वाह्न)
3. श्री० मोहन नायडू	28-12-79 मद्रास (पूर्वाह्न)
4. श्री के० एम० नारायण मूर्ति	2-1-80 बंगलौर (पूर्वाह्न)
5. श्री ए० एम० गोपीनाथ	2-1-80 सूरत (पूर्वाह्न)
6. श्री मदन लाल मीना	29-12-79 अमृतसर (पूर्वाह्न)
7. श्री आर० पी० जयसवाल	2-1-80 बम्बई (पूर्वाह्न)
8. श्री एम० जे० डेविस	2-1-80 मद्रास (पूर्वाह्न)
9. श्री के० एम० बालाकृष्णन	2-1-80 बोद्धीनायकानूर (पूर्वाह्न)
10. श्री एस० सी० हलदर	29-12-79 कलकत्ता (पूर्वाह्न)
11. श्री एच० एन० सिंह	2-1-80 पटना (पूर्वाह्न)

दिनांक 29 जनवरी 1980

सं० ए० 19024/6/78-प० त०—इस निवेशालय के माध्यम नागपुर में सहायक निवेशक (सामान्य रसायन) के पद पर पदोन्नत होने के फलस्वरूप श्री बी० ए० सरनोबत ने दिनांक 17-12-1979 के अपराह्न में अम्बई में मुख्य रसायनज्ञ का कार्यभार छोड़ दिया।

श्री० ए० ए० मनिहार
प्रशासन निवेशक
कृते कृषि विपणन सलाहकार

भाषा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र
(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 16 जनवरी, 1980

सं० पी० ए०/६१(१३)/७९-भर्ती-४—नियंत्रक, भाषा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र, इस केन्द्र के उप अधिकारी, श्री पलककपराविल वेलाण्ड नारायणन् को स्टेशन आफिसर के पद पर, 4 जनवरी, 1980 पूर्वाह्न से अग्रिम आदेश तक, तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

ए० ए० विक्षित
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु कर्जा विभाग

क्रय एवं भंडार निवेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 4 जनवरी 1980।

सं० डी० पी० ए०/२/१(८)/७९-प्रशासन/३०—श्री टी० ए० बी० अट्टर, स्थाई सहायक कार्मिक अधिकारी और स्थानापश्च प्रशासन अधिकारी-II का तबादला रिएक्टर अनुसन्धान केन्द्र, बलपाक्कम से होने पर, उन्हें 30 नवम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये क्रय एवं भंडार निवेशालय के मद्दास क्षेत्रीय क्रय यूनिट में उसी पद पर नियुक्त किया गया है।

के० पी० जोसफ
प्रशासन अधिकारी

भारी पानी परियोजना

बम्बई-400008, दिनांक 25 जनवरी 1980।

सं० ०५०००/जे०-६/४६२—भारी पानी परियोजना (कोटा) के श्री जवाहरलाल जैन, अस्थाई प्राशुलिपिक (वरिष्ठ), 9 जनवरी, 1980 (पूर्वाह्न) से भारी पानी परियोजना (मुख्य कार्यालय) में आगे आदेश होने तक के लिये सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त किये जाते हैं।

के० जंकरनारायणन
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी
कृते विशेष कार्य अधिकारी

2-456GI/79

प्रस्तरिका विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलौर-५६००२५, दिनांक 14 जनवरी 1980

सं० १०/५(१५)/७९-सि० ई० प्र० (एच०)—प्रन्तरिक्ष विभाग में सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य अभियन्ता, सिविल इंजीनियरी प्रभाग के तकनीकी सहायक-मी, श्री अरविन्द माधव कोले, जो कि इस समय आन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र, अमृमदाबाद के इंजीनियर अनुरक्षण प्रभाग में कार्य कर रहे हैं, की इंजीनियर एस० बी० के पद पर स्थानापश्च रूप में दिनांक 1 अक्टूबर, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक पदोन्नत करते हैं और उन्हें उसी प्रभाग में कार्य करने के लिये तैनात किया गया है।

ए० ए० ए० रामदास
प्रशासन अधिकारी-I

महानिवेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 जनवरी 1980

सं० ए० ३२०१३/१७/७८-ई० ए०—राष्ट्रपति जी ने श्री ए० सी० मलिक, सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी को दिनांक 9 जनवरी, 1980 से छः मास की प्रवधि के लिये अपवा पद के नियमित रूप में भरे जाने तक, इनमें जो पहले हो, तदर्थ आधार पर विमानक्षेत्र अधिकारी के घेड़ में नियुक्त किया है। श्री मलिक को सिविल विमानक्षेत्र, अमृतसर में तैनात किया जाता है।

विश्वविनोद जौहरी
सहायक निवेशक प्रशासन
कृते महानिवेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 17 जनवरी 1980

सं० ए० ३२०१४/१/७९-ई० ए०—महानिवेशक नागर विमानन निम्नलिखित विमानक्षेत्र सहायकों को 17 सितम्बर, 1979 से अन्य आदेश होने तक तदर्थ आधार पर सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी के घेड़ में नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्थेशन
1.	श्री धर्मपाल	दिल्ली एयरपोर्ट, पालम
2.	श्री ए० ए० भारद्वाज	दिल्ली एयरपोर्ट, पालम

विश्वविनोद जौहरी
सहायक निवेशक प्रशासन

मई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1980

सं० ए० 32014/4/79-ई० सी०—महानिदेशक नामर विभानन निम्नलिखित तीन संचार सहायकों का प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से तदर्थं आधार पर सहायक संचार अधिकारी के प्रेष्ठ में वियुक्त करते हैं और उनके नाम के सामने दिये गये स्टेशनों पर तीनात किरते हैं:—

क्रम सं०	नाम	मौजूदा तीनाती स्टेशन	किस स्टेशन पर तीनात संभालने की किया गया तारीख
----------	-----	----------------------	---

सर्वश्री

- जे० एस० नामर विभानन वै० सं० 12-12-79
अगस्तस प्रशिक्षण केन्द्र, स्टेशन मद्रास (पूर्वाह्न)
इलाहाबाद
- आर० वै० सं० स्टे- वै० सं० स्टे- 12-12-79
वेंटुरेश्वरलू शन, गोहाटी शन, गोहाटी (पूर्वाह्न)
- एम० नटराजन वै० सं० स्टे- वै० सं० स्टे- 22-12-79
शन, पोरबन्दर शन, नागपुर (पूर्वाह्न)

सं० ए० 38012/1/79-ई० सी०—मानर विभानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित दो अधिकारियों ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर अपने नाम के सामने दिये गये स्टेशनों पर और दी गई तारीख को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है:—

क्रम सं०	नाम व पदनाम तीनाती स्टेशन	कार्यभार त्यागने की तारीख
1.	श्री के० जी० राधवन वैमानिक संचार स्टेशन सहायक तकनीकी विवेद्यम (अपराह्न) अधिकारी	31-12-79
2.	श्री दलीप सिंह, सहायक संचार अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, नई दिल्ली (अपराह्न) 31-12-79

आर० एन० वास सहायक निदेशक प्रशासन

मई दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 1980

सं० ए० 12025/3/71-ई०I—इस कार्यालय की दिनांक 5 जुलाई, 1979 की अधिसूचना सं० ए० 12025/3/71-

ई०-१ के क्रम में महानिदेशक नामर विभानन ने श्री कृष्ण कुमार शर्मा की नामर विभानन विभाग में शिव्यो अधिकारी के पद पर तदर्थं नियुक्ति को 31-12-79 के आगे छः माह के लिये अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें जो भी पहले हो, जारी रखने की मंजूरी दे दी है।

चितरंजन कुमार वरस सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्तापक शुल्क समाहर्ता का कार्यालय

गृट्टूर-522004, दिनांक 19 जनवरी 1980

सं० सि० स०/IV/16/46/79-ए० डि० जे०—कृपया तारीख 23 अक्टूबर, 1979 बौद्ध के पद भिसिल संख्या 207/43/79-के० उ० का० 6 की ओर ध्यान दीजिये जिसकी एक प्रति आपको पृष्ठांकित की गई थी।

भारत के राजपत्र के भाग III धारा 1 में प्रकाशन के लिये, केन्द्रीय उत्तापक शुल्क और लबण अधिनियम 1944 और उसके अन्तर्गत बनाये गये नियमों के अधीन विभागीय कार्यालयी में दो दी ठहराये गये या घण्डित किये गये व्यक्तियों के नाम और अन्य विवरण भेजे जा रहे हैं:—

(क) अधिनियम के धारा 9 के अधीन अदालत द्वारा अपराधी ठहराये गये व्यक्ति:—

व्यक्ति का नाम और सि० स० संख्या अपराध नियर्ण के विवरण पता

सर्वश्री

- टि० निज़व्या, यल 109/75० 50 रुपये अदा करना एक 5 संख्या 2/78, महीना कठिम कैद में बोखिलि
- यम० सत्यनारायण 108/75 —यथोपरि—
- वि० वि० रमण 110/75 —यथोपरि—
- टि० वि० सुब- 1862/76 500 रु अदा मण्यम, यल ०-५ संख्या 2/74, पालकोल
- सि० सूर्याराव, 157/76 1000 रु जुर्माना अदा कुल्ला
- सि० वि० यन० 157/76 500 रु जुर्माना अदा प्रसाद, कुल्ला

(ख) वे व्यक्ति, जो अधिनियम के किन्हीं उपबन्धों का उल्लंघन करते हुए अधिनियम के धारा 33 में उल्लिखित अधिकारी द्वारा पकड़े गये और जिन पर ऐसे अधिकारी द्वारा दस हजार या उससे ज्यादा जुर्माना लगाया गया।

उपनियम (I) में उल्लिखित अन्य विवरण

व्यक्ति का नाम और पता/
कम्पनी या फर्म

अधिनियम के उपबन्ध
उसके अन्तर्गत बनाये गये
नियम जिनका उल्लंघन किया
गया

और लगने योग्य
जुर्माने की राशि वस्तुओं का मूल्य

या अन्य जायदाद

जिसको अधिनियम
के धारा 10 के
अधीन दण्ड रूप में
लेने के लिये अदा-
लत द्वारा आदेश
दिया गया है अधि-
नियम के धारा 33
में उल्लिखित
अधिकारी द्वारा जम्हा
किया गया है।

अधिनियम के नियम 181
धारा 31 के के अधीन र

अधीन सर्वस्व किये गये

अपहरण के लाइसेंसों का
स्थान पर विवरण

लगाई गई

जुर्माने की

राशि

1	2(क)	2(ख)	2(ग)	2(घ)	2(झ)
---	------	------	------	------	------

1. सर्वश्री गुट्टर जिला मिल्क नियम 173-ख (2) ग (2क), प्रोड्यूसर्स को यूनियन 173 (च) 9(1), 173 (छ) लिमिटेड फीडर बालन्सिंग (4) और 173(छ)(2) डेरी, यल० 4 संख्या केन्द्रीय उत्पादक शुल्क के नियम 1/77 (फुड प्राइ- 1944 क्टस), वडलमूडि, तैनालि (तालुक), गुट्टर जिला (ओ० प्र०) (ओ० आर० संख्या 17/यम० पि० 77/ए० डिजे)	50,000 ₹० शून्य	शून्य	शून्य
2. सर्वश्री पेपर हंजीनीरिंग केन्द्रीय उत्पादक शुल्क के नियम सर्विसस, प्राइवेट लिमिटेड, 9(1), 173-पि० पि०, 174, यल० 4, संख्या 2/78(ए० 43 और 48 (ओ० जियम इ पस), विजयवाडा, कूल्णा जिला, (आन्ध्र प्रदेश) (ओ० आर० संख्या 9/यम० पि० 78/ए० डिं जे०)	10,000 ₹० शून्य	शून्य	शून्य

सी० भुजंगस्वामी;
समाहृती

केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क समाहरणिय

भुवनेश्वर, दिनांक 26 नवम्बर 1979

सं० 7/79:—सेवा निवृति की आयु हो जाने पर केन्द्रीय उत्पाद और सीमा शुल्क के भुवनेश्वर कार्यालय में स्थापित हुए निम्नलिखित आफिसरों इस विभाग से अवसर लिये।

अफसरों के नाम	अवसर लेने तारीख
1. श्री भोलानाथ मिश्र अधीक्षक	31-5-79
2. श्री कन्देरीचरण महापाल अधीक्षक	31-5-79
3. श्री नरसिंग मिश्र अधीक्षक	31-5-79
4. श्री वीरभद्र बल अधीक्षक	30-6-79
5. श्री बान्धानिधि मिश्र	31-8-79
6. श्री जुगल किशोर घोस प्रशासन अधिकारी	31-10-79

सं० 8/79:—पदोन्नति होने पर केन्द्रीय उत्पाद और सीमा शुल्क भुवनेश्वर में निम्नलिखित निरीक्षकों (सीनियर ग्रेड)स्थानापन्न अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद और सीमा शुल्क (श्रेणी ख) पदवी का कार्यभार ग्रहण किये।

अफसरों का नाम	कार्यभार ग्रहण की तारीख
(एफ०एन०)	
1. श्री बिस्वनाथ सेठि	6-6-79
2. श्री एन० विं० एन० राऊ	27-6-79
3. श्री फनसीस लाकी	31-7-79
4. श्री नटवर दास	13-9-79

एच० बुमखो थांगू
समाहरणी

महानिवेशक निर्माण

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 28 जनवरी 1980

सं० 27-एस०/के० (3)/68-ई० सी०II:—राष्ट्रपति ने केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के अस्थाई अधीक्षक इंजीनियर (सिविल) श्री बी० जी० खूबचन्दानी (जोकि इस समय प्रवकाश पर है) के सेवा से निवृत्त होने के नोटिस को स्वीकार कर लिया है। तदनुसार श्री खूबचन्दानी 26-1-1980 (अपराह्न) को सेवा से निवृत्त हो जायेगे।

मु० स० प्रकाश राव
प्रशासन उपनिवेशक
कृते महानिवेशक (निर्माण)

विधि, स्थाय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम (1956 और कैलाश फार्झनोन्सियर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 19 जनवरी 1980

सं० जी०/स्टेट/560/2403/813:—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कैलाश फार्झनोन्सियर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विधिटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और बी०जी० स्टेन्डर्ड ट्रूल्ज पाइवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 1980

सं० जी०/स्टेट/560/2779/815:—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बी० जी० स्टेन्डर्ड ट्रूल्ज प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विधिटित कर दी जायेगी।

सत्य प्रकाश तायल,
कम्पनी रजिस्ट्रार
पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चंडीगढ़

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स स्टोर्स डाइज एण्ड केमीकल्स लिमिटेड के विषय में।

प्रहमदावाद, दिनांक 24 जनवरी 1980

सं० 560/598:—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स स्टोर्स डाइज एण्ड केमीकल्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स दी भावनगर, पञ्जिक डेरी लिमिटेड के विषय में।

प्रहमदावाद, दिनांक 24 जनवरी 1980

सं० 560/721:—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स दी भावनगर, पञ्जिक डेरी लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटित हो गई है।

कम्पनी प्रधिनियम, 1956 घोर मैसर्स शुभदर्शिनी प्रिन्टर्स एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्रहमदाबाद, दिनांक 24 जनवरी 1980

सं० 560/2337:—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स शुभदर्शिनी प्रिन्टर्स एंटरप्राइजेज लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषट्टि हो गई है।

जे० गो० गाथा,
प्रमण्डल पंजीयक, गुजरात राज्य,
ग्रहमदाबाद,

कम्पनी प्रधिनियम 1956 और पदमसेंस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 25 जनवरी 1980

सं० जी०/स्टेट/560/3081/960:—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर पदम सेल्ज प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषट्टि कर दी जायेगी।

एन० एन० मौलिक,
[कम्पनी रजिस्ट्रार,
पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़]

कार्यालय आयकर आयुक्त, लखनऊ
(आयकर)

लखनऊ, दिनांक 21 नवम्बर 1979

सं० 168:—कार्यालय निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त (निर्धारण) मुरादाबाद के रूप में एक नये प्रभार का गठन मुरादाबाद में किया जाता है।

2. यह आदेश 21-11-1979 से प्रभावी है।
शिविर मुरादाबाद

आदेश

लखनऊ, दिनांक दिसम्बर, 1979

क्षेत्राधिकार—आयकर प्रधिनियम 1961, धारा 124(1) और (2)—आयकर कार्यालय वृत्त II मुरादाबाद।

सं० 81(सी०)(II)/78-सकनीकी:—पृष्ठांकन 81 (सी०)(14)/77 तकनीकी, दिनांक 3-1-78 के अन्तर्गत जारी किये गये 31-12-77 वाले इस कार्यालय आदेश में, जिसे उक्त पृष्ठांकन संख्या दिनांक 7-12-79 के अन्तर्गत जारी 5-12-79 वाले कार्यालय आदेश द्वारा संशोधित किया गया

है, ग्रांशिक तरमीम किया जाता है। निम्नलिखित मद को १० वार्ड वृत्त I, मुरादाबाद (जो पहले भी वार्ड, मुरादाबाद था) के आयकर अधिकारी के क्षेत्राधिकार (कालम 5) में जोड़ा जायेगा।

“(5) ऐसी सभी व्यक्ति/व्यक्ति वर्ग जिनकी पिछली अन्तिम निर्धारित आय तारीख 30-11-79 तक निर्धारण हेतु अनिर्णीत पड़ी विवरणी की आय ५ लाख रुपये या उससे भी अधिक है और जिनका निर्धारण कार्यालय आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 124(3) के प्रावधानों के अन्तर्गत आयकर आयुक्त, लखनऊ प्रभार के अल्मोड़ा, बिजनौर, चमोली, मुरादाबाद, पोड़ीगढ़वाल, पिंडीरा गढ़, रामपुर के जिलों में स्थित है।”

“(6) लिमिटेड कम्पनियाँ जो मद संख्या (5) के अन्तर्गत आती हैं, के अध्यक्षों प्रबन्धनिदेशकों, निदेशकों और प्रबन्धकों के सभी मामले।

(7) किसी फर्म जो उक्त मद संख्या (5) के अन्तर्गत आती है, के साझीदारों के मामले।

2. यह आदेश 15-12-79 से प्रभावी है।

दिनांक 7 दिसम्बर 1979

आयकर अधिनियम, 1961 धारा 125-ए के अन्तर्गत आयकर आयुक्त लखनऊ प्रभार में निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त (निर्धारण) मुरादाबाद का क्षेत्राधिकार

सं० 24/79-तक-1:—आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 125-ए की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का एवं इस पक्ष में मुझे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं आयकर आयुक्त, लखनऊ एतद्वारा यह निवेश देता हूँ कि निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त (निर्धारण) मुरादाबाद उन सभी अधिकारों या कार्यों का सम्पादन करेंगे जो एक आयकर अधिकारी को प्रवत्त या सौंपे जाते हैं, और वह इन अधिकारों तथा कार्यों की वृत्त II मुरादाबाद के आयकर प्रधिकारियों की सहमति से सम्पादित करेंगे।

2. यह आदेश 15-12-79 से प्रभावी है।

दिनांक 10 दिसम्बर 1979

सं० 177—आयकर वृत्त मुरादाबाद को दो वृत्तों में एतद्वारा विभाजित किया जाता है जिन्हें वृत्त-I मुरादाबाद एवं वृत्त-II मुरादाबाद के नाम से जाना जायेगा।

2. उक्त के फलस्वरूप भी ‘वार्ड’ मुरादाबाद तथा एफ-वार्ड, मुरादाबाद के नाम से विद्वत् उप प्रभारों को अब क्रम से नवगठित आयकर वृत्त-II मुरादाबाद के ए- वार्ड और बी- वार्ड के नाम से जाना जायेगा।

सं० 179—आयकर कार्यालय वृत्त-I,—मुरादाबाद के गठन के फलस्वरूप ए० सी० डी० और ई०- वार्ड आयकर कार्यालय मुरादाबाद के नाम से अब तक विद्वत् इन उपप्रभारों को क्रमशः ए० बी० सी०, और ई० वार्ड आयकर कार्यालय वृत्त-I मुरादाबाद के नाम से जाना जायेगा।

सं० 180—आयकर वृत्त बरेली के डी०- वार्ड नाम से अब तक विदित उप प्रभार का पुनराभिधान सी०- वार्ड वृत्त-II मुरादाबाद के नाम से किया जाता है। जिसका मुख्यालय बरेली होगा।

सं० 181—आयकर वृत्त बरेली के ई० एफ० और जी०- वार्ड के नाम से अब तक विदित उपप्रभारों का पुनराभिधान क्रमशः डी०, ई० और एफ० वार्ड आयकर वृत्त, बरेली के नाम से किया जाता है।

ये आदेश 15-12-1979 से प्रभावी हैं।

आयकर अधिनियम 1961 की धारा 123(1) और (2) आयकर आयुक्त, लखनऊ प्रभार के निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्तों का धेनाधिकार।

सं० 81(बी०)/78-तक०—आयकर अधिनियम 1961 की धारा 123 की उपधारा (1) और (2) द्वारा प्रदत्त जक्षितयों का उपयोग करते हुए तथा विषय पर पिछले सभी आदेशों का अधिकमण करते हुए मैं, आयकर आयुक्त लखनऊ एतद्वारा यह निदेश देता हूं कि इसके साथ संलग्न अनुसूची के कालम-2 में लिखित रेन्जों में तैनात निरीक्षी सहायक

आयकर आयुक्त सूची के कालम-4 में लिखित आयकर वृत्तों के क्षेत्रों के सभी व्यक्तियों व व्यक्तिवर्गों तथा सभी प्रकार की आय व आय वर्गों से सम्बन्धित अपने कार्यों का सम्पादन करेंगे।

2. यह आदेश 15-12-1979 से प्रभावी है।

धेनाधिकारी आयकर अधिनियम 1961 की धारा 124(1) और (2) आयकर कार्यालय संकिल-II, लखनऊ।

सं० 81 (सी०)/II/78-तक०/खण्ड-II—पूर्णांकन 81(सी०)(II)/78-तक० दिनांक 28-4-79 के अन्तर्गत जारी किये गये तारीख 28-4-79 वाले इस कार्यालय आदेश में आंशिक तरमीम करते हुए निम्नलिखित जिलों को आयकर अधिकारी ए०- वार्ड, वृत्त II लखनऊ के धेनाधिकार (कालम 5) से निकाल दिया गया है।

“अल्मोड़ा, बिजनौर, चमौली, मुरादाबाद, पौड़ी गढ़वाल, पिथौरागढ़ और रामपुर”

यह आदेश 15-12-79 से प्रभावी है।

धरनी धर,
आयकर आयुक्त, लखनऊ

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्राप्त
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सार्वजनिक, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज

4/14 क, आसफगढ़ी मार्ग, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली दिनांक, 24 जनवरी 1980

निवेश सं. प्राई. ए० सी०/एक्यू.१/१-८०/९९१—अतः
मुझे, जी० सी० अग्रवाल

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सकाम प्रायिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि इसके उपाय अनुसूची में पूर्ण रूप
से वर्णित हैं।

और जिस की सं. 12 सी ब्लाक डी है तथा जो हौज खास
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीयरजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 25-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्दे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त 'अन्तरण
निवित' में वास्तविक रूपे कृतित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में इई किसी आय का बाबत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के मन्त्रक के
दायित्व में कभी उक्त या उससे उक्त में पूर्णिमा
र सिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, किन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
बनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या त्या जामा आहिए था, छिपाने में
मुश्किल के सिए;

अब : अथ, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के अनुसर
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपषारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अवैत :—

(1) श्री सतपाल शर्मा पुत्र श्री मंगतराम निवासी ग्राम
स्मालीर तहसील मोगा, जिला फरीट कोट (पंजाब)
दजरिये मुख्यार ग्राम हरवंस लाल पुत्र मुश्नी
राम निवासी आर-6, ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली
(2) मै.० कुलबन्द राय जय चन्द एन्ड सन्स (हि० अ०
(अन्तरक)

द्वारा कुलबन्द राय पुत्र काशी राम जय चन्द
निवासी ग्राम लोहाराम तहसील मोगा जिला
फरीटकोट (पंजाब) हाल खालियामेडिया, डिग्रुगढ़
(आसाम)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;
(ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोवस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

दस्तीकरण :—इसमें पूर्वक शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय 20-क दिया
गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान नं. 12 सी, ब्लाक डी० जो प्लाट
क्षेत्रफल 272.2 वर्ग गज पर बना है, हौज खास इन्क्लेव
नई दिल्ली जो गांव खरेरा है और दिल्ली कुतुब रोड पर
स्थित है। उसकी सीमायें निम्न प्रकार हैं

पूर्व : मकान नं. डी/12-डी

मध्यिम : मकान नं. डी/12-डी

उत्तर : सड़क

दक्षिण : मकान नं. डी/55-सी

जी० सी० अग्रवाल
सकाम अधिकारी

सहायक प्रायकर प्रायुक्त निरीक्षण
अर्जन रेज I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 24 जनवरी 1980

मोहर :

प्रृष्ठ प्राइंटी० टी० एन० एस०—

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अजंत रेज-IV बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 नवम्बर 1979

निवेश सं० एडार-IV /897/79-80—ग्रातः मुझे छही एस०
शेषाद्वी

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इतने पहलात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है
और जिस की सं० प्लाट नं० 157 ए० टी० पी० एस० नं० 111
घाटकोपर है तथा जो घाटकोपर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन विलेख न० एस 9786/78 दिनांक 8-5-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का न्यून प्रतिशत से अधिक है और
ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित
नहीं किया गया है:—

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम, के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बदले में सुविधा के
लिए; और/वा

(क) ऐसे किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
ग्रन्तकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ ग्रन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या कियाने में
सुविधा के लिए;

ग्रातः, यद्य, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, प्रत्यक्षित:—

(1) श्री मानजी राजाराम पटेल

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मदन परबत पटेल

लालजी परबत पटेल

नारायण परबत पटेल

महेश भवन पटेल

मैसेस कैलाश कन्स्ट्रक्शन कंपनी के भागीदार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजंत के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजंत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्यों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वारा में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से
किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अवित्य द्वारा, अप्रोहस्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुख शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

ग्रनुसूची जैसा कि कि विलेख न० एस 9786/78 बम्बई
उपरजिस्ट्रार ग्राधिकारी द्वारा दिनांक 8-5-79 के रजिस्टर्ड
किया गया है।

बी० एस० शेषाद्वी
सकाम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अजंत रेज IV-4 बम्बई

दिनांक: 3 नवम्बर 1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. डी.एन.एस.—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, संतुष्ट आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, अर्जन रेज III बम्बई
बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1979
निवेश सं. ए० आर० III/ए० पी०/305/79-80—अतः
मुझे पी० एल० रंगटा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन संकर प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 2500/- रुपए
से अधिक है

और जिस की सं. ब्लाट नं. 7, 8, एस नं. 121 है तथा
वर्सोवा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 4 भर्व 1979 विलेख नं. 5639/78
को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में
ते, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अक्षितयों, अवृत्ति:—
3—456GI/79

(1) श्री खूबचन्द बाटुमल

(अन्तरक)

(2) इन्हों सायगोन एजेंसी के प्रोप्राइटर श्री गोविंद
वालीनदास दरयानानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो हरके दूर्वार सम्पत्ति के अवृत्त के
लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवृत्त के सम्बन्ध में कोई भी आवाप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि वाले में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धा
किसी अन्य अविक्त द्वारा, अपोहस्ताकारी के पास
विवित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के प्रयोगाय 20-क में परिचालित है,
वहाँ प्रबंध होगा, जो उस प्रयोग में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं. एस० 639/79 बम्बई
उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 4-5-79 के रजिस्टर्ड
किया गया है।

पी० एल० रंगटा
संकर प्राधिकारी
संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III बम्बई

दिनांक: 7 दिसम्बर 1979

मोहर:

प्रकृत पाई० टी० एस० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

कार्यालय, अर्जन रेंज II बम्बई

बम्बई दिनांक 20 विसम्बर 1979

निवेश सं० ए० आर० II/2783-1/भ० 79—अतः मुझे
पी० एल० लंगटा

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है फि इथाँ उक्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए में प्रदिक्षित है

और जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 427, 427 (29)
पाठ है तथा जो मालाड (इ) में स्थित है (और इससे उपर्युक्त
प्रानुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1980 का 16) के अधीन दिनांक 4-5-79 विलेख
संख्या नं० एस० 439/78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की रही है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यहाँपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पश्चात् प्रतिकल से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्न-
तिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक कर पर से
कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबिल
में कमों करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।
बोर/पा।

(1) श्री काशीप्रसाद जे० अडुकिया, महावीर प्रसाद
जे० अडुकिया।

(अन्तरक)

(2) श्री मती सुशीला देवी एस० थरड, सुलोचना देवी
एस० थरड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाये में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोहस्ताकरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रवृत्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
बहुत अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को,
जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या छत-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस० 439/78/बम्बई
उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 4-5-79 में रजिस्टर्ड
किया गया है।

पी० एल० लंगटा

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II बम्बई

दिनांक 20 विसम्बर 1979

त्रैहर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :

प्रकृष्ट प्राईंटी० ई० एन० एत०—

प्राधिकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 24 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० ए० आर०III/ए० पी० 306/79—अतः मुझे
बी० तोषांग

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 4, 5 मार्टी० पी० एस० नं० 6,
अंधेरी, सी० टी० एस० 633, 633/1,633/2 है तथा जो
अंधेरी में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 16-5-79 विलेख नं० एस० 2132/77 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यहांपूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिक्रिया से अधिक है और
प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
रूप से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बात उक्त अधि-
नियम के अधीन करने के अन्तरण के वायिष्ठ
में कभी करने या उपर्युक्त बचने में सुविधा के
लिए और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या ग्रन्थ प्रास्तियों
को, जिन्हे भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
भारतीय प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनु-
सरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपलब्धा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवृत्त :—

(1) श्रीमती नन्दाबेन जे० शेष
(2) श्रीमती आशा नरेन्द्र शाह
(अन्तरक)
(3) श्रीमती नन्दाबेन जे० शेष
(अन्तरिती)
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्मति है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवृत्त के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवृत्त के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
प्रयोग होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस० 2132/77/बम्बई
उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 16-5-79 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

बी० तोषांग
सक्रम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 3 बम्बई

दिनांक: 24 दिसम्बर 1979

मोहर :

प्रकाश प्राई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 3 बम्बई
बम्बई, दिनांक 24 दिसम्बर 1979
निर्देश सं० ए० आर० 3/ए० पी० 307/79-80—अतः
मुझे वी० तोछांग
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 403, सी० टी० एस० 1616, 1616/1 से 1616/6, चैम्बूर, है तथा जो चैम्बूर में स्थित है (और इससे उमाबद्ध अनुसूची में और पूण रूम से वरित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8-5-1979 विलेख नं० एस० 541/78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से करित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यक्ष से हुई किसी घाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या धन्य अस्तियों को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, उपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती ललिता पवार

(अन्तरक)

(2) (1) श्रीमती कुंदनबेन एम० कापाडिया
2 श्री आई० सी० ठक्कर
3. डा० श्रीमती सी० टी० शंकर
4. श्री बी० एस० एस० राव
5. श्री के० अगरवाल
6. श्रीमती निमला शर्मा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गालिए :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लघुदीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस० 541/78/बम्बई उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 8-5-79 को रजिस्टर्ड किया गया है।

वी० तोछांग
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 3 बम्बई

दिनांक: 24 दिसम्बर 1979

मोहर :

प्रलूप प्राई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 बम्बई

बम्बई दिनांक 1 फरवरी 1980

निदश सं० ए० आर० II/2805-2/जुलै/79—अतः मुझे
पी० एल० रुग्ना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस की सं० एस० नं० 3हिस्सा नं० 4(पार्ट) सी०
टी० एस० नं० 2112 (पार्ट) है तथा जो इकासार में स्थित है
(और इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
2-7-79 विलेख संख्या 1136/78

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रतु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० डी० ओगले 2. गुभदा के ओगले 3. कैलास के
ओगले 4. येश्वीनी के ओगले
(अपतरक)
(2) बोरबली राजवैभव को० श्र० का० सो० लि०
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुसूची

ग्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस० /1136/78/बम्बई
उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 2-7-79 में रजिस्टर्ड
किया गया है।

पी० एल रुग्ना
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 1- -1980

मोहर :

प्रक्रम नं ३० टो० एम० एस०—

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) को आदा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० आर० II/2910. 1/दृ० 79—अतः मुझे,
पी० एल० रूंगटा

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को आदा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाद करने का कारण है कि
स्वाचर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिस की सं० सी० एस० नं० सी/816 से सी/819
और सी० एस० नं० सी/804, सी० 805, सी०/808, सी०/809
एस० न० 245 ए/ए और 244/5 है तथा जो पालि हिल
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 24-5-79 विलेख सं० नं० 773/79 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुसूचित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अनुसूचित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यरूप से ही किसी प्राय की वायत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कभी करने या इससे बचने में सुविधा
के लिए; भी/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अनन्हर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाम अनुसूचित द्वाय प्रकट नहीं किया
पाया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब; उक्त अधिनियम की आदा 269-वा के अनुसूच
में, में, उक्त अधिनियम, की आदा 269-वा की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अनुसूचितियों, अर्थात् :—

(1) श्री पल्लवी जे० पांचाल 2 अम्बाबे डि० पांचाल 3.
चेतन्या जे० पांचाल 4. योगेश जे० पांचाल 5.
भैरवी जे० पांचाल

(अन्तरक)

(2) श्री कुंदनमल भवरलाल चौरासिया 2. विजयकुमार
कुंदनलाल चौरासिया 3. श्रीमती समेतवें बी०
चौरासिया 4. संतोष कुमार चौरासिया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन में कोई भी आलेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बद्धी अनुसूचियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अनुसूचियों में से किसी अनुसूचित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वाचर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी व्यष्टि अवधित द्वारा, अधोइस्तानको के पास
लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्वाचीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भी और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्याय 20-क में परि-
भावित हैं, वही पर्यंत होता, जो उस प्रणाय
में दिया दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 773/79/बम्बई आईट
उपरजिस्ट्रार 4 अधिकारी द्वारा दिनांक 24-5-79 में रजिस्टर्ड
किया गया है।

पी० एल० रूंगटा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 2 बम्बई

दिनांक : 1 फरवरी 1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईं टी० एन० एस०—

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1980

निर्वेश सं० आई० एस/एक्सी/भोपाल 79-80/1412—
प्रतः मझे, कु० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के प्रधीन सप्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर ममति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, नथा जो रत्नाम में स्थित है (और इससे उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रत्नाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31/5/1979 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और उम्मे यह विषमाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किए गया है:—

(क) अन्तरण से दूई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रतीनि निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथाति:—

(1) श्री कास्ती लाल पुत्र सेठ कैमरीमन जावानी 2. श्री अशोक चन्द्र 3. श्री उमेश चन्द्र 4. श्री महेश चन्द्र सभी पुत्र श्री कास्ती लाल जी 5. श्रीमती कंचन बाई पत्नी श्री कास्ती लाल जी, सरफिका, उज्जून।

(ग्रन्तिरक)

(2) मेसर्स रत्न राज द्वारा श्री शान्ति नाल पुत्र श्री राजमल चौरडिया, चांदनी चौक, रत्नलाम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीन समाजिक संरचना के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त ममति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आधेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या न्यायस्वरूपी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी श्रम्य यथिक द्वारा अशोहसुनाथरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के ग्रन्थाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रन्थाय में दिया गया है।

अमृसरी

प्लाट नं. 4087 वर्गफॉट स्थित शास्त्री नगर कालोनी, रत्नाम

कृ० का० राय
सक्षम प्राधिकारी

दिनांक : 5 जनवरी 1980

मोहर :

प्रसूचना आई० टी० एस० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्सी/भोपाल 79-80/1413—
अतः मुझे, कृ० का० राय

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (और इससे उमाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जबलपुर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 7-5-1979 को को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पापा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अपील, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवर्त्त :—

(1) श्री राजेन्द्र स्वरूप मदन द्वारा कान्तीदियोगेट एटार्नी
श्री प्रदीन मदन नेपियर टाउन, जबलपुर।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती ग्रोमबती गुप्ता पत्नी श्री एस० एस० गुप्ता
डी० एस० पी० सदर बाजार, जबलपुर
(अन्तरिती)

(3) 1. श्री बी० एस० सचदेवा 2. अरुण मदन 3. श्री टी०
सी० भसीन 4. डा० आर० के० पुरी (सभी किराये
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्कालीन व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दू बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अब्रोइटाक्सी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सरकारीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधाय 20-क में परिचालित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 507 से 510 स्थित नेपियर टाउन, गोरखपुर,
जबलपुर।

कृ० का० राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल

दिनांक : 5 जनवरी 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————
 आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन खेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 5 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्सी/भोपाल/79-80/1414—
 अतः मुझे, कृ० कौ० राय,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-घ के अधीन सक्रम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रु० है प्रतिक्षिप्त है
 और जिसकी सं० मकान है, तथा जो बिलासपुर में स्थित
 है (और इससे उपावक्ष अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
 राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बिलासपुर में राजस्त्री-
 करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
 दिनांक 29-८-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिक्षल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिक्षल से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्षल का पन्द्रह
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
 रिलो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
 प्रतिक्षल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
 में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया जया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उसके बबते में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या ग्रन्थ आस्तियों
 को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
 में, भौत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

456GI/79

(1) श्री ऋषि विहारी 2. श्री श्याम विहारी पुत्र श्री लक्ष्मी
 नारायण वाजपेयी 3. श्रीमती जमना बाई विधवा
 श्री लक्ष्मी नारायण, मसान गंज बिलासपुर ।
 (अन्तरक)

(2) श्री आज्ञा राम पुत्र श्री जगतराम गम्भीर मसानगंज,
 बिलासपुर
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहिकों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में होई भी व्याप्तिः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तस्वीरावी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदाता
 किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधेश्वस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'एक्सी
 अधिनियम', के अध्याय 20-घ में यथा परिभाषित
 है, वही ग्रन्थ होगा, जो उस ग्रन्थावाद में दिया
 गया है।

मुमुक्षु

प्लाट खेत्र फल, 7320 वर्गफुट स्थित मसानगंज,
 बिलासपुर ।

कौ० कौ० राय
 सक्रम प्राप्तिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, भोपाल

द नांक : 5 जनवरी 1980

। :

प्रृष्ठ प्राई० टी० एन० एस०—

मायहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के ग्रन्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रामुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन खेत, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1980

निवेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्ची०/भोपाल/79-80/1415—
ग्रन्ति, मुझे, हृ० कॉ० राय,
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
ग्रन्थीन सकाम ग्रामिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

और जिस फी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है
(और इससे उपाधम ग्रनुसूची में और पूँण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता ग्रामिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रन्थीन 4-5-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
क्षल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
काम से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के ग्रन्थीन नार देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रामिकारी को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए] या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा के 269-ग अनु-
सरण में, वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपकारा
(1) के अधीन, निरीक्षण विधायी, अर्द्धतः—

(1) श्रीमती ज्ञाली बाई पत्नी स्व० श्री मिश्री लाल
सरावणी, गांधी नगर, इन्दौर।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती संतोष देवी पत्नी श्रीनिवास गग्न, 14,
शक्कर बाजार, इन्दौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के सम्बन्ध में कोई ग्रामेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

लम्बीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

मकान नं० 430 स्थित एम० जी० रोड, (खूरी
बाजार), इन्दौर।

कृ० कॉ० राय,
सकाम ग्रामिकारी
सहायक ग्रामकर ग्रामुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेज, भोपाल

दायित्व: 5 जनवरी 1980

मोहर:

प्रधा माई० श० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कायदानीय, भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल/79-80/1416—

ग्रन्त: मुझे, कृ० का० राय,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इन ह पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है,) की धारा
269-घ के अंतर्गत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि व्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से प्रधिक है,

और जिस की सं० प्लाट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कायलिय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 11-7-79 को
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का रुख है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
क्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से नहिं नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अंकितियों, अर्थात्:—

(1) श्री बड़ी लाल व जगमाय पुत्र श्री घासी राम, 32/2,
छीमा बाखल, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स नव आनन्द गृह निर्माण सहकारी समिति
द्वारा प्रैसिडेन्ट श्री शंकर लाल पुत्र श्री राम गोपाल
बिल्लौर, शिव विलास पैलेस, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कायदाविहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट भूमि खसरा सं० 1475/1 व 1475/2 (ऐरिया
1.469 हैक्टेयर्स या 3.63 एकड़) दशहरा मैदान के पास,
इन्दौर।

कृ० का० राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज भोपाल

दिनांक: 5 जनवरी 1980

मोहर :

प्रारूप अर्थात् टी० एन० एस०—

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वा (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन धोब, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल-79-80/1417—

भतः, मुझे, कु० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-वा के प्रधीन सभी अधिकारी को, यह विश्वास करने हा कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० बिल्डिंग है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-7-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से [ही किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी अन्य या किसी बन या अन्य अन्तियों को, जिन्हें भास्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसार मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269वा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अक्षियों, प्रथात् :—

(1) बाटर डेवलपमेन्ट सोसायटी द्वारा श्री पी० एस० बापना 2, रेस कोर्स रोड, इन्दौर।
(अन्तरक)
(2) मेसर्स बिदासारिया अदर्स 195, एम० टी० क्लाथ मॉर्केट, इन्दौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अक्षियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षियों में से किसी अक्षिये द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य अक्षिये द्वारा, अखोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शब्द होंगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है

अनुसूची

प्लाट नं० 15 पर स्थित सुपर स्ट्रक्चर्स, बिल्डिंग भाष्य 6700 बर्गफुट विशुल फेनेक्शन, पानी कनेक्शन, प्राफिस स्ट्रक्चर्स स्थित पोलोग्राउन्ड, इन्दौर।

कु० का० राय,
समझ प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेज, भोपाल

दिनांक: 5 जनवरी 1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269च(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 5 जनवरी 1980

निवेश सं० आई० ए० सी०/एकवी/भोपाल-79-80/1418—

अतः मुझे क्र० का० राय

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269च
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यदि विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है
(और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25/7/1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यनाम
प्रतिफल के लिए प्रतिरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
मम्भूत प्रतिशत प्रधिक है और प्रतिरक (प्रतिरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) दो बीच ऐसे प्रत्यरूप के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से दुर्ई किसी प्राय की बाबत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी ब्रन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या
बद-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः प्रत उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रस्तरण
में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बापू राव पुत्र श्री पाहुरंग प्रिन्स टेलर्स, सेन्ट्रल
होटल के सामने, एम० जी० रोड, इन्दौर।
(अन्तरक)

(2) श्री देवराज भाई पुत्र श्री देसाभाई 11, ज्वाय
बिल्डर्स कालोनी, इन्दौर।
(प्रत्यक्षित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रावेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे ।

लघुदीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में विद्या
कर्या है ।

अनुसूची

मकान नं० 11 प्लाट माप 2501 वर्गफुट विस्तृत ज्वाय
बिल्डर्स कालोनी, इन्दौर ।

क्र० का० राय

सकाम प्राधिकारी

निरीक्षी सहायक आयकर प्रायुक्त

अर्जन रेंज, भीपाल

दिनांक: 5 जनवरी 1980

मोहर :

प्र० ८४ आई. टी. एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के पश्चीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन शेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल-79-80/1419—
अतः मुझे कृ० कॉ० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के पश्चीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसना उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 14-6-1979 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविध में वास्तविक रूप से कमित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरा में ही किसी धारा की बावजूद, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित वें कमी करने या उत्तरे बनाने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः बबै, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, वर्णात् :—

(1) श्री आनन्द पुत्र श्री बाल कृष्ण आरपुरे 196, पालसीकर कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री शान्ति लाल पुत्र श्री कुन्दनमल जी 26, वैराढी कालोनी, इन्दौर (वर्तमान 168, नेता जी सुभाष मार्ग, इन्दौर)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रवृत्ति के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अवित्यों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्य द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही पर्याय होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 168 का फस्टे फ्लॉर स्थित नेताजी सुभाष मार्ग, इन्दौर।

कृ० कॉ० राय

सक्षम प्राधिकारी

(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 5 जनवरी 1980

मोहर :

प्रकल्प याई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 5 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल-79-80/1420—
अतः मुझे कु० का० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन संबंध में आयकरी द्वारा, यह विवास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

और जिस की सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है
(और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14/6/1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विवास करने का
कारण है कि यद्यपीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरिक्ष (अन्तर्कॉड) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पात्र नहीं किया जाया या प्रतिभल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित हो वास्तविक
सम से कठिन नहीं किया जाया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रतिरक्त के वायिरव
में कमी करने या उक्तसे बचने में सुविधा के लिए;
जीर्ण/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य प्राप्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्त-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनावं
अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया जाया था, या किया
जाना चाहिए था, जिसने में मुश्किल के लिए;

अन्य: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के दृष्यमान
में, वै, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपशारा (1)
के अधीन निम्नलिखित वर्णनों, पर्याप्त :—

(1) श्री आनन्द पुत्र श्री बालकृष्ण घारपुरे 196, पालसीका
कालोनी, इन्दौर।
(अन्तरक)

(2) श्री कुन्दनमल पुत्र श्री मिश्रीमल जैन 168,
नेताजी सुभाष मार्ग, इन्दौर।
(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रवृत्त के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाय
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में मृतबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति होता, प्रबोहस्ताकरी के पात्र
निवित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त पदों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित
हैं, वही अर्थ होता, और उम्म प्रधाया में
दिया जाया है।

अनुसूची

मकान नं० 168 का ग्राउन्ड फ्लॉर स्थित नेताजी सुभाष
मार्ग, इन्दौर।

कु० का० राय
सधम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयकर)
अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक: 5 जनवरी 1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्षी/भोपाल-७९-८०/१४२१—
अतः मुझे कृ० कां० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिस की सं० मकान है, तथा जो रायपुर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप में अण्डित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-५-1979 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती भारती बाई पत्नी श्री सत्यनारायण गुप्ता सिविल लाइन, रायपुर।

(प्रत्तरक)

(2) श्रीमती विद्यादेवी पत्नी श्री गोपीचन्द जयसिंह सिविल लाइन, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वारी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान स्थित प्लाट नं० 10/14 (आय) ब्लाक नं० 11 माम 2000 वर्फुट स्थित सिविल लाइन, रायपुर।

कृ० कां० राय

सक्षम प्राधिकारी

(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 5 जनवरी 1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

ग्रामहर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

नार्यालिंग, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

• अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल-७९-८०/१४२२—

अतः मुझे कृ० कां० राय

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मन्त्र स्थान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस की सं० मकान है, तथा जो जबलपुर में स्थित है,
(और इससे उपबद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण के रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-6-1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तत्र पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगशार्थ प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के अनुसर
में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित घटितियों अर्थात् :—
5-456 GI/79

(1) श्री जुगल किशोर पुत्र श्री बाला प्रसाद लिवारी
मकान नं० 21, 22 वेस्ट निवाड़गंज, जबलपुर
(अन्तरक)
(2) श्री सुन्दर लाल कैशरवानी पुत्र श्री सेवा लाल कैशरवानी
गेट नं० 4 के सामने, मदन महल स्टेशन रोड, राइट
टाउन जबलपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
मापात होती है, उक्त अवधि द्वारा व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन हीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रत्येक व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्य

ब्लाक नं० 53 का मकान, लाईट नम्बर 53 स्थित
निवाड़गंज, जबलपुर।

कृ० कां० राय
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक: 5 जनवरी 1980

मोहर:

प्र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल-79-80/1423—
अतः मुझे कृ० का० राय
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति त्रिपक्ता उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।
और जिस की मं० मकान है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 29-5-79 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सप्तनि का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री श्रीम प्रकाश कालरा, जे 12/1, राजोरी गार्डन न्यू दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री गिरधारी लाल व श्रीमती मोहिनी देवी, ड्रेस सेन्टर, अन्धेर देव, जबलपुर।

(अन्तरिती)

(3) मैसर्स फोर्ट ग्लोजियर इन्डस्ट्रीज लि० 2. मैसर्स हिन्दी टीचिंग स्कूल 3. श्रीमती एस० निगम (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन्दू बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तान्त्री के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टोकरण:—इस प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रत्यक्षी

मकान नम्बर 1071 सी, 1071/1 सी, 1071/2 सी व 1071/उसी स्थित एलाट नं० 3/3, लाजपत कुंज, शिव निवास, जबलपुर।

कृ० का० राय
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 5 जनवरी 1980

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन खेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०; /एक्वी/भोपाल-79-80/1424

अतः मुझे, कु० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्त आधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो गंज बासीदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गंज बासीदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 19-5-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपरे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख)ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भासीप आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः :—

(1) श्री उत्तम चन्द्र व श्री सुन्दर लाल पुत्र श्री सुकलाल जैन, गंज बासीदा।

(अन्तरक)

(2) श्री रतन चन्द्र पुत्र श्री पूरन चन्द्र जैन गंज बासीदा।

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि पा तरन-बृद्धि व्यक्तियों पर पूर्णा की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रधिक बाल में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्णीत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा अशास्त्राकारी के पास लिखित में लिया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसे प्राप्त गये ग्रो. रि. का, जो उक्त प्रधिनियम के अन्तर 20-6 में वरिष्ठापित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला भकाड़ रक्खा 1302 वर्गफुट स्थित वार्ड नं० 13, सदर बाजार, गंज बासीदा।

कु० का० राय,
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 8 जनवरी 1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी• एन• एस•—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आदा

269-प (1) के प्रधीन सूचना

आदा सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन स्वेच्छा, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जनवरी 1980

निवेश सं. प्राईंटी एन सी०/एक्वी/भोपाल-79-80/1425—

अतः मुझे, कृ० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है), की आदा 269-प के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवाह संबंधी कारण के लिए किसी स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- • से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 7-5-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह संबंधी का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रतिफल (प्रतिफलों) और प्रतिशत (प्रतिशतों) से बीच ऐसे प्रतिफल के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिफल लिखित में आहं-द्विक रूप से रुक्षित नहीं किया गया है:—

(क) प्रतिफल से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अनुष्ठान के दायित्व में कर्त्ता करने वा उससे बदले में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या घण्ट बास्तियों को, जिन्हें आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपावे में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की आदा 269-प के अनुसार मैं, मैं उक्त अधिनियम की आदा 269-प की उप-आदा

(1) अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्जातः—

(1) श्री ठाकुर मदन सिंह पुत्र श्री फतेहसिंह तोमर, सधारा।

(अन्तरक)

(2) श्री सतीश कुमार पुत्र श्री सोहन लाल लूशरा 44, जानकी नगर एक्सटेंशन कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रत्रेन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के प्रत्रेन के संबंध में कोई भी आंदोलनः—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रत्येक शाखा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिनियमों में किसी अधिक द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धि किसी भी अन्य अधिकारी, प्रधानस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रथुक्त 12.1 भौ० पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20 के परिमाणित हैं, वहीं प्रथं होगा, जो उक्त प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भंजिला मकान रक्का 2704 वर्गफुट "पंचवती", स्थित जानकीनगर एक्सटेंशन कालोनी, इन्दौर।

कृ० का० राय
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 8 जनवरी 1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकवी/भोपाल/1426— अतः
मुझे, कृ० का० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन मन्त्री प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० ते अधिक है और
और जिस की सं० मकान (भाग) है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-5-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया दया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में रास्तविक
रूप से कागित नहीं किया गया दैः—

(1) श्रीमती डा० निर्मला देवी पत्नी श्री नरेशचन्द्र गोयल,
फस्ट कलोर, टी० बी० हास्पिटल, मल्हारगंज, इन्दौर।
(अन्तरक)

(2) श्री सत्य प्रकाश पुत्र श्री गुरदयाल मिश्रा जनकगंज, नगर
लक्ष्मण वर्तमान 24, रवीनगर खेड़ामति कालोनी,
ग्वालियर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवंत के लिए
कार्यालयों शुल्क करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आन्दोलन

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरंभी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी अवित्त नारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में उक्तान्त की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के बिषय 20-का में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा, जो उस बिषय में
दिया जाया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; भोर/वा

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में
सुविधा के लिए;

एक मंजिला मकान नं० 24 का भाग, हल्का नं० 36 स्थित
रवी नगर, खेड़ामति कालोनी, ग्वालियर।

कृ० का० राय

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 8 जनवरी 1980

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रत्युमरण ये,
में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

राष्ट्रीय राज, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल-79-80/—

अतः मुझे, कृ० कां० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
प्रति से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो ग्वालियर में स्थित
है (ओर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-5-1979 को
पूर्वोंकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोंकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा
के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या छिसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 नं० 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रत्येकनारं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

असः प्रब उक्त अधिनियम नी धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थात् :—

(1) श्रीमती निर्मला देवी पत्नी श्री नरेशचन्द्र गोयल
फस्ट फ्लोर, टी० बी० हास्पिटल, मल्हार गंज, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री कैलाश चन्द्र पुत्र श्री गुरदयाल मिश्रा, 24, रवी
नगर, पखेड़ापति कालोनी, ग्वालियर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोंकृत सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इति यूचन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन तक अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त हो गी हो, के भीतर पूर्वोंकृत
अर्जनयों में से हिसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन यूचन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रविनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूचा

मकान नं० 24 का भाग हल्का नं० 36 स्थित रवी नगर,
खेड़ापति कालोनी, ग्वालियर।

कृ० कां० राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अन्तरिती, भोपाल

दिनांक : 8 जनवरी 1980

मोहर:

प्रलेप आई० ट्रै० पर० इन० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
द्वारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जनवरी 1980

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्षी/भोपाल-७९-८०/१४२८—

अतः मुझे, कृ० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो लक्षकर में स्थित है (और
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गवालियर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 1-5-79

को पूर्वोक्त नियम के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये प्रतिरक्ति की गई है और पूर्वोक्त विष्वास करने का
कारण है कि यथा पूर्वोक्त नियम का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से
पर्याप्त है और प्रतिरक्ति (प्रतिरक्ति) भी प्रतिरक्ति (अन्तरिति) से
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
किया गया है:—

(ज) प्रतिरक्ति से हुई किया गया और बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ब) ऐसी किसी प्राय या छिपो वा उत्ता पर्याप्त पास्तियों की
जिन्हें आरटीप प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगशाली
प्रतिरक्ति वाली प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त विविध, दो धारा 269-व के उक्त
संशोधन में, मैं, उक्त प्रविधियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित विविधों, अर्जित हूँ—

(1) श्री बाल कृष्ण पुत्र श्री चिदुल राज लेवगालकर
निम्बालकर की गांठ, लक्षकर।

(अन्तरक)

(2) श्री राजीव व श्री संजीव (अवयस्क) पुत्र श्री
आत्माराम द्वारा माँ अभिभावक श्रीमती निर्मला देवी,
निम्बालकर की गांठ, लक्षकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयाँ करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील ते 30 दिन की प्रवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्तसूची

तीन मंजिला भकान नं० 40/364 रकवा 1190 वर्कफुट
स्थित निम्बालकर-की-गांठ नं० 2, लक्षकर।

कृ० का० राय
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल।

दिनांक: 8 जनवरी 1980

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

पायहर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

राजीवजद, सहायक शायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल-79-80/1429—

प्रतः मुझे, कु० का० राय,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-प के प्रधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के प्रधीन 25-5-1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल
के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के उद्दृ प्रतिशत से अधिक है
और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रस्तुरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे
प्रस्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त प्रस्तरण लिखित में यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है।—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम
के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के बायितम में कभी
दर्शने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम,
या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रस्तुरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
लिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रन्तरण
में, मैं सक्षम प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के
प्रधीन, निम्नलिखित अधिकतयों, प्रधीतः—

(1) श्री हर गोविन्द पुत्र श्री बलभद्र दास सी-35, मेफेप्र
गार्डन्स, न्यू-दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शाहजहां पत्नी श्री इन्द्र दत्त बिनेसरी सिंह
ई-40, साकेत कालोनी, इन्वौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में में किसी अविक्षिया द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अविक्षिया द्वारा, प्रधोदस्ताकारी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्थावोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होता है, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० ई०-46 माप 5750 वर्ग फुट स्थित साकेत कालोनी;
इन्दौर ।

कु० का० राय

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक: 8-1-1980।

मोदूर :

प्रलेप प्राई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्वेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल-79-80/1430—
अतः मुझे, कृ० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है (और
इससे उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दूश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की आवत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या आय आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—456GI/79

(1) श्री गुरनोमल उर्फ गुष्ठमल पुत्र श्री सावन्लवास बी-
51/521, बैरागड़, भोपाल।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राधा बाई पत्नी श्री नेतूमल जी बी-51/521,
बैरागड़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृश्वाक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-51/521 व बी-56/5 रकबा 1125 वर्गफूट
स्थित न्यू-बैरागड़, भोपाल।

कृ० का० राय
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक : 10 -1- 1980

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल
भोपाल, 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल-७०-८०/१४३१—

अतः मुझे कृ० का० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो लक्षकर में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कार्यालयर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 7-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) 1. श्री महाराज नारायण पुत्र श्री स्वरूप नारायण राजन
2. श्रीमती खेमरानी पत्नी श्री महाराज नारायण राजन,
रोशनी घर रोड़, लक्षकर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम नारायण पुत्र श्री ग्यारसी लाल मेहर बैश्य,
हाल बाजार, लक्षकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुला प्लाट माप 3271 वर्गफुट स्थित रोशनी घर रोड़,
लक्षकर।

कृ० का० राय
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 10 जनवरी 1980
मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 जनवरी 1980

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्बी०/भोपाल—७९-४०/
१४३२—अतः मुझे कृ० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कुछ भूमि है, तथा जो देवास में स्थित है (और
इससे उपायदृष्टि सूची में और पूर्ण रूप से अणित है), रजिस्ट्री-
फर्टा अधिकारी के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 24-5-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रत: श्री, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्ति:—

(1) 1. श्री राम रत्न, 2. मवन 3. भगवान 4. गोपाल
5. बद्री सभी पुत्र श्री राधा किशन 6. श्रीमती
मानू बाई विद्वान पत्नी श्री राधा किशन 7. श्रीमती
सीला बाई पत्नी श्री रमेश निवासी देवास 8. श्रीमती
कलावती पत्नी श्री तारा चन्द विजालपुर तह० इन्दौर,
9. श्रीमती शान्ता बाई पत्नी मुशा लाल, मालीपुरा;
उज्जैन।

(अन्तरक)

(2) मर्कत लाल इन्डस्ट्रीज द्वारा मैनेजर श्री भीकू भाई
मन्ताराम सौलन्की देवास

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बात में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कुछ भूमि सर्वे नं० 3 रकवा 2.739 हैक्टेयर्स (6.768
एकड़) साथ पक्का कुंगा स्थित देवास।

कृ० का० राय
सकाम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 10 जनवरी 1980

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल
भोपाल, दिनांक 10 जनवरी 1980

निवेश सं० आई० ए० सी०/एस्टी०/भोपाल-७९-८०/१४३३—

ग्राहक: मुझे कू० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है,
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,00/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 9-5-1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
जहेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: द्वारा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन;
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री चतुर्भुज पुत्र श्री कन्हैया लाल मालपानी, इतवारा,
भोपाल

(अन्तरक)

(2) श्री कन्हैया लाल पुत्र श्री घनश्याम दास ई-2/334
अरेरा कालोनी, भोपाल वर्तमान ई-3/88, अरेरा
कालोनी, भोपाल

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाखेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

साधीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुमूल्य

एक मंजिला मकान नं० ई-3/88 रकमा 4962.6 रुपॉफ्ट
अरेरा कालोनी, भोपाल ।

कू० का० राय
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक: 10 जनवरी 1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एम. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर भाग्यकृत (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० एम०/एक्वी०/भोपाल-79-80/1434—

अस्त: मुझे, कृ० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन सम्बन्ध, प्राधिकारी को यद्यु विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रमत्तरक (प्रमत्तरकों) और अन्तरिती (प्रमत्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ने दुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अनुरक्त के वायित्व में कभी करने या उससे बचमे में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन पा अथ आस्तियों को, जिसके भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन्न-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अनु: पब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, पर्यात् :—

(1) श्री प्रनन्त पुत्र श्री नारायण खाडेकर 374, सिध्ध को० आप० हाउसिंग सोसायटी ग्रांथ, पूना, महाराष्ट्र।
(प्रत्तरक)

(2) 1. श्री महेश चन्द्र, 2. श्री ओम प्रकाश व 3. श्री सतीश चन्द्र सभी पुत्र श्री रमेश चन्द्र गर्ग भंवरकुमार मानिक बाग गेट के सामने, इन्दौर।
(प्रत्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक संबंध में कोई भी भावेव :—

(क) इस पूर्वोक्त सम्पत्ति के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रम अवित्त द्वारा, प्रबोहुस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 42 माप 6500 वर्गफुट स्थित विश्वनू पुरी मन कालोनी, इन्दौर

कृ० का० राय
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर भाग्यकृत)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 11 जनवरी 1980

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०————

उच्चतम अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन थेन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल-79-80/1435—

अतः मुझे कु० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० कृषि भूमि है, तथा जो देवास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 14-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पश्चात् प्रतिकल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्चत अन्तरण विधित में शास्त्रिय रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उच्चत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उसके बचते में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्चत अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उच्चत अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार में, में, उच्चत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्द्धतः—

(1) श्री नसरुद्दीन, 2. श्री सरफुहीन पुत्र श्री हाजी शेख छाटू, मोहसिन पुरा, देवास।

(अन्तरक)

(2) मेसर्ट देवास लेन्ड एण्ड फाइनेंस का० द्वारा श्री कल्हृया लाल नारायण सोनी 130, सुभाष चौक, देवास।

(प्रत्यक्षिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के पर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उच्चत सम्पत्ति के पर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तरसम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रशोदस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्थावरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्चत अधिनियम, के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयोग होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि सर्वे नं० 629 व 493 कुल रकमा 0.70 एकड़ स्थित देवास।

कु० का० राय

सकाम प्राधिकारी

(निरीक्षी सहायक आयकर प्रायुक्त)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 11 जनवरी 1980

मोहर :

प्रलूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल-79-80/1436—

ग्रहण: मुझे कृ० कां० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) 'जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो देश से में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, देश से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-5-1979

फो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से दुई किसी प्राय की आवत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए सुविधा के लिए;

ग्रहण: घब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री नसरुद्दीन व सरफुहीन दोनों पुत्र श्री हाजी शेख छोटू निवासी देवास।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स देवास लैन्ड एण्ड फाइनेन्स कं० द्वारा श्री कन्हैया लाल नारायण सोनी 430, सुभाष चौक, देवास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किस व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगां, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि सर्वे नं० 492 व 625 कुल रकमा 0.65 एकड़ स्थित देवास।

कृ० का० राय
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 11 जनवरी 1980

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/ग्रवी/भोपाल-79-80/1437—
अतः मुझे कृ० का० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो भोपाल में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुमूली में और पूर्ण के रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-5-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
चुदृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मनोहर दास उर्फ मनोहर कुमार पुत्र श्री देवी दास¹
द्वारा श्री मुरली धर पुत्र श्री देवी दास चन्द्रीरमानी,
ईदगाह हिल्स, भोपाल ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री नूर मोहम्मद पुत्र श्री हुसैन बक्श, 2. श्रीमती
जुबेदा बी पत्नी श्री नूर मोहम्मद इद्वाहिमपुरा, भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से दृतबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, परोद्धसाक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अवधार 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अधिनियम में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान का पूर्वी भाग स्थित टोल वाली स्टिजिड के पास, हाथी
खाना, भोपाल ।

कृ० का० राय

सक्षम प्राधिकारी

(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 11 जनवरी 1980

मोहर :

प्र० प्र० आई० टी० ए० ए० स०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-प (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुका (निरोक्षण)

ग्रन्तन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्सी/भोपाल-79-80/1438—

अतः मुझे कृ० कां० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो नष्टकर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 7-5-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रापूर्वकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल है, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का पन्द्रह ब्राह्मण से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाता जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7-456GI/79

(1) 1. श्री मुनी कुमार पुत्र श्री महाराज नारायण राजदान
2. श्रीमती खेमरानी पत्नी श्री महाराज नारायण राजदान, रोशनी घर रोड, लक्ष्मण।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम नारायण पुत्र श्री ग्यारसी लाल मेहर बैश्य, दाल बाजार, लक्ष्मण।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्ति के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्ति के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यः—

(क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पञ्चांशी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति महित्रद्वारा निम्न अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्ताक्षरी के पास लिखित में किए गए नक्शे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के प्रधान 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लाट माप 2862 ब्रांफट स्थित रोशनी घर रोड, लक्ष्मण।

कृ० कां० राय
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
ग्रन्ति रेज, भोपाल

दिनांक: 11 जनवरी 1980

मोहर :

प्र० प्र० श्री ई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन क्षेत्र, भोपाल
 भोपाल, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्सी/भोगल-७९-८०/१४३९—
 अतः मुझे, कृ० कॉ० राय,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु० से अधिक है
 और जिस की सं० भूमि व बिल्डिंग है, तथा जो इन्दौर में स्थित
 है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णस्वृप्त से वर्णित है
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 7-५-१९७९
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
 प्रतिफल, निम्ननिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
 में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के पश्चीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 अधीन निम्नलिखित अवित्यों अर्थात्:—

(1) श्री देवेन्द्र कुमार पुत्र श्री सत्यपाल अरोड़ा 33, घू०
 पलासिया, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री भूल चन्द्र पुत्र श्री ज्ञानदास तोलानी, 2. श्री
 प्रताप राय, 3. श्री पुरोहितम दास दोनों पुत्र श्री
 मूल चन्द्र तोलानी 33, नार्थ हरसिंह, इन्दौर।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहीयाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्ययन 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

प्रनुसूची

फैक्ट्री बिल्डिंग क्षेत्रफल 2355.58 वर्गफुट साथ भूमि
 क्षेत्रफल 21320 वर्गफुट स्थित 44-ए इन्डस्ट्रियल एरिया,
 सांबेर रोड, इन्दौर।

कृ० कॉ० राय,
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 11 जनवरी 1980
 मोहर:

प्रस्तुप ग्राई० टी० एन० एस०—————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जनवरी 1980

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल-79-80/1440—

अतः मुझे कृ० कॉ० राय,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो रत्नाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, रत्नाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 28-5-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सभी पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के शायिष्ठ में कमी करने या उससे बचने में मुश्विधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुश्विधा के लिए;

उत्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री इकबाल पुत्र श्री फकरुद्दीन बोहरा, बोहरा बाखल, वांदनी चौक, रत्नाम।

(अन्तरक)

(2) श्री रतन कुमार गांधी पुत्र श्री पूनम चन्द गांधी, न्यू रोड़, रत्नाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वार्ता व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान बने भाग का क्षेत्रफल 611 वर्गफुट, स्थित पैलेस कालोनी, रत्नाम।

कृ० कॉ० राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक: 11 जनवरी 1980

मोहर :

प्रैरूप प्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, पश्चायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल-79-80/1440

अतः मुझ, कृ० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-प के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो रत्नाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय रत्नाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-5-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम वे दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी वन या वन्य प्राणियों को जिन्हें प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के मनुसंहर में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपचारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अविक्षयों, अवति :—

(1) श्री रतन कुमार पुत्र श्री पूनम चन्द गांधी, न्यू रोड, रत्नाम।

(अन्तरक)

(2) श्री मुस्तफा पुत्र श्री फकरुद्दीन बोहरा, बोहरा बाखल, चांदनी चौक, रत्नाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आर्द्ध करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी भावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्प्रबन्धी अविक्षयों पर यह सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों में ने किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्यक्ष द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

मकान साथ बने भाग का क्षेत्र फल स्थित पैलेस रोड, रत्नाम।

कृ० का० राय

सधी प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेन, भोपाल

दिनांक: 11 जनवरी 1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/भोपाल-7९-८०/1442—

अतः मुझे, कृ० का० राय,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने
 का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
 बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
 और जिसकी स० मकान है, तथा जो रत्नाम में स्थित है (और
 इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
 कर्ता अधिकारी के कार्यालय, रत्नाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम-
 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16-5-1979
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
 दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह
 विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का
 उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
 दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
 अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
 ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
 उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
 नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-
 नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
 में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
 लिए; और या

(ख) ऐसे किसी आय या निसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा, 269-ग के अनु-
 तरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
 (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री रतन कुमार पुत्र श्री पूनमचन्द गांधी न्यू रोड,
 रत्नाम।

(अन्तरक)

(2) श्री हाजी फकरुद्दीन पुत्र श्री दाउद भाई बोहर, पाक
 बाला, बोहरा बाखल, चांदनी चौक, रत्नाम।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(ग) इष्यूचन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्पंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
 तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
 समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
 किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इष्यूचन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
 अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षणात्मकी के पास लिखित
 में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
 नियम के अध्याय 20 तमें व्यापारिभापित हैं,
 वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान स्थित पैलेस रोड, नगरपालिका के पास, रत्नाम।

कृ० का० राय,
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 11 अम्बरी 1980

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल-79-80/1443—

अतः मुझे, कृ० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो रत्नाम में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रत्नाम में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4-5-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपशारा (1) के
अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती विश्वनू कुंवर पत्नी ठाकुर पर्वत सिंह राजपूत
बड़ी शीतला माता रोड़, रत्नाम।

(अन्तरक)

(2) श्री शात्ती लाल पुढ़ श्री गिरवर लाल जी गुप्ता लोकेन्द्र
टाकीज के पास, रत्नाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लघुष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

प्लाट भूमि माप 3960.0 वर्ग मीटर स्थित पोस्ट आफिस
(पाथर हाउस रोड़) रोड़, रत्नाम।

कृ० का० राय,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 11 जनवरी, 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल-79-80/1444—

अतः मुझे कृ० कां० राय

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० मकान है, तथा जो ताल, रत्लाम में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रत्लाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 8-5-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपने में सुविधा के लिए;

अतः, ग्राम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बाबूलाल जांबमल मैहता निवासी ताल जिला रत्लाम।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शान्ती बाई पत्नी श्री विहारी लाल सोनी निवासी ताल, जिला रत्लाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान स्थित पोस्ट आकिम के पास, ताल, जिला रत्लाम।

कृ० कां० राय,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रामकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेज भोपाल।

दिनांक : 11 जनवरी, 1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी एन०एव०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 वा (1) के अधीन पत्रक

भारत भरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल-79-80/1445—

अतः मुझे कृ० कां० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिस की सं० मकान है, तथा जो रत्लाम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रत्लाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 14-5-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्वनित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँड़े किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करने या उससे बचने में विविध के लिए;

बौर/बा।

(ख) एंटो किसी आय या किसी धन या अन्य आमितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्योन्नाम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुकरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपबारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

(1) श्री बाबूलाल पुत्र श्री चांदमल जी जैन निवासी ताल, जिला—रत्लाम।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री गोपाल, 2. श्री दिलीप कुमार (अवयस्क) दोनों पुत्र श्री बद्री लाल सोनी, द्वारा मां श्रीमती लीला बांई पत्नी श्री बद्री लाल सोनी निवासी ताल, जिला—रत्लाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायंवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेप:—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में उत्तरद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

हृष्टदोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के घट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भमूसर्पी

मकान साथ खुली भूमि स्थित पोस्ट आफिस के पास, ताल जिला—रत्लाम।

कृ० कां० राय

सकाम प्राधिकारी

(निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 11 जनवरी 1980

मोहर :

प्रकृति आई० ही० एम० एम०—————

आवकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

26८ व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्टी/भोपाल-79-80/1446—
भलः मुझे, क० क० राय

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उत्तर प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 26८-व
के अधीन उत्तम प्राप्तिकारी को, पहुँच विवाह संबंधी का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है।

और जिस की सं० मकान है, तथा जो रत्नाम में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रत्नाम में रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 6-7-1979
को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से छप के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे पहुँच विवाह सं
बंधी का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का
पश्चात् प्रतिक्रिया से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे पश्चात् प्रतिक्रिया के लिए उपयोग
पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नसिद्धि उत्तराय से उक्त पश्चात् प्रतिक्रिया लिखित वे
वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया जाता है।—

(क) अन्तरण से ही किसी धारा की वायत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन करदेने के अन्तरक के वायित्व
में कभी करने या उससे यथा में मुदिष्ठा के लिए;
वीर/या

(क) ऐसी किसी धारा या किसी धन या दृश्य वास्तवियों
को जिसे भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगवार्य
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया या या किया
जाना चाहिए या, खिपाने में शूदिष्ठा के लिए।

भलः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 26८-व के प्रतिक्रिया
में, उक्त अन्तिक्रिया को धारा 26८-व की उत्तम (1)
अधीन निम्नसिद्धि अन्तियों, अर्जुन :—

(1) श्री समरथ मल पुत्र श्री बसन्ती लाल सेठिया, रत्नाम
वर्तमान निवासी नहीं आवादी, कम्युन केन्द्र,
मन्दसौर।

(अन्तरक)

(2) श्री अभय कुमार पुत्र श्री बसन्ती लाल सेठिया,
धान मण्डी, रत्नाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यपालियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मालिक ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्तमवार्यों अन्तिक्रिया से वह
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो वी
प्रधिनियम वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत
अन्तियों में से किसी अन्तिक्रिया द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अन्तिक्रिया द्वारा, प्रबोहस्तावरों के पास सिद्धि
ने किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिक
नियम के प्रयोग 20-व वर्ष परिवर्तित हैं, वही
अर्थ होगा जो उक्त प्रयोग में दिया गया है।

अनुसंधान

मकान नं० 67 स्थित फीरंग, मोती लाल नेहरू मार,
रत्नाम।

क० क० राय
सक्तम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रंज, भोपाल

दिनांक : 11 जनवरी 1980

मोहर :

ब्रह्मप आई० टी० एन० एस०-----
ब्राह्मकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आदा
269वां (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक ब्राह्मकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंथनं धेन, भोपाल
भोपाल, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल-79-80/1447—
भ्रतः मुझे कृ० का० राय,
ब्राह्मकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की आदा
269वां के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवाह करने का
कारण है कि स्वाकर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक है।
और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है
(और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 29-5-1979 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त बृश्यति का उचित बाजार मूल्य,
उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का प्रतिफल
अतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, नम्नविवित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया जाता है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यारक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी छन या बन्ध वास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय ब्राह्मकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ब्रा
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षीय आरा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
वृश्यता के लिए;

भ्रतः बब, उक्त अधिनियम की आदा 269वां के अनु-
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की आदा 269वां की उपशास्त्र
(1) के अधीन, नम्नविवित व्यक्तियों, जरूरत।—

(1) श्री श्यामचरण पुत्र श्री सालिगराम टंडन, 89, रूपराम
नगर, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) दी इन्दौर बैंक इम्प्लाईज हाउसिंग को० आप०
सोसायटी बारा सेकेटरी श्री पी० डी० अग्रवाल, 5,
यशवंत निवास रोड, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो बरके पूर्वोक्त संपत्ति के ग्रंथन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, यथाहस्नाक्षरी के पास विवित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें शुक्रत अवदों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 के परिमाणित हैं, वही
अवं होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान स्थित प्लाट नम्बर 102 माप
2400 वर्गफुट स्थित रूप राम नगर, इन्दौर।

कृ० का० राय
सकाम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक ब्राह्मकर आयुक्त,
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 11-1-1980

मोहर :

प्र० प्र० श्री० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन थेव भोपाल

भोपाल दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश मं० आई० ए० सी० एक्टी०/भोपाल-79-80/1448—
अतः मुझे कृ० का० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्रम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी मं० मकान है तथा जो भिड में स्थित है (और
इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय भिड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 10-5-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रमेश कुमार पुत्र श्री पुत्तलाल शिवहरे भूता
बाजार, भिड।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती मीरा बाई पत्नी श्री महावीर प्रसाद जैन,
2. श्रीमती चन्द्रन श्री पत्नी श्री मुश्ती लाल जैन, भूता
बाजार, भिड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाबर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रथम व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान रकबा 1331 बर्गफुट मकान नं०
31, वाँड नं० 26, भूता बाजार, भिड।

कृ० का० राय
सक्रम प्राधिकारी
निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त,
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 11-1-1980

मोहर :

प्रहृष्ट प्राईं ट्री० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० प्राईं० ए० सी००/एक्वी०/भोपाल-79-80/1449—

अतः मुझे कृ० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि इवाचर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भकान है तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपायदृश अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17/5/1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुसूचित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यामूर्कात्मक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षरकों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षरक के लिए तथा पाया बया प्रतिफल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षरण विधिवत् में वास्तविक रूप से विद्युत नहीं किया जाया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के प्रबोन्ह कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कर्ता करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनालय प्रक्रियाओं द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, वर्णादा।—

(1) श्रीमती शोभा पत्नी श्री दामोदर देव, 65, शंकर बाग कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गायत्री देवी पत्नी श्री गोविन्द लाल बनसप 34 शंकर बाग कालोनी, इन्दौर (वर्तमान 65 शंकर बाग कालोनी, इन्दौर)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायांबादियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त बाजार सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकत द्वारा पूर्वोक्त अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरणः— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अन्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

मकान नं० 65 प्लाट भाप 2640 वर्गफुट स्थित शंकर बाग कालोनी, इन्दौर।

कृ० का० राय
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 11-1-1980

मोहर :

प्रह्लप पाई० टी० एन० एग०—————

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 जनवरी 1980

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्व०/भोपाल-79-80/1450—
अतः मुझे कृ० का० राय,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्रधिकारी और, यह विषयास संबंधी कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (आग) तथा जो भोपाल में स्थित है (और इससे उगाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, भोपाल रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 14-5-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्वभाग प्रतिष्ठन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्वभाग प्रतिष्ठन से, ऐसे दृष्टव्यान प्रतिष्ठन का अन्तर अतिक्रमित है, और यह कि अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए क्या कारण यथा प्रतिष्ठन, निम्नलिखित उद्देश्य ले उक्त अन्तरक निधित्व में बास्तविक रूप से कृषित नहीं किया यथा है :—

(ए) अन्तरक ले हुई किसी बाय की बाजार, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के विवित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी बन या धन्य प्राप्तियों को यिहे भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या उनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अन्तरिती की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जात् :—

(1) श्री रामनारायण पुत्र श्री रामचरण शर्मा, आनन्द नगर, भोपाल।

(अन्तरक)

(2) श्री रेवा राम पुत्र श्री हरचन्द गीहर गंज वर्तमान डोंगरवाड़ा तह० गीहरगंज जिलारायसेन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रतिष्ठिया तक सम्बन्धी अविक्तियों पर पूछना की तारीख से 30 दिन की प्रतिष्ठिया, जो भी प्रबंधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य अविक्ति द्वारा, अबोहस्ताशी के पास सिविल में किए जा सकेंगे।

ल्पन्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रम्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयोग होगा जो उस प्रम्याय में दिया जवा है।

प्रमुखसूची

मकान का पूर्वी भाग रकमा 945 वर्गफुट स्थित कुम्हारपुरा, जिसी जहांगीराबाद, चिकलोद रोड, भोपाल।

कृ० का० राय
सक्रम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक भायकर आयुक्त,
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 14-1-1980
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन श्वेत, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 जनवरी 1980

निकास सं० आई० ए० सी०एक्वी०/भोपाल-79-80/1451—
अतः मुझे कु० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिस की सं० मकान (भाग) है, तथा जो भोपाल
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, 14-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्याति:—

(1) श्री राम नारायण पुत्र श्री रामदरण शर्मा, अन्तरक
नगर, भोपाल।

(अन्तरक)

(2) श्री परम राम पुत्र श्री हरचन्द गोहरगंज वर्तमान
निवासी डॉगेखाडा तह० गोहरगंज जिला
रायसेन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजनव्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजनव्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अत्रोद्दृस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान का पश्चिमी भाग रक्का 1064 बैंकफुट स्थित
कुम्हारपुरा जिन्सी रोड़ जहांगीराबाद, चिकलोद रोड़, भोपाल

कु० का० राय

सक्षम प्राधिकारी

(निरीक्षी महायक आयकर आयुक्त)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 14 जनवरी 1980

मोहर :

प्रकाश स्टॉटी एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आदा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 फरवरी 1980

निर्देश सं० ग्राइ० ए० सी०/प्रकाश०/भोपाल-79-80/1452—
अतः मुझे कृ० कौ० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा याहा है), की आदा 269-व
के प्रधीन समाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो छिन्दवाड़ा में स्थित
है (और इसमें उपावन्न अनुसूची में और पुर्ण के स्वयं से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, छिन्दवाड़ा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
23-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिष्ठल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिष्ठल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिष्ठल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरडॉ) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाता
गया प्रतिष्ठल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(a) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन करने के पश्चात के
दायित्व में कभी करने या इससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(b) ऐसी किसी धाय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगादार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की आदा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की आदा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन, विम्बलिकित अवितरणों, अवादः—

(1) श्री हरी शंकर दुवे पुत्र श्री देवी शंकर दुवे,
माधवांज, लकड़कर।

(अन्तरक)

(2) 1. मर्वश्री अमय कुमार 2. मजंय कुमार दोनों पुत्र
श्री फूल चन्द जैन व 3. मंदीप कुमार पुत्र श्री
मुमाय चन्द, छिन्दवाड़ा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्धी अवितरणों पर
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवितरणों में से किसी अवितरण;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार
किसी अन्य अवितरण द्वारा प्रधोष्टस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 100, बन्दोवस्त नं० 177 म्युनिसिपल
बांड नं० 17, गोलगेन, छिन्दवाड़ा।

कृ० कौ० राय
मकान प्राधिकारी
(निरीक्षी महायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 2 फरवरी 1980

मोहर:

प्रस्तुप प्राई ८३० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-४ (1) के पश्चोत्त मूलता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 दिसंबर 1979

निदेश सं० 975—यतः मुझे के० के० थीर,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-४ के
पश्चोत्त मूलता प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, विश्वास उचित बाजार मूल्य 25,000/- एवं
से प्रतिक है

और जिसकी सं० है, जो वैजाग में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैजाग में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के व्यवधीन, तारीख 130
जून 1979

को पूर्वोक्त मूलता के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिये प्रतिक्रिया की बई है और मुझे वह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त मूलता का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृष्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का प्रतिक्रिया
प्रतिक्रिया है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रतिक्रिया
(प्रतिक्रियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया यथा
प्रतिफल, किसी उक्त उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से लिखित नहीं किया याया है :—

1. श्रीमती पेटाकोटा येलम्मा, वैजाग।

(अन्तरक)

2. श्री प्रगडा श्रीनिवासराव, वैजाग।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्त मूलता के उचित के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त मूलता के अर्जन के संबंधमें कोई भी आक्षेप :—

(क) इस मूलता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन को प्रबल्ध या तस्वीरियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रबल्ध, जो भी प्रबल्ध
एवं म समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूलता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर मूलता में हितवद्ध किसी
पर्याप्त व्यक्ति द्वारा, पश्चात्याप्तरी के पाय लिखित में
किए जा सकेंगे।

प्रष्ठाक्रिया:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के व्यापार 20-क में परिचित है,
वहों वर्ण होगा, जो उस प्रधारण में विद्या गया है।

(क) प्रत्यरोग से हुई किसी भाष्य की बाबत, उक्त प्रधिनियम
के व्यवधीन कर देने के अन्तरक के वायित में छपी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। बोर्ड/

अनुसूची

वैजाग रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-6-79 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 4737 में निर्गमित अनुसूची सम्पत्ति।

के० के० थीर
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्ति, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 11-12-1979

मोहर:

अतः यह, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-४ के मनुस्तर
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-४ की उपस्थाता (1) के
व्यवधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अचान्तः :—

प्रकृष्ट प्राईंटी टी.एन.एस.-----
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के प्रधीन सूचना;
भारत सरकार;

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निम्नों सं. 976—यतः मुझे के० के० वीर,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से
अधिक है
और जिसकी सं. है, जो काकीनाडा में स्थित है
(और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकीनाडा में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण विनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 29 मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यक्षापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
वृथमान प्रतिफल से, ऐसे वृथमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिक्रिया
से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और प्रत्यक्षी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी घन या भूम्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्यातः—

—456GI/79

1. (1) श्री गुलसाहूडि सत्यनारायण।
(2) श्री जी० बीरसाहू।
(3) श्री जी० रामकृष्ण और मूर्ति।
(4) श्रीमती जी० सत्यनारा० काकीनाडा।

(अन्तरक)

2. श्री मेसर्स माधवी इंटरप्राइज्स—प्रोकर्स एण्ड
कमीशन एंड टेस्ट, काकीनाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी अविक्षियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से
किसी अविक्षिया द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
भूम्य अविक्षिया द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, [जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित है, वही
बहु होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

काकीनाडा रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी से पालिक
अंत 31-5-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं. 3232 में निर्गमित
अनुसूची संपत्ति।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 11-12-1979

मोहर:

प्रसूप पाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के पश्चीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 977—यतः मुझे, के० वीर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के पश्चीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो मंगलगिरी में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंगलगिरी में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 26 मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रमत्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके बृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पश्चात्
प्रतिशत अधिक है और प्रत्यरक (प्रत्यरकों) और प्रत्यरिती
(प्रत्यरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरण के लिए तय पाया गया
प्राक्षिल, निम्नलिखित चर्देश से उक्त प्रत्यरक विवित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) बन्तरण से हुई किसी आय की वापर उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थं प्रत्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री कंगला जगनमोहनराव ।
(2) श्री कंगला सिवारामा क्रिष्णराव ।
(3) श्री कंगला रजेंद्र प्रसाद ।
(4) श्री कंगला गोपालास्वामी ।
(5) श्री के० नागेश्वर राव और ।
(6) श्री चक्रधरराव मोह विलेज (तेनाली
तालूक) ।

(अन्तरक)

2. श्री कोवेलाकर नागोजी मंगलगिरी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रबंधन के
लिए कार्यालयियों करता है ।

उक्त संपत्ति के प्रबंधन में कोई भी आवेदन ।—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तासंबंधी अविक्षियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों
में से किसी अविक्षित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा, प्रधोमस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाया 20-क में
परिभाषित हैं, वही प्रथम होगा जो उस धधाया
में दिया गया है ।

अनुसूची

मंगलगिरी रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत
31-5-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1978 में निर्गमित
अनुसूची संपत्ति ।

के० के० वीर
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 11-12-1979

मोहर :

प्रश्न पाई० श्री० एन० एस०————

1. श्री एंडेम बिक्षम मंगलांगिरी । (अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

2. डॉक्टर गोली रामसोहनराव मंगलांगिरी । (अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 978—यतः मुझे के० के० वीर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो मंगलांगिरी में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध, अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंगलांगिरी में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमद्वह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ वर्णय गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिस में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगशाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वा के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1)
अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अवृत्त:—

की यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी प्राप्तेः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्य द्वारा, अवौद्धस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पस्ट्रीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही घर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मंगलांगिरी रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी से [पाकिस्तान
अंत 31-5-79 में पंजीकृत वस्तावेज नं० 1039 में निगमित
अनुसूची संपत्ति।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-12-1979

मोहर:

प्रूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निवेश सं० 979—यतः मुझे, के० के० थीर;
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो गुडिवाडा में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडिवाडा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 9 मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
आधिकारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1. श्री दी० बी० पुरुषोत्तमाराव विजयवाडा।
(अन्तरक)
2. श्री चोप्पला श्रीरामा बन्द्राराव, गुडिवाडा
(गडिवाडातालक)।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
स्थायवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संबोधीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अन्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उत्त अन्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

गुडिवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-5-79
में पंजीकृत इस्ताबेज नं० 1400 में निर्गमित अनुसूची
संपत्ति।

के० के० थीर
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-12-1979

मोहर:

प्रश्न प्राई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
बारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 दिसंबर 1979

निवेश सं. 980—यतः मुझे के० के० बीर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्वाचर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं. है, जो विजयवाडा में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है।—

(क) प्रतिरक्षण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिसमें सारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भ्रष्ट-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-व के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अन्तियों, अर्द्ध:-

1. श्रीमती अला रत्नकुमारी गुडियाडा।

(अन्तरक)

2. सैंईट पियस X डिस्कालरड कार्मलेट प्रविन्स आफ
मंजम्माल, केराला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कायबाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के लंबघ में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासः धी व्याप्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अन्तियों में से किसी अन्तित द्वारा ;

(ख) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वाचर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी प्रथ्य अन्तित द्वारा, प्रबोहस्ताकरी के पास लिखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही प्रथ्य होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

मनुष्यों

विजयवाडा रजिस्ट्री प्राधिकारी से पाक्षिक अंत 31-5-79
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3177, 3117, और 4734।

के० के० बीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-12-1979

मोहर:

प्रेरूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 981—यतः मुझे, के० के० वीर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० है, जो विजयवाडा में स्थित
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 31 मई 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकृत सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री तम्मारेहु कृष्णराव गुन्टूर।

(अन्तरक)

2. श्री पी० सतीष और श्रीमती पी० सुजाता, गुन्टूर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाकिस्तान अंत
31-5-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3743 में निगमित
अनुसूची संपत्ति।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 11-12-1979

मोहर :

प्रस्तुप मार्ग ३० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 982—यतः मुझे, के० के० वीर,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसला उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है
और जिसकी सं० है, जो विशाखापटनम में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विशाखापटनम में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन,
तारीख 3 मई 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का फन्दह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के साथित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः शब्द, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन
निम्नलिखित अस्तियों पर्याप्तः—

1. श्रीमती गुरुदयाल कौर बैजाग।

(अन्तरक)

2. डॉक्टर डी० चंगल राय बैजाग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोत्साक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-ए में परिभासित है वही
प्रार्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बैजाग रजिस्ट्री अधिकारी से पाकिक अंत
15-5-1979 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3223/79 में निगमित
अनुसूची संपत्ति।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 11-12-1979

मोहर :

प्रकाश प्राईंट ट्री. एन. एस. --

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 दिसंबर 1979

निदश सं० 983—यतः, मुझे, के० के० वीर
आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० है, जो काकीनाडा में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 7 मई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तथ्य पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ब्रुई किसी आय की वावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी
करने, या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी बचन या अन्य आस्तियों
की, जिन्हे भारतीय आपकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, द्वाव, उक्त अधिनियम की वारा 269-व के अनुष्ठान में,
मैं, उक्त अधिनियम की वारा 269-व की उपचारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अथवा :—

1. श्रीमनी दास्यम विमला बाई, काकीनाडा।

(अन्तरक)

2. श्री चिरुगुपाटिवीरा वेंकटासर्य रामाराव प्रसाद,
काकीनाडा।

(अन्तरिती)

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए
कायवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अधिकारी पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से
किसी अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदद्ध
किसी अन्य अधिकारी के पास
निवित में किए जा सकें।

इष्टावीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

काकीनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाकिस्तानी अंतः
31-5-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2543 में निर्गमित अनु-
सूची संपत्ति।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 11-12-1979

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 984—यतः, मुझे, के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन संभव प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है,

और जिसकी सं० है, जो काकीनाडा में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकीनाडा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 7 मई 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति ना उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देशों द्वारा प्रनतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उधारा(1) के अधीन,
निम्नलिखित अधितयों, अर्थात् :—

10—456_GI/79

1. श्री दारयम विमलाबाई, काकीनाडा।

(अन्तरक)

2. श्री सी० एच० सत्य नारायण, काकीनाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्त्वावधी अक्षियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षियों में
से किसी अक्षिक द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अक्षिक द्वारा अधीक्षित अधिकारी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

काकीनाडा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी में पासिक अंत-
31-5-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2544 में निर्गमि
अनुसूची संपत्ति।

के० के० वीर
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-12-1979

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 985—यतः, मुझे, के० के० वीर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभीम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी
सं० 10-A-7-97 है, जो अशोक नगर, गुंटूर में स्थित है (और
इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय गुंटूर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पहिले प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रतिरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आ
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वेमुलापल्लि, श्रीकृष्ण, गुंटूर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सी० एच० जंसीलक्ष्मी बाई गुंटूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधिया तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से
किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुंटूर रजिस्ट्री अधिकारी से पालिक अंत 31-5-79 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 2762 में निर्गमित अनुसूची
संपत्ती।

के० के० वीर
सभीम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-12-79

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निर्देश स० 986—यतः मुझे के० के० वीर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० है, जो पालकोल में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पालकोल में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 16 मई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चवृ
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या, किसी धन या अन्यप्राप्तियों
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

श्रेतः श्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

1. श्री के० ऊपा रेड्डी आलामूर (तणुकु तालूक)।
(अन्तरक)
2. श्री पेंकी चंद्रराव पालकोल।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेंग :—

- (क) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्त्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृष्टाधारी के
पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पालकोल रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक अनुसूची अंत
31-5-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1006/79 में निर्गमित
श्रुत्सूची संपत्ति।

के० के० वीर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज : हैदराबाद।

तारीख : 11-12-1979

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०--

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 987—यतः मुझे के० के० वीर

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के प्रधीन संकाय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं०.....है, जो राजामंडी में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टरीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय राजामंडी में भारतीय रजिस्टरीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखिल में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपस्थारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती कोबुरु सीतायम्मा, रावुलापालेम।

(अन्तरक)

2. श्रीमती आकुला मंगायम्मा, राजामंडी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रबंधन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राम्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोवस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रायः गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रन्थाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस ग्रन्थाय में दिया गया है।

राजामंडी रजिस्टरी अधिकारी से पांक्षिक अंतः 31-5-1979 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2095 में निर्गमित 'अनुसूची संपत्ति'।

के० के० वीर

सभम प्राधिकारी

सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 11-12-1979

मोहर :

प्रृष्ठ प्राई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269य (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 988—यतः मुझे के० के० वी०
ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परिधात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-य के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसी सं० है, जो राजामंडी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घात प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्घात प्रतिफल से ऐसे दूर्घात प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी ग्राय की चावत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रधारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौतिक/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती हारा प्रफट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

यतः यद्य, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुवरण में, वे, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-य की उपर्योग (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवधातः:—

1. श्रीमती कोलुरु मीनायम्मा राबुलापालेम।
(अन्तरक)
2. श्रीमती ग्राकला मंगयम्मा राजामंडी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंत के लिए कार्यदाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एष्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजामंडी रजिस्ट्री अधिकारी से पाकिश अंत 31-5-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3218 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति।

के० के० वी०,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-12-1979

मोहर:

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०---

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1980

निदेश नं० ए० सी० नं० 458/79-80—ग्रन्त: मुक्ते
के० के० वीर

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रशास्त्र 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अंतर्गत प्रायकर विधियों की, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

ओर जिनकी नं० 22-7-269/39, है जो दीवानदेवडी हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पुण्य रूप से
वर्णित है), तो दीवानी विधिकारी के कार्यालय अजमपुरा में
भारतीय रजिस्ट्रीरेण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उपरोक्त दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिकल
विभिन्न में वास्तविक रूप से उपयुक्त नहीं हिला गया है:—

(क) अनुरण से हुई किसी प्राय की शब्दत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रतिकल के
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
का, जिन्हें प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अन्तरक प्राधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, जिसने में
सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. मैंने गड्ढु नडम 22-7-269/3 दीवानदेवडी है दराबाद।
(अन्तरक)
2. श्रीमती कान्ता आई पत्नी श्री मोहनशास 21-1-40/
कानसी बाजार—हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों वें से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास
विद्युत में किए जा सकेंगे।

एक्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 22-7-269/39 दीवान देवडी के अन्तर
हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1500/79 उप रजिस्ट्री
कार्यालय अजमपुरा में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद
तारीख: ८-१५-१९८०
मोहर :

प्रस्तुप धाई० टी० एव० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1980

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 459/79-80—यतः
मुझे के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (प्रिये
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), भी त्वारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते
हो कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 22-7-26/44 है, जो दीवानदेवडी हैदरा-
बाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजमपुरा
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है पौर सुमे यह विश्वास
करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्थालय
लिखित में वास्तविक रूप से रखित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन भर देने के प्रत्यक्ष के
दायित्व में कमी करते या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आब या किसी घन या अन्य आस्तियों
को; जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा
षन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथं अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया
बया था या किया जाना चाहिए था, तिपसे में
सुविधा के लिए।

बतः अब, उक्त अधिनियम की तारा 269-घ के
अनुसार में, भी उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा
के (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैगर्ज गहा जुनडर्स 22-7-269/3 दीवानदेवडी हैदरा-
बाद।
(अन्तरक)
2. अब्दुलमनीद मयानी 11-5-43 रेड्हील्म हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय शुल्क करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

- (क) इस सूचना के राजावत में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रबंधिया तस्मान्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधिया जो भी
प्रबंधिया वाद में समाज हासी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजावत में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
फिरी मूल्य व्यक्ति द्वारा, अप्पोहस्ताकरी के पाम
लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के यथाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही यथा होगा जो उस यथाय में दिया
दिया जाए।

अनुसूची

मलगी नं० 22-7-269/44 दीवानदेवडी हैदराबाद रजिस्ट्री
दस्तवेज नं० 1654/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय अजमपुरा में।

के० के० बीर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9 जनवरी 1980

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एम० —————

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्राप्तकर आयुष्ट (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, शिवांक 9 जनवरी 1980

निदेश सं० आर० प० सी० नं० 460/79-80—यतः मुझे
के० के० वीर

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० मलगीन 15 है, जो 22-7-269/45 दीवान
देवडी में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और
पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अन्नमपुरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का हारण है कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का

उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आव की आवत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी हिसी आव या छिसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय प्राप्तकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए वा छिपाने में
सुविधा के लिए ;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपादान
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैमर्स शहबुलडर 22-7-269/3 दीवानदेवडी हैदरा-
बाद।

(अन्तरक)

2. श्री महमद शरीफ मलगीन 11-5-43-रेण्हीलम,
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृश्याकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अन्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगीन 45-पर नं० 22-7-269/45 मालाधेशमार
कीट दीवानदेवडी हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1653/79
उप रजिस्ट्री कार्यालय अन्नमपुरा में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्राप्तकर आयुष्ट (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9-1-1980

मोहर :

प्रधान आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्थनं रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1980

निदण मं० आर० ए० मी० नं० 461/79-80—यह:
मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
दोषों पर वास्तव 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के प्रधीन सम्म प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करते ही कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 22-7-269/19 है जो दीवान देवडी हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उनाबन्न अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजमपुरा में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य,
उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे सम्बन्ध के लिए तथ याया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्त्रण त्रिभित में
वास्तुविक रूप से नियत नहीं किया जाया है :—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की वाचन उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उम्मेद बचने में सुविधा के लिए;
वीर/या

(ब) ऐसो किसी आय की किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनु-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ
अन्तरिक द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की आरा 269-ब के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की आरा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—
11—456GI/79

1. ग्रन्थनं रेंजनं 22-7-269/3-दीवानदेवडी हैदराबाद
(अन्तरक)

2. श्रीमती इन्दिरा देवी पत्नी चेतन दाम घर नं०
90-पटेनमारकीट हैदराबाद।
(प्रत्तिरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के
प्रबंधन लिए कार्यशाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्थन के बंधन में कोई भी आधेयः—

(क) इस सूचना ने राजदर वे प्रकाशन को तारीख से
45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी अधिकारी पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
वाक्तियों गे में किसी अस्तित्व वाला;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
अन्य अस्तित्व वाला, अधोइन्द्रियारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रबुक्त वस्त्रों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20 से परिभाषित
हैं, वही वर्ण होगा, जो उस प्रध्याय में
हिता गया है।

घनसच्ची

मन्त्री नं० 19 घर नं० 22-7-269/19 दीवानदेवडी
हैदराबाद, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1652/79 उप रजिस्ट्री
कार्यालय अजमपुरा में।

के० के० वीर
सभम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्थनं रेंज, हैदराबाद
ग्रन्थनं रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9-1-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 462/79-80—यतः
मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं० 40 है तथा जो 22-7-269/40
दीवानदेवडी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अजमपुरा (में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक मई 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का अन्दर प्रतिशत से अधिक है और यह
कि अन्तररु (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे प्रतिशत के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

1. मैमैं जात्वलड्डर्म 22-7-269/3 दीवानदेवडी हैदरा-
बाद।

(अन्तरक)

2. श्री मुल चन्द लेकराज माईनमीलक हौज के भागीदार
है, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसंबंधी अवित्यों पर सूचना की
नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से
किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अवित्य द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 40-घर नं० 22-7-269/40 दीवानदेवडी
हैदराबाद में है रजिस्ट्री इस्तावेज नं० 1450/79 उग रजिस्ट्री
कार्यालय अजमपुरा में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1980

मोहर:

प्रृष्ठा आई० टी० एन० एस०—

अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन भूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक अधिकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 463/79-80—यतः,
मुझे, के० के० वीर,

अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनमा उचित बाजार मूल्य 25,000/- इष्टे से अधिक है और जिसकी मं० 6-3-1089 है, जो सीमाजीगुडा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय केरताबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में वास्तविक रूप में कठित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय या बायत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रायकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावृत्त अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया या या किया जाना चाहिए जा, उसमें में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रमुखण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. ईपर्स नजीबुल्लीता बैगम पत्नी कुरशीद हुसैन 6-3-1089 सीमाजीगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2 श्री सैयद अहमद हुसैन पिता सैयद कुरशीद हुसैन 6-3-1089 सीमाजीगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो उक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के लिए जार्यादियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के प्रत्येक में कोई भी शास्त्रेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरनशी व्यक्तियों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा प्रधानस्ताकरी के पास निर्धारित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुखन उद्दों घोर पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के द्वारा 20-क में यथा परिभाषित है, वही पर्यों होगा जो उक्त अधिनियम में दिया जाया है।

धनुस्त्री

घर नं० 6-3-1089 का विभाग सीमाजीगुडा हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1503/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय केरताबाद में।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी
सहायक अधिकार आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1980

मोहर :

प्रस्तुत बाई० दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-व (1) अधीन सक्षमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 464/79-80—यतः मुझे
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० हाल न० 4-1 938/आर०-19आर 20 है,
जो श्रीकृष्ण कामप्लेक्स में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्टिकोण के लिए अन्तरित की गई है। और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त भवित्व
का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यपान
प्रतिफल का प्रत्यक्ष प्रतिशत से अधिक है और भवन के
(अन्तरिक्षों) और अन्तरिती से (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए यह पाया गया प्रतिफल, विभिन्निक्षित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को नाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वा
दायित्व में करनी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमतयों
में, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) य उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी हारा प्रकट नहीं किया गया
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपचारा (1)
अधीन किसीलिखित अविसर्यों अर्थात् :—

1. मसर्स श्रीकृष्ण कामप्लेक्स माला 5-8-612- आधीद
रास्ता हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. मसर्स मीरा जगदीश राम प्रसाद धरमत पाठशाला
याकूतपुरा के सामने हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी लक्षक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए जारीकर्ता करता है।

मैं सम्पत्ति है अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येवः—

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाल
में वरात होती थी, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी अवित्त द्वारा;

(य) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित द्वारा के
पास निवित में लिया जा सकेंगे।

स्वरूपकरण :—इसमें प्राप्त वर्तों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्ते होंगे जो उस प्रथाय में दिया
गया है।

अमृतसूची

हाल तीसरी बंजिल पर नं० 4-1-938/आर-19 और
20, कृष्ण कामप्लेक्स मकान तिलक रास्ता हैदराबाद में रसिंदी
दस्तावेज नं० 2721/79 उप-रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
आर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1980

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी टो० एच० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 465/79-80—यतः मुझे
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सभी प्राविकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 4-1-938/आर०-19 आर० 20
है, जो कृष्णा कामपलेक्स में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थह
प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये क्या पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से नहिं नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत उक्त सम्पत्ति के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्र में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य पासितियों
को जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती गारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने
में सुविधा के लिए;

1. मैसर्स कृष्णा कामपलेक्स तिलक रोड, हैदराबाद श्री कैलाश चरन विभागीदार है।
(अन्तरक)
2. श्रीमती कनीज अमीना पत्नी श्री एम० सयीद उद्दीन 4-1-442/443 द्रुप बाजार हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को पहुंचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर^{पर} सूचना की तात्पील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इन सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह
किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास^{पास} लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्युक्त :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, और उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभ्राषित है, वही प्रबंध है, जो उस प्रधाय में
दिया गया है।

बन्धुवृक्षी

प्लाट नं० 4-1-938/आर०-19 और 20 दूसरी मंजिल
पर कृष्णा कामपलेक्स तिलक रोड, हैदराबाद। रजिस्ट्री दस्तावेज
नं० 2747/79 उप-रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राविकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1980

मोहर :

यतः अब, उक्त सम्पत्ति की धारा 269-ख के अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ख की उपावद्ध (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रधान मार्गदर्शक टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269 का (1) के प्रश्न सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1980
निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 466/79-80—यतः
मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269 के प्रश्न सम्म साधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है। और जिसकी सं० जमीन मर्वे है, जो प्लाट नं० 74, 75 है; नल्लाकुनटा हैदराबाद में स्थित है और इसमें उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि व्यापूर्वक प्रतिक्रिया उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का फन्दह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आद की वायत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के व्यापक के व्यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) देसी किसी आय या किसी अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकड़ नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने वे सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की आरा 269 के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की आरा 269 वा उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

1. (1) श्री भहमद अफजल खान।
(2) श्री फैज अहमद खान।
(3) श्री फजल अहमद खान तमाम घर नं० 4-1-9 रामकोट, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. मैंसर्व पश्चा कोप्रापरेटीव हाऊसिंग सोसाइटी बि नलाकुनटा लि० हैदराबाद।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के उक्ताव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के उक्ताव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध इसी प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिये जा सकेंगे।

प्रधानमंत्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रत्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अठाव में दिया गया है।

अनुच्छेदी

खुली जमीन सर्वे नं० 74 और 75 का विभाग क्षेत्रफल 1229 वर्ग यार्ड नल्लाकुनटा हैदराबाद में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 532/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर प्राप्ति (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद
तारीख: 10-1-1980
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन०एस०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1980

निक्षण स० आर० ए० सी० म० 467/79-80—यतः
मुझे, के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है।

और जिसकी मूल्य खुली जमीन है, जो सर्वे नं० 74, 75 नला कुनटा में स्थित है (और इसमें उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीफर्टी अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भवरनीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकरण निम्नितिवत उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से लिखित नहीं किया गया है:—

(५) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दापित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(६)ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्री मुहम्मद अफजल खान।
(2) फैज अहमद खान।
(3) श्री फजल अहमद खान घर नं० 4-1-9
रामकोट हैदराबाद।

(अन्तरक')

2. मैमर्स पद्मा कोप्रापरेटीव हार्डिंग सोमाईटी रामकोट हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्ता सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (८) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में प्राप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (९) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का विभाग सर्वे नं० 74 और 75 क्षेत्रफल 1105 वर्ग यार्ड नला कुनटा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2823/79 उन-रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद
तारीख: 10-1-1980
मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

क्रान्तीय, विधायक अधिकार प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1980

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 0468/79-80—यतः
मुझे, के० के० बीर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्च प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व के प्रधीन मध्यम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० कुली जमीन 120 और 130, 135 है, जो कारम में स्थित है (अग्री इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रन्थीन, तारीख 19 मई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्ट्यान प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यान प्रतिकल ऐसे, दृष्ट्यान प्रतिकल का एक्स्ट्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे व्यवरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ग) अस्तरण से तुम्हें किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तारक के प्रतिक्रिया में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या उक्त अधिकार प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व के प्रस्तरण में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपभारा (1) के प्रधीन, विमलिकृत अधिकारी, प्रधीन :—

1. श्रीमती नीरमला ए० स्वर्गीय सुबाश चन्द्रा बीम-
जी० बी० ए० के० मतीश 3-5-696 नागर्यणगुडा
हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री नागी रेडी मुरली मनोहर रेडी 3-5-79/ए०
नागर्यणगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रधीन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमणः—

(क) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधिया सहसम्बन्धी अधिकारीयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधिया, जो भी प्रवधिया में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारीयों में से किसी अधिकता होता;

(ख) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बदल किसी भी अस्तरिती द्वारा प्रश्नोहस्ताकरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्थावरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

कुली जमीन प्लाट नं० 120-सर्वे नं० 130 वा 135-वालारम हैदराबाद रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 2652/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० बीर
सक्षम प्राप्तिकारी
संशोधक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-1-1980

मोहर:

प्रख्यात प्राई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1980

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 469/79-80—यतः मुझे
के० के० और,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० जमीन 1-4-1011 है, जो मुश्हीराबाद में स्थित
है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूरी रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) प्रोर अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच इसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से बुझ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन नु अधिनियम,
1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, उक्त में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्ति :—

12—456GI/79

1. श्री मुहमद अली पिता अदम अली हरीमानाबाद
पामीडी-गली बास्ते-3।

(अन्तरक)

2. कुमारी एस० एस० चन्द्रपा 1-1-593 बाकारम हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बन्धित के अर्जन के लिए
कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्बन्धित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजनीति में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजनीति में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अत्रीकृताकारी के पास लिखित
में किए जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उन प्रकाश में दिया गया
है।

अनुसूची

खुली जमीन घर नं० 1-4-1011 जीनकीबाड़ा कास
रास्ता मुश्हीराबाद हैदराबाद वीस्टर्न नं० 825 वर्ग यार्ड
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2745/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदरा-
बाद में।

के० के० वीर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
, अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-1-1980

मोहर:

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०---

1. श्री एम० गांजी यीदीन खान 3-4-306 लीनगमपली
हैदराबाद।

(अन्तरक)

धारा 269-ग्र (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1980

निवेदा सं० आर० ए० सी० नं० 470/79-80—यतः मुझे
के० के० वीरआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सकम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।और जिसकी सं० 3-4-306 है, जो लीनगमपली में स्थित है
(और इससे उपावढ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
मई 1979को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रतिरक (प्रतिरकों) और अन्तरिती
(प्रतिरितियों) के बीच ऐसे प्रतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;यतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :—2. (1) श्री महमद मजागोदीन खान।
(2) श्री महमद छहोरीदीन खान।
(3) श्री महमद अपसरोदीन खान तमाम लीनगम-
पली में रहते हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।**अनुसूची**1/3 विभाग जमीन और घर नं० 3-4-306 परवरीश
बाग लीनगमपली हैदराबाद वीस्टर्न 1587 वर्ग मीटर रजिस्ट्री
दस्तावेज नं० 2754/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद।

के० के० वीर,

सक्रम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख : 11-1-1980

मोहर :

प्रस्तुत ग्राही टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 471/79-80—यतः
मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर समाप्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 12-2-718 है, जो मलकापुर, हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैरता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्णस्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिकोण के निए प्रतिरित की गई है और मुझे यह विवास करने का नियम इस प्रावृत्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टिकोण में, ऐसे दृष्टिकोण प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म समन्वित रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स हिन्दुस्तान बील्डर्स और दूसरे बशीरबाग हैदराबाद।
(अन्तरक)

2. मैसर्स जी० शंकर और कम्पनी तबाकू मरेनट 14-11-53 मनगलहाट, हैदराबाद:
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्स्वरूपी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किए अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

असूसची

मकान नं० 12-2-718 वीस्टर्न 10555 वर्ग यार्ड
अवाफ में दीवार मलकापुर बैरबान, हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1609/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-1-1980

माहर :

प्रख्युप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 472/79-80—यह;
मुझे, के० के० वी०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- वा० से अधिक है

और जिसकी सं० 10-3-18/2 है, जो प्लाट नं० 116
सीकिन्द्राबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सीकिन्द्राबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख मई 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत प्रबिक्षित है और यह कि प्रस्तरक (प्रस्तरकों)
और अन्तरिती (प्रत्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिशत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण
निवित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया जाया है :—

(क) प्रस्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ प्रस्तुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता जान्हिए। छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के
अनुच्छेद में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की
उपकारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविस्तरों, अर्थात् :—

1. (1) श्री भारत राऊ,
(2) श्री बामनराऊ,
(3) श्रीमती के० सीना इलास मलाती, घर नं०
6994 कलासीगुडा,
(4) श्रीमती ऊषा, 1-3-1014, कवाढीगुडा,
हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री के० बी० पी० राऊ पुत्र के० भीमा राऊ, घर नं०
6994, कलासीगुडा, सीकिन्द्राबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैत के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी अविस्तरों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविस्तरों में से
किसी अविस्तर हारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रत्य अविस्तर हारा, अब्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

उपर्योक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम', के प्रधायाय 20-क में परिचालित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 10-3-18/2 प्लाट नं० 116 बिस्तीर्ण 282-42
वर्ग मीटर इस्टमारेडपली सीकिन्द्राबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं०
1075/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकिन्द्राबाद में।

के० के० वी०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-1-1980

मोहर :

प्रस्तुप माई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 11 जनवरी, 1980

निवेश सं० आर० ए० सी० नं०/473/79-80—यतः मुझे के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिनमा उचित भाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 602 है, जो एस० डी० रास्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्द्राबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी ग्राम की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, घर्थात्:—

1. श्री मैसर्स अमाकरम तेज करन राजारामकरन 8-2-547-बनजारा हीलस हैदराबाद।
(अन्तरक)
2. श्री मैसर्स वीजवत्तमी क्रीश्णामुरती
(2) वसन्याराम मोहन-602- कालामेनशण 101 एस-डी रास्ता सीकीन्द्राबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में ऊर्ध्व भी प्राप्तेः—

- (क) इस सूचना के राजत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजत्र में भाजार की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवधि द्वारा अत्रोदाशाभरो के पास लिखित में किए जा संहेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 206 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलाट नं 602 की पाचवीं मंजिल पर कालामेनशण एस० डी० रास्ता सीकीन्द्राबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज में-1623/79 ऊपर रजिस्ट्री कार्यालय- सीकीन्द्राबाद में

के० के० वीर
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीक: 11 जनवरी 1980

मोहर :

प्रेरुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)।

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1980

निवेशमं० आर० ऐ० सी० न० 474/79-80 अनः मञ्चे, के० के० वीर

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कार्यालय रूपए से अधिक है

और जिसकी सं० 7/156 है, जो मनेशबर रास्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णकूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के अनन्तापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और भुजे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के फटह प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से इई किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित घटितियों, अर्थात् :—

1. बजडाह नरसीगाराऊ पिता कीशणराऊ 7/156-मनेशबर रास्ता, अनन्तापुर ।
(अंतरक)

2. गुडीपुटी अजजमेधलु
कडाडरामुनठा-गाउ-कीडेम अनन्तापुर
(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रन्थोदत्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 7/156 मनेशबर रास्ता अनन्तापुर-रजिस्ट्री दस्तावेज नं० -3135/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय अनन्तापुर में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीक : 11 जनवरी 1980

मोहर :

प्रह्लप माई० टी० एन० एस०—-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के पश्चात् सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 11 जनवरी, 1980

निर्देश सं० ऐ० सी० नं० 475/79-80—अतः मुझे
को० के० वीर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), धारा 269-ब के
पश्चात् सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
उक्त संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० 5-9-42/3, 4, 5 है जो 6 मलगायों वशीरवाग
में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्णचूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन भई 79 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिकी
(अन्तरिक्षों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया जाया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के पश्चीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व
में कभी बदले गए उससे बदले में सुविधा से किए;
ओर/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या प्रथ्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन्कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के पश्चीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों का स्वाति

1. श्री सैयद असगर हुमैन 5-9-43 वशीरवाग हैदरा-
बाद (अन्तरक)
2. श्रीमति हलीमा बैगम पति यैमदउसेन अलबकर
4-1-1/24 मेस-कामा हैदराबाद (अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी हरके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संरचना के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किमी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किए गये व्यक्ति द्वारा, प्रत्योदृश्नाकरों के पाय
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधानाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ द्वारा, जो उस प्रधानाय में दिया
गया है।

अनुसूची

4-मलगायां घर नं० 5-9-42/3, 4, 5 और 6 कुली
जमीन वशीरवाग हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2656/79
ऊपर रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
मक्षम अधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रज, हैदराबाद

दिनांक : 11-1-1980।

मोहर :

प्रलम प्राई० ३० एन० एम०—————
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अनुसार सुचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रामकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1980
निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 476/79-80—यतः
मुझे के० के० वीर]

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 8-2-472 है, जो बनजाराहील्स
हैदराबाद स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन मई 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पच्चह प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तब पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य आस्तियों
को निम्ने भारतीय प्राव-हर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तओं अवैत्त :—

1. (1) महमद तारीक मिरजा (2) ग्रामकर
महमद मीरजा—जी० पी० मे०—गुलाम हैमद जपरग्ली
सीमाजीगुडा में है हैदराबाद (अन्तरक)।

2. श्री बी० सरवीतम रेडी घर नं० 2/602 नल्लाकुनठा
हमनकोनडा वरनगल (अन्तरिती)।

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रामकर :—

(a) इस सुचना हें राजस्व में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि ताव में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति द्वारा ;

(b) इस सुचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रामीहस्ताक्षरी के पास
निखित में फिर जा सकेंगे।

दब्दोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रठाय 20-क में परिभाषित है, वही
प्रथम होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

कुली जमीन 885 वर्ग यार्ड है नं० 8-2-472-रास्ता नं० नं० 1
बनजारा हील्स हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1464/79
रुप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

के० के० वीर
सक्षम अधिकारी

(सहायक ग्रामकर ग्रामकर निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-1-1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटेड एन्ड प्रूफ—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 11 जनवरी 1980

निवाश सं० आर० ये० सी० नं० 477/79-80—यतः मुझे
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
भारा 269-व के प्रधीन संवाद प्राधिकारी को वह विश्वास
करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० 8-1-9 का मार्ग है, जो येस डी० रास्ता
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ट्री अधिकारी के कार्यालय सिकीन्द्राबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के प्रधीन मई 79

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के सिए अनुरित की गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकल से अधिक है और प्रस्तरक
(प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे
बहुरण के लिए तथा पाया जाया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित
नहीं किया जाया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की बावजूद, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के प्रस्तरक के बायिस में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के प्रनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपलाभ (1)
प्रधीन, निम्नलिखित अधिकारी, पर्याप्तः—

13—456GI/79

- 1. मैसर्स अमीलीया येल डी० सोजा 227-मारेडपली-
सिकीन्द्राबाद (अन्तरक)
- 2. डाक्टर जेसवनतराऊ पिता सीतारामास्वामी "सीनी-
वास" 190—बोयेनपली सिकीन्द्राबाद (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कायंबाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पंचांग में कोई भी आश्रेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की प्रबंधि या तस्वीरी अधिकारी वर्ष
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
ओर भी प्रबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्णोक्त अधिकारी में से किसी अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य अधिकारी द्वारा, अधोहस्ताकारी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

प्रबंधोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पश्चों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रम्याय 20-क में परिचालित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रम्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ऊतर विभाग आदा घर नं० 8-1-9 सरोजीनी देवी
रास्ता सिकीन्द्राबाद बेस्टर्न 535 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज
नं० 1124/79-उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकीन्द्राबाद में।

के० के० वीर
सक्षम अधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 11-1-1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० ईम० एस० -----

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अनवरी 1980

निर्देश सं० आर० पे० सी० नं० 478/79-80—ग्रतः मुझे
के० के० वीर ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 4-1-316 है, जो बाजार स्थित है (और
इस उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (108 का 16) के अधीन मई
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, तमर्गति :—

- 1. मिस कलारीमा डीसोजा 4-1-1316 तुरुपबाजार,
हैदराबाद। (अन्तरक)
- 2. श्री वीनप्रेष डीसोजा पिता डाक्टर जान सी डीसोजा
4-1-316, तुरुपबाजार, हैदराबाद।
- (2) मैसर्स इरोनी डीसोजा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रावेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्वैताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/5 वीवाग है घर बेचने वाले का घर नं० 4-1-315 और
4-1-316 तुरुपबाजार हैदराबाद में बीस्टन 3255 वर्ग यार्ड
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3089/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय
हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
(महायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीखः 16-1-1980

मोहरः

प्रकप पाई० टी० एन० एस०—————
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को बारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जनवरी 1980

निर्वेश सं० आर० ए० सी० नं० 497/79—80—यतः मुझे
के० के० वीर आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), को
बारा 269-ष के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० कुली जमीन है, जो 8-2-472-बनजारा
हिल्स स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैरलाबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन मई 1979

को पूर्वोक्त मम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया,
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य आस्तियों
को, जिन्हें आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
इनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनावे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के सिए;

अतः यदि, उक्त प्रधिनियम को बारा 269-ष के अनुसरण
में, में, उक्त प्रधिनियम को बारा 269-ष की संपादना (1)
के प्रधीन, निम्नलिखित अवक्षियों, अवर्ति :—

1. श्री महमद तारीक मिरजा (2) अणपाक महमद
मिरजा जी पी० ये० अधीकारी गुलाम अमद घर नं०
6-3-622-जाफरग्ली बेग सीमाजीगुडा हैदराबाद।
(अन्तरक)

2. श्रीमति पीनमनेनी जया घर नं० 12 शोरयारेडपली
सिकन्दराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीराती अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवक्षियों में से किसी अविक्षित होता;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तव
किसी अव्यक्त द्वारा प्रधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिमाणित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधायाय में दिया
गया है।

अनुसूची

कुली जमीन 1096 वर्ग याड़ रास्ता नं० 1-बनजारा
हिल्स हैदराबाद घर नं० 8-2-472 रजिस्ट्री दस्तावेज नं०
1468/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरलाबाद में।

के० के० वीर
सक्षम अधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 16-1-1980

मोहर :

प्रलेप प्राईटी०एन०एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 16 जनवरी 1980

निर्देश सं० 480/79-80—अतः मुझे के० के० वीर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी नं० जमीन नं० 197 है, जो 206, 207/ए०
मदीनागुडा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन मई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनात्म अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अवित्यां अर्चात् :—

- 1. श्री दूर्वनारायण राजू 7-1-644/4 सुन्वरनगर
- (2) एस० अद्युतराम राजू (3) वेंकटरामराजू (4)
- एस० सुर्यनारायण राजू (5) एस० रामालीनगराजू 1-54
मीयानपुर। (अन्तरक)
- 2. श्री सी० महेंद्रानात (2) सी० अमरनात (3)
- सी० नसीद्रानात (माईनर) 14-3-58-शीशमहल हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में त्रितवद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 197.206/ए० और 207/ए० जुमला
वीस्तर्न 10-यक्स मदीनागुडा गाऊ रनगारेडी जिला रजिस्ट्री
दस्तावेज नं० 961/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद
ईस्ट में।

के० के० वीर,
सक्षम अधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 16-1-1980

मोहर :

प्रसूप ग्राई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269वं (1) के अनुसार सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जनवरी 1980

निवाश सं० आर० ए० सी० नं० 481/79-80—अतः मुझे के० के० वीर ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० सरबे नं० 197, 198/1 206/ए०, 205/1 है, जो मदीनागुडा गांव स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह पूर्वविश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/गा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वं की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अपांत्.—

1. श्री पौष्टि नारायण राजू (2) पौष्टि अच्छुता रामाराजू (3) आर० वेंकटरामा राजू (4) रामा लीलिंगाराजू (5) पौष्टि नारायण राजू तमाम लोग का घर 7-1-644/4 हैदराबाद (अन्तरक)
2. श्रीमति सी० लक्ष्मी बाई (2) सी० ग्रामबा रानी (3) मी० सरस्वती 14-3-58, एशियन हैदराबाद (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के प्रस्तुत्य में नीचे दी गयी प्राप्ति:—

- (क) इस सूचना के राजनीत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अक्षित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजनीत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याव 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

जमीन कर सरबे नं० 197, 198/1 और 206/ए० और 205/1, जुमला वीस्टर्न 10 एकड़ 10 गुनटा मदीना-गुडा गांव रनगारेडी जीला में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 999/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में।

के० के० वीर
सक्षम अधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-1-1980

मोहर :

प्रलेप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा की
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 16 जनवरी 1980

निदेश सं० आर० य० सी० न० 482/79—80—
यतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 14-1-402 है, जो अग्रहापुरा हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दूदबोबली में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का गढ़ प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
वरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सैयद अब्दुल असीद घर नं० 14-1-402-आगपुरा
हैदराबाद (अन्तरक)
2. श्री एस० ए० मुकनादार एस० ए० मोइद घर
14-1-402 आगपुरा हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अब्रोइस्ट्राक्शरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-
नियम के अवगाय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिखाया गया है।

अनुसूची

घर नं० 14-1-402—आगपुरा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्ता-
वेज नं० 584/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय दूदबोबली हैदराबाद
में ।

के० के० वीर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद

दिनांक : 16-1-1980

मोहर :

प्रस्तुप प्राईटी टो० एन० एम०---

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जनवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 483/79-80—

अतः मुझे के० के० वीर

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लाट नं० 53 है, जो एस पी० रास्ता में
स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्णरूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन मई 1979को पूर्वोक्त प्रतिक्रिया के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के उचित प्रतिक्रिया को नहीं है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया में, ऐसे दृश्यमान
प्रतिक्रिया का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित
उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित
नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरके
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या नियोजन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
गुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसरमें,
मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अपक्रियाओं, अर्थात् :—1. श्रीमति हसमानुनीसा बेगम (2) जैनारायत
मिसरा सिकन्दराबाद में (प्रत्तरक)1. श्रीमती वी० प्रह्लाद भारी—नालाकुनटा, हैदराबाद
(प्रत्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करस्ता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के प्रतिधि, या तस्वीरी अपक्रियाओं पर
सूचना की तामील में 30 दिन के प्रतिधि जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अपक्रियाओं में से किसी अपक्रिया द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रहाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद किसी अन्य अवित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही प्रय होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुल जमीन नं० 53 वीस्टर्न 546 वर्ग यार्ड सरदार पटेल
रास्ता सिकन्दराबाद घर नं० 2-11-3, 156 से 159-
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2774/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय
हैदराबाद में।के० के० वीर
सक्षम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-1-1980।

मोहर :

प्रकृष्ट आई० ठी० एन० एह०————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्राप्त
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 16 जनवरी 1980

निर्देश सं० आर० ये० सी० न० 484/79-80—
अतः मुझे के० के० वीर,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य ₹5,000/- अपर्याप्त है

और जिसकी सं० 10-37 है, जो हुजुराबाद में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, हुजुराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए प्रमत्तरित की गई है और मुझे पूर्ण विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से ऐसे प्रतिफल का पद्धति प्रतिक्रिया से प्रधिक है और प्रमत्तरक (प्रमत्तरकों) और प्रमत्तरिती (प्रमत्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरोग के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित ढूँढ़ी से उक्त प्रत्यरोग लिखित में वास्तविक रूप से लिखित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यरोग से हुई किसी भाव ने बाबत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के प्रमत्तरक के शापित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी फिरो आर या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें सारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या प्रत्यक्ष-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रमत्तरिती प्राप्त प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जातिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री के० राजीरेडी रामपुर हुजुराबाद (2) के० मोहनराओ श्रीरामपली हुजुराबाद करीमनगर जिला।
(प्रत्तरक)

2. श्रीमति ये० येरीयम्मा पति पापा राऊ 10-37 हुजुराबाद करीमनगर जिला।
(प्रत्तरक)

जो यह सूचना आसे करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी व्याप्रेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास निखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रधानाय 20-क में परिभाषित हैं, उन्हीं अर्थ होगा, जो उस प्रधानाय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 10-37-वीर्संन 3651 वर्ग यार्ड हुजुराबाद करीमनगर जिला रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 653/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हुजुराबाद करीमनगर जिला में।

के० के० वीर,
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद

दिनांक 16-1-80

मोहर:

प्रेस प्राईंटी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जनवरी 1980

निरोश सं० आर० ए० सी० नं० 485/79—80—

अतः मुझे के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अंतर्गत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जीरायती जमीन है, जो फुलोनग नीजामाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नीजामाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1979

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों पर, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रहट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

4—456GI/79

1. श्री येलसानी अशन्ना पिता लिनगम्या 13-द्वारे-लोग कोटीगली, नोजामाबाद (अन्तरक)

2. श्री के० कोट्या पिता सत्यमा और दूसरे नोजामाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जीरायती जमीन वीस्टर्न 3 एकड़ और 20 गुनटे फुलोनगर रास्ता नोजामाबाद में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1207/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय नीजामाबाद में।

के० के० बीर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक: 16-1-1980।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 जनवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 486/79-80—अतः
मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो सरवे नं० 127/5 बनजारा
हिल्स रास्ता नं० 1 स्थित है (और इस उपांडि अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
खैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन मई 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तप्र पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
श्रीर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्त आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन।
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री मुहमद अब्दास अली खान 6-3-345/2 रास्ता
नं० 1 बनजारा हिल्स, हैदराबाद (अन्तरक)
2. श्री के० केशवारेडी पिता के० सी० रेडी घर नं० पी० जे०
ओ०-60 पनजागुटा, आफोसर्स कालोनी, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना
की तारीख में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाय लिखित
में किये जा सकेंगे ।

• स्पष्टीकरण :—इसमें प्रत्यक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित है वही
अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं० IV सरवे नं० 127/5 का बीबाग बनजारा
हिल्स, हैदराबाद में वीस्टर्न 546.88 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री
दस्तावेज नं० 1614/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय खैरताबाद
में ।

के० के० वीर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 17-1-1980 ।

मोहर :

प्रस्तुत आई० टो० ए३० ए८०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-घ (1), के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (तिरोत्तग)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 जनवरी 1980

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 487/79-80—यतः
मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इनके प्रशास्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा
269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
वाजार मूल्य 25,000/- इयरे से अधिक है
और जिसकी सं० 8-2-468/ए/2 है, जो बंजारा हिल्ज
हैदराबाद स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ना अधिकारी के कार्यालय,
बैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन मई, 79 को

पूर्वान्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है प्रीर मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे
दृष्यमान प्रतिकल का पैक्कह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) पोर प्रतिरिती (अन्तरितियाँ) के बीच
ऐसे ग्रनारण के लिए ता पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आव या बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमो करने या उससे बचने में मुश्किल के
लिए; और/या

(ख) दोनों निम्नों आव या किसी बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमो करने या उससे बचने में मुश्किल के
लिए; और/या

अतः, अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपलारा

(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् ।—

1. श्रीमति आबीदा बिलग्रामी घ० नं० 8-2-468/ए/2
रोड नं० 5 बंजारा हिल्ज हैदराबाद । (अन्तरक)

2. श्री पी० श्रीनीवासराव अडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर
तेलगू आकाडिमी हिमायतनगर हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजैत के लिए
कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अजैत के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी अवित्यों पर सूचना की
तामोश से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से
किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में नितवद्ध किसी
मन्य अवित्य द्वारा, अधांहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

दृष्टिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिचायित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

घर नं० 8-2-468/A/2 प्लाट नं० 4 विस्तीर्ण 1044
वर्ग गज रोड नं० 5 बंजारा हिल्ज हैदराबाद में है, जिसका
रजिस्ट्रेशन डा० नं० 1479/79 से उप रजिस्ट्रार आफिस
बैरताबाद में हुआ है ।

के० के० वीर,
सक्षम अधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद,

तारीख : 17-1-1980

मोहर:

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 जनवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 488/79-80—अतः मुझे
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० खुली जमीन नं० 4 है, जो बंजारा हिल्ज हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खेताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री नवाब अफसल आली खान घ० नं० 6-3-345/2 बंजारा हिल्ज, हैदराबाद (अन्तरक)
2. श्री पी० एल० मारेड्डी (कन्जरवेटर आफ फारेस्ट) सैफाबाद घ० नं० 303/ए नामपल्ली, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीफ से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन नं० 4 बीस्टी० 545 वर्ग गज रोड नं० 1, बंजारा हिल्ज, हैदराबाद में है जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 1597/79 ले उप रजिस्ट्रार कार्यालय खेताबाद में हुआ है।

दिनांक : 17-1-1980।
मोहर :

के० के० वीर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

प्राप्त प्राई० टी० एन०एस०—
आपकर अधिनियम 1961, (1961 ना 43) को धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 जनवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी नं० 489/79-80—अतः मुझे के०
के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन नं० 57 है, जो करमधाट सर्वनगर गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1979 को पूर्वोक्त भवनाति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त वस्तु का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ प्रयोग गया ग्रन्तिकरण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में निवित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उस से बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 ना 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति वी० भारती देवी ज नं०
विद्यानगर, हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री के० कृष्णा कुमार (2) के० बेंकटरमना (3)
के० उषाराणी (4)' के० सुबालक्ष्मी (4) के० राम मूर्ती नं०
57 चन्तिलकुटा करमधाट, सरुरनगर रन्गारेड्डी जिला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षित वास्तविकता के पास निवित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रकृत गद्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभासित हैं, वहों अथवा होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जिराती जमीन सं० नं० 57 विस्तीर्ण 6 एकड़ 19 गुंटा करमधाट गांव, सर्वनगर, रंगारेड्डी जिले में है, जिसका रजिस्ट्रेशन डा० नं० 4617/79 उप रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में हुआ है ।

के० के० वीर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 17-1-1980

मोहर :

प्रूप प्राई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 जनवरी 1980

निर्देश सं० आर० य० सी० न० 490/79-80—अतः
मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 4-4-179 ता० 181 है, जो माहानकाली
गली में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्ट्यामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यामान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्ट्यामान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, जे उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपचारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति वी० शेशमा घर नं० 4-4-181 और 182
नालागुड़ी बाजार, सिकन्दराबाद

(2) वी० सत्यनारायण 4-1-181 नालागुड़ी बाजार,
सिकन्दराबाद
(अन्तरक)

2. श्रीमति अनारपु कमलमा पति ये० वीरच्छा 4-44
मनजबाजार, सिकन्दराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्वेः :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 4-4-179, 180 और 181 माहानकाली गली,
सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1205/79 उप रजिस्ट्री
कार्यालय, सिकन्दराबाद में ।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद,
दिनांक : 17-1-1980
मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 जनवरी, 1980

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 491/79-80—अतः
मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी प्लाट सं० 103 /ये० है, जो मारेडपली, सिकन्दरा-
बाद में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दरा-
बाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा अनुसूचना पापति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थातः—

1. श्री ए० वी० वीरावद्वा पिता ए० यच वेन्कटराव,
136-वेन्डर घास्ट रास्ता, सिकन्दराबाद (अन्तरक)
2. श्रीमति अनाणी भारती पति ए० मरमीम्बाराऊ
103/ये० मारेडपली, सिकन्दराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीकृताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
ह, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

मनुसूची

प्लाट नं० 103/ये० वीस्टर्न 2,700 वर्ग फीट घर नं०
10-2-70-मारेडपली, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज
नं० 1076/79 उपर रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में ।

के० के० वीर
सक्षम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद

दिनांक 17-1-80

मोहर :

प्रकाश पाइँटो० एन० एस०—

अधिकार प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

धारण संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 जनवरी 1980

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 492/79-80—अतः मुझे
के० के० वीरं
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इनके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रवृत्ति सक्षम प्रधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजा भूमि 25,000/- रुपए
में प्रदिल्ल है,

और जिसकी सं० 6-1-298/3 ए और वी जो बेन्टापुरम कालोनी
सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबृह अनुसूची में और
पूर्णलूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सिकन्दरा-
बाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए प्रत्यक्षित को मर्ह है पौर सुझे यह विष्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है
और अन्तरक (प्रत्यक्षित) और अन्तरिती (प्रत्यक्षित) के बीच ऐसे
प्रतिफल के लिए तर आया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त प्रतिफल लिखित में वास्तविक रूप से छिपा नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किया गया की बाबत, उक्त प्रधिनियम
के अधीन कर वेते के मानक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय भ्राय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त प्रधिनियम, या ब्रन्कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के बजूसरण में,
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री पी० कुमला कुमारी घर नं० 6-1-298/3 बेन्टापुरम कालोनी, सिकन्दराबाद
(अन्तरक)

2. श्रीमति ईमलाज उनीसा बेगम पत्ती गेयर अक्सर अली
1-4-760/1/वी बाकारम, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जे के
लिए काँशाद्वारा रखता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी प्राक्षेत्र—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो प्री प्रधिक बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयद्वय किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इन प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ऊतर वीभाग घर नं० 6-1-298/3/ए और वी बेन्टापुरम
कालोनी, सिकन्दराबाद, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1047/79 उप
रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० वीरं
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद
तारीख : 17-1-1980
मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 अक्टूबर 1979

निदेश सं० 429-अर्जन/आगरा/79-80—अतः, मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 15/81 है तथा जो नूरी दरवाजा आगरा में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 26-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृष्यमान [प्रतिफल] का
पञ्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

15—456GI/79

1. श्रीमती विजय रानी बेवा श्री गिरधारी लाल उर्फ
धुजो बाबू निवासी नूरी दरवाजा, आगरा (अन्तरक)

2. श्रीमती सावित्री देवी पत्नि श्री जगदीश चन्द मिर्धल
निवासी नूरी दरवाजा, आगरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्तन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्तन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही ग्रथे होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद भाग भवन नं० 15/81 का लगभग 1/2 भाग
वतरफ पूर्वी भाग एरिया 871/2 वर्ग मीटर का है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सम्पत्ति प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 25-10-79

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 25 अक्टूबर 1979

निदेश सं० 428/अर्जन/आगरा/79,80—अतः मुझे बी० सी० चतुर्थोदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन पत्र वाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 15/81 है, तथा जो नरी दरवाजा आगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-7-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. श्रीमति विजयरानी वेबा गिरधारी लाल उर्फ धुज्जो बाबू निवासी नूरी दरवाजा आगरा (अन्तरक)

2. श्रीमति शकुन्तला देवी पति गोविंद प्रसाद निवासी नूरी दरवाजा आगरा (अन्तरि)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(ए) इस सूचना के राजाव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरस्वन्धी अवित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा

(ब) इस सूचना के राजाव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध हिसी अन्य अवित्य द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साड़ी निरण :— इनमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद भाग भवन नं० 15/81 का 1/2 भाग बतरफ पश्चिमी भाग एरिया 95/1/2 वर्ग मीटर का है।

बी० सी० चतुर्थोदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 25-10-1979

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 अक्टूबर 1979

निदेश सं० 489ए-/पी० एन०/खुर्जा०/79-80—अतः मुझ
वी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्तम प्राधिकारी जो यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 7 है तथा जो ग्राम नगला सभी में स्थित है (और इस उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खुर्जा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-6-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और प्रत्यक्षिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के भिन्न तथा यात्रा ग्राम प्रतिकरण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तुत लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर निसी प्राप्त की बावजूद उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उसके बदले में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी नियमी प्राप्त या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या अन्तर कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के प्रमुखरण में, ये, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री प्रह्लाद मिह व भहावीर मिह व तेजपाल मिह पुत्रगण फतह मिह निवासी नगला सभी पर० व० नह० खुर्जा जिला बुलन्दशहर। (अन्तरित)

2. श्री मुरेण मिह पुत्र श्री बुद्ध मिह निवासी नगला सभी पर० व० तह० खुर्जा जिला बुलन्दशहर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करना हैं।

उक्त सम्पत्ति ये अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर सूचना की जामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृष्टाकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम', के प्रधायाय के 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

कृपया भूमि नं० 7—पुष्टना स्थित नगलासभी परगना 11) 3 14

व तहसील खुर्जा जिला बुलन्दशहर लगानी 72-69 पैसे है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 27-10-1979

मोहर:

प्रख्युप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 अक्टूबर 1979

निदेश सं० 775-ए/पी० एन०/गाजियाबाद/79-80—
अतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खसरा नं० 49 है तथा जो ग्राम औरंगनगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 16-7-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (आन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय को बाष्पत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने पा उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः श्रेष्ठ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरमें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री होशयार सिंह पुत्र वन्नी निवासी ग्राम औरंगनगर किनापुर, परगना जलालाबाद: जिला गाजियाबाद। (प्रन्तरक)

2. श्री जगबीर भिंह व श्री अशोक कुमार पुत्रगण करन सिंह निसारी बजपुरा तहसील अनूपशहर जिला बुलन्दशहर हाल औरंगनगर किनापुर जिला: गाजियाबाद, परगना जलालाबाद। (अन्तरती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वित्तबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्राहोद्धस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नम्बर 49 रकवई छ: बीघा तीन बिस्वा तीन विस्वासी पुल्ला स्थित ग्राम औरंगनगर किनापुर, परगना जलालाबाद जिला: गाजियाबाद में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 27-10-1979

मोहर।

प्रेरूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 नवम्बर 1979

निवेश सं० 811-ए/देहरादून/79-80—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह संकरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान 25 है तथा जो सरक्युलर रोड डालन वाला में स्थित है (और इससे उपात्र अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय देहरादून में रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह संकरने का कारण है कि यथातुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः श्री, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डा० बनमालीकृष्ण पुत्र श्री रामचन्द्र निवासी नम्बर 25 सरक्युलर रोड, देहरादून। (अन्तरक)

2. श्रीमती आनन्दी देवी सजवांशा धर्मपत्नी घेजर दलीप सिंह सजवांशा निवासी नम्बर 51/8 हरिद्वार रोड। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्रावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्वैतस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नम्बर 29 सरक्युलर रोड डालन वाला देहरादून जिसमें 5 कमरे रखोई स्नानगृह आदि हैं जिसका कुल क्षेत्रफल 12500 वर्ग फीट या 1162.50 वर्गमीटर है माकान एक मंजिला है व 179.86 वर्गमीटर में बना है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख 17-11-1979

मोहर :

प्रकाश प्राईंटी० ई० एस०————

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 नवम्बर 1979

निदेश सं० 471-ए/देहरादून 79-80—अतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ(1) के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

ओर जिसकी सं० 35 है तथा जो तेज बहादुर रोड देहरादून में स्थित है (ओर इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) „रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय देहरादून में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-6-1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथायुवांश संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बावत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कभी करने या उससे उसने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी फिसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूलिका के लिए;

अतः अब उक्त प्रधिनियम का धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अवृत्ति :—

1. श्री किशन दत्त शर्मा पुत्र श्री सूभीलाल शर्मा निवासी (डी० आई० जी०, बी० एस० एच०, जोधपुर) मोहल्ला तुलसी चबूतरा, मधुरा। (अन्तरक)

2. श्री ओम नारायण त्रिवेदी पुत्र श्री एम० आर० त्रिवेदी, निवासी 15 है, बलबी रोड, देहरादून (अन्तरिती)

को यह मूला जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए कार्याद्विधान करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि मा तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों ने किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्यक्ष वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टदोक्षण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तथा मकान त्रिपक्षा नम्बर 5 ब्लाक एन पुराना नम्बर 35 तथा श्रेवफल 1624 वर्ग मीटर है जो कि देहरादून रोड पर स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 30-11-1979

[मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 नवम्बर 1979

निवेश सं० 522/ग/ब० शहर—अतः मुझे बी० सी०
चतुर्वेदीहै

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 32 है तथा जो सिविल लाइन बुलन्डशहर
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बुलन्डशहर
में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 11-6-1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्षक (प्रत्यक्षकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वारदात, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रतरक्त के
शायद वें कभी करने या उससे बचने वें मुदिधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्तरित
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
व्योमनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के
अन्तर्गत निम्नलिखित अवित्तियों शर्तात्:—

1. श्री चौधरी मुख्यार सिंह पुत्र चौधरी हर प्रसाद मिहू
32 सिविल लाइन बुलन्डशहर। (अन्तरक)

2. बुलन्ड लैंड डबलपर्मेंट कम्पनी, 14 ओरंगजेब रोड, नहीं
दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त हारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद किसी अन्य अवित्त हारा, अधोद्रुस्ताकारी के
पास विवित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के प्रथम 20-क में परिभासित हैं,
वही शर्य होगा जो उस प्रधायाम में विदा गया है।

अनुसूची

6172 मुख्यागज भूमि स्थित 32 सिविल लाइन बुलन्डशहर
में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सभाम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 30-11-1979
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 नवम्बर 1979

निवेश सं० 393-ग/कानपुर/78-79—अतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- इपये से अधिक है
और जिसकी सं० 16/97 है तथा जो दी माल कानपुर में
स्थित है (और इससे उपाखद अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन
तारीख 22-6-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए प्रभतरित की गई है और मुझे यह
विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिक्रिया का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और
प्रभतरक (प्रभतरकों) और प्रभतरिती (प्रभतरितियों) के बीच
ऐसे अस्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिक्रिया विभिन्निक्षित
उद्देश्य से उक्त प्रभतरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित
नहीं निश्चाय दी गयी है :—

(क) प्रभतरण से हुई किसी आय को बादत उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन कर देने के प्रभतरक के वायिरि में
कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय वा किसी बन वा अन्य आस्तियों
को, जिन्हे, भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, तिनाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपस्थारा
(1) के प्रधीन, निम्नलिखित अस्तियों अधृतः :—

1. श्री बी० एन० जावेरी व पैस० एन० जावेरी व
श्री आर० एन० जावेरी व श्री पी० एन० जावेरी साकिनान
16/97 दि माल, कानपुर (अन्तरक)

2. श्री शिवांकर मिश्रा व श्रीमति सरोज मिश्रा व
श्री परवीन कुमार मिश्रा निवासीगण टैगोर रोड 18, कानपुर।
(अन्तरित)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अस्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में से किसी अस्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य अस्ति द्वारा अधोक्षस्ताभारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्युक्त अवधि :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

माह नवम्बर 16/97 दि माल कानपुर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेज, कानपुर

तारीख : 3-11-1979
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०-----

आ॒क्षं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की व्यापार
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निदेश सं० 959-ए/खुर्जा—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वर्णनात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की व्यापार 269-ष के अधीन सम्मान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति त्रिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इयरे से प्रधिक है और जिसकी सं० 345 व 547 है तथा जो ग्राम मोहम्मदपुर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ने अधिकारी के कार्यालय खुर्जा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-7-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत में प्रधिक है और भवतरक (भवतरकों) और प्रत्यक्षित (अन्तरियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षित के लिये तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षित लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अभ्यरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के भवतरक के दायित्व में कभी करना या उससे बदलने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी हिसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिस्ते भारतीय शायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्तर्कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिकारियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की व्यापार 269-ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की व्यापार 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अन्तियों अर्थात् :—
16—456GI/79

1. श्री रामनरायण पूर्ण श्री रामस्वरूप गोड़ निवासी खुर्जा जिला बुलन्दशहर (अन्तरक)

2. श्रीमति नवाब कौर पर्ति लीला मिह निवासी मोहम्मदपुर पर० जेवर तह० खुर्जा जिला बुलन्दशहर (अन्तरियी)

को यह सूचना आगे करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याद्वयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंद्र में होई थी आज्ञेप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या उसके बाद अन्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भावर पूर्वोक्त अन्तियों में से किसी वासिन द्वारा;

(ख) इस पूर्वन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त व्यापार सम्पत्ति में हितवद्ध किसी भव्य अन्तिय द्वारा प्रत्योक्तामरी के भाव लिखित में किए जा सकेंगे :

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रभुत शम्भू मोर पदों का, और उक्त प्रधिनियम के अन्याय 20-क में परिवायित है, वही वर्ण होगा, जो उस प्रदाय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि नम्बर 345 व 547 जिमका क्षेत्रफल 5 बीघा 11 विस्वा 13 विस्वासी ग्राम मोहम्मदपुर तह० खुर्जा जिला बुलन्दशहर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सम्मान प्राधिकारी
सहायक शायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज कानपुर

तारीख : 11-12-1979

मोहर :

प्रस्तुत प्राई० टी० एन० एस०----

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निदेश सं० 777/अर्जन/इटावा/79-80—अतः मुझे
बी० सी० चतुर्वेदी

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० है तथा जो उकेर पर ० भर-
थना में स्थित है (और इससे उपावड्ह अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भरथना
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 21-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से ज्ञान के दृष्यमान
प्रतिफल के बिए अन्तरिन की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान
प्रतिफल का अन्दर प्रतिष्ठान अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
दृष्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा, (1) के
अधीन, निम्नलिखित अधिकारी अर्थात्:—

1. श्री रक्षपाल सिंह पुत्र श्री रघु सिंह सा विक्रपुर
तह० विधान जिला इटावा (अन्तरक)

2. श्रीमति जानकी देवी पति श्री श्याम किशोर, होम
मिह पुत्र अजब मिह, गजाधर सिंह पुत्र शेर मिह, जयदेवी ब्रेवा
नाम मिह व अभिलाप सिंह व माम मिह बालिंग व इन्द-
पाल मिह व अजयपाल मिह नाबालिंग पुत्र भुकुट सिंह
सा० उकेर पर० भरथना जिला इटावा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
निए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजन्त्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पंचांगी वर्षक्रियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त वर्षक्रियों में से किसी वर्षक्रिया

(ख) इस सूचना के राजन्त्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य वर्षक्रिया द्वारा अशोकस्त्राकरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

पट्टोकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि उकेर पर० सा० विक्रपुर तह० विधान जिला
इटावा।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
महायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 11-1-180

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निदेश सं० 768/अर्जन/ग्रामरा/79-80—ग्रतः मुझे
बी० सी० चतुर्वेदी

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन प्रश्नप्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 18/163 ए/67 है तथा जो वक्ते विभाव-
नगर ग्रामरा में स्थित है (और इससे उपाखद्ध ग्रनुसूची में
और पूर्ण स्वप्न से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय ग्रामरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 18-5-1974

को पूर्वोक्त ममात्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तब तापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिक्तित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या नियंत्रण चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण म, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथतः—

1. श्रीमती ललिता धर्म पत्नि श्री ओम प्रकाश पान्डे सा०
18/163 ए-145 बी० विमल नगर ग्रामरा (अन्तरक)

2. श्री मोहम्मद हारून पुत्र श्री मोहम्मद याकूब साकिन
32/75/ ए हरी नगर कालोनी शमशाबाद रोड ग्रामरा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अत्रोत्साक्षारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

साठी हरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-ए म परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

ग्रनुसूची

एक किता जायदाद नंबरी 18/163 ए/67 वक्ते विमल
नगर ग्रामरा ।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्रामुक्त निरीक्षण
अर्जन रेज, कानपुर ।

तारीख : 11-1-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निकेश सं० 789-अर्जन/आगरा/79-80—अतः मुझे बी० सी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1032 है तथा जो एत्मादपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एत्मादपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रनबीर सिंह पुत्र श्री पोरव लाल निवासी नगला छब्बीला मौजा बरहन पो० बरहन तह० एत्मादपुर जिला आगरा।
(अन्तरक)

2. श्रीमति पूरन देवी पत्नि सत्य प्रकाश मौजा बरहन पो० बरहन व श्रीमति मीरा देवी पत्नि रनबीर सिंह निवासी नगला छब्बीला मौजा व पो० बरहन पर० एत्मादपुर जिला आगरा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा बरहन पर० एत्मादपुर 1032/51/316 ल० 6-2-25 पैसे।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 11-1-1980

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०----

आयत्र प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

साधारण, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निवेश सं० 776/अर्जन/इटावा/79-80—अतः मुझे बी० सी० भतुर्वेदी

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अन्तर्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन सभी प्रायिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 96/1/1, 33 व 100/0.97 है तथा जो सराय ऐसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय इटावा में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 1-5-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया प्रतिगत अधिक है और प्रत्यक्षरक (प्रत्यक्षरकों) और प्रत्यक्षरिती (प्रत्यक्षरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब यापा गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में ही किसी ग्राम बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्षरक के शायित्व में रुपी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) एसी किसी ग्राम या किसी ग्रन या अन्य ग्राहितयों को, जिन्हें मारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्तर्कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये प्रत्यक्षरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीन:—

1. श्री विजय किशोर टण्डन पुत्र स्व० सा० जुगल किशोर टण्डन सा० शहर इटावा मौहल्ला काजीटोलाकुंज।
(अन्तरक)

2. श्री मुकुट सिंह व कुण्ठ गोपाल व माखनसिंह व सुरेश चन्द रमेश चन्द वयस्कगण व अरविन्द कुमार सिंह नाभालिंग विलायत पिता पुत्रगण श्री बीरबल सिंह निं० नगल प्रतापुरा मौ० निलोई पर० व० जिला इटावा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जागे करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रमाण में कोई भी ग्राहकोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्प्रबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित अधीक्षिती के पाम लिखित में किए जा सकें।

प्रधानीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रामीणात् काष्ठ वाके ग्राम सराय ऐसर परगना व जिला इटावा नम्बररान 96/1/1, 33 व 100/0.97 101/0.60 व 103/2.69 व 104/4.74 व 105/2.29-6 किता /12.62 ला० 97.10 रु०।

बी० सी० भतुर्वेदी

सक्षम प्रायिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 11-1-180

मोहर:

प्रकृष्ट प्राप्ति ० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के प्रधीन मुख्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निदेश सं० 744/अर्जन/कानपुर/78-79—ग्रतः मुझे
बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), की धारा 269-ब
के अन्तिम समय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 281 है तथा जो ब्लाक न० एच०/२
काकादेव में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय
कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 4-5-1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का वन्दद
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण भिन्नित में
वास्तविक रूप में उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्त ज से दूरी किसी आय ही नहीं, उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तावक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय वा किसी बहुत या मन्य धारियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रार्थतः :—

1. श्री सरदार सोहन सिंह पुत्र सरदार हरी सिंह साकिन
200/3 शास्त्री नगर, कानपुर बहौदियत मुक्तारे श्राम मिनजा
निब सरदार गुबरचन मिह बल्द सरदार बड़े मिह, सा० 15
पटेल रोड शाहजहांपुर।
(अन्तरक)

2. सरदार हरजेन्द्र सिंह व सरदार जसबीर सिंह पुत्रगण
सरदार निरंजन सिंह सा० 37/1 शास्त्री नगर कालोनी,
कानपुर।
(अन्तरिती)

फो यह सूचना आय करके पूर्वोक्त निवास के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों बरना है।

उक्त मंत्रति के अर्जन के मंदिर में लोई ओ प्राक्षेत्र :—

(क) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रतिविधि या तक्षबंधी व्यक्तियों पर पूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रतिविधि, जो भी प्राप्ति
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मुख्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी
प्रत्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एकीकरण.—इसमें प्रश्न प्राप्त हो और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20-क में यथा-
प्रतिविधि है, वही प्रत्य होगा, जो उस
प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाक न० एच० 2 काकादेव कानपुर में स्थित है
प्लाट न० 281।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 11-1-1980

मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० पू०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निदेश सं० 763/अर्जेन/आगरा/79—80—श्रतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 14/284 14/284/1 है तथा जो मदन मोहन
दरवाता आगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय आगरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 31-5-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व म
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रवतः :—

1. श्री कामेश्वर प्रसाद भटनागर पुत्र श्री अम्बा प्रसाद
चौ. रमेश भटनागर नाबालिक पुत्र खुद व शैलेश भटनागर व
राकेश भटनागर पुत्र रामेश्वर प्रसाद निः मदन मोहन दरवाजा
आगरा।
(अन्तरक)

2. श्री गिरीज सरन गौतम पुत्र श्री श्याम मुन्दर गौतम
नन्द किशोर पुत्र गिरीज सरन श्रीमति बजरानी गौतम पर्मिं
गिरीज गौतम प्रेम नारायण गौतम पुत्र गिरीज सरन गौतम
जिं शोदरवाजा आगरा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता जायदाद नं० 14/284 14/284/1 552.69
वर्ग मीटर बाके मदन मोहन दरवाजा आगरा में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेज, कानपुर

तारीख : 11-1-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, मंशायक प्रायकर प्राप्ति (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निदेश सं० 758/अर्जन/इटावा/78-79—अतः मुझे बी०
सी० चतुर्वेदी,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।
और जिसकी सं० 502 है तथा जो मौजा में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय इटावा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-5-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह ग्रन्थि तरह से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई निसी आय को बाजार, उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ब) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्राप्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उन्नारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुन्दरलाल पुत्र श्री कल्याण निवासी पुर्वाङ्का
मौजा औंसो पत्तालय गुलरिहा परगना विधुना जिला इटावा
(अन्तरक)

2. श्री बाबूराम पुत्र श्री विश्वनाथ निं० पुर्वाङ्का मौजा
ओंसो पत्तालय गुलरिहा परगना विधुना जिला इटावा (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इग सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा पूर्वोक्त सम्पत्ति के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौढ़ों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उप प्रश्नाय में विद्या गया है।

अनुसूची

मौजा गुलरिहा भूमि 502 रुक्वा 4.52 कृषि भूमि
30,000 की बेची है जिसका उचित बाजारी मूल्य
63,500/- है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 11-1-1980

मोहर :

प्रकाश प्राईंट दी० एन० एस०	तुकान कमरा नं०	नाम	होल्डीग मं०
आमकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-ष(1) के अधीन सूचना	1	जनारघन प्रसाद मोदी	153
भारत सरकार	3	भगवान प्रभवाल (एम०पी० प्रभवाल)	158
कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (विरीकण)	4	कल्याण दत्त प्रभवाल	159
अर्जन रेंज पटना	5	मानीक चन्द जैन	160
पटना दिनांक 17 प्रकटवर 199	6	उपरोक्त	161
निदेश सं० III-356/प्रर्जन/79-80—प्रतः मुझे जै०	7	टी० भट्टाचार्य	162
माथ	8	सरयु ठाकुर	163
आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विषे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है	9	लक्ष्मी प्रसाद पुत्र	164
और जिसकी सं० सर्वे प्लाट नं० 105 है बाता नं० 124 है तथा जो मूलसपल प्लाट नं० 462 बाईं नं० 6 (पुराना) 15 (नया) बोडम बाजार हजारीबाग में स्थित है (और इससे उपराह अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हजारी बाबा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-5-79 की दृव्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया यथा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:	9(ए)	द्वारिका साथ, बजमुल जैन	165
(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर खेते के अन्तरक के वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या	10	सरदार सिंह "	166
(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;	11	सप्तन कुमार रंचीत "	167
ज्ञतः अब, उक्त अधिनियम, की बारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की बारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्त ।—	12	लक्ष्मी नारायण कौशेरा	168
1. श्री प्रभात कुमार मुखर्जी पुत्र स्व० विनय कुल्ला मुखर्जी प्रबन्धक आई० सी० आई० लिवासी ९ पूर्वी मार्ग, वसन्त विहार नई दिल्ली-५७। (प्रस्तरक)	13	ओम प्रकाश खन्डेलवाल	169
2. श्री धीरेंद्र कुमार जैन पुत्र स्व० सुगन चन्द जैन हजारी बाबा शहर। (प्रस्तरित)	14	निर्मल कुमार खन्डेलवाल	170
3. सुष्मि संगलम (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में संपत्ति है)।	15	मोहम्मद कासीम (भसीद मोहम्मद)	171
गैरज नं० नाम होल्डिंगनम्बर	16	देवी प्रसाद	172
(तुकान कमरा नं०)	17	बेला बस्त	173
1 विजय कुमार गुप्ता	18	सुरेन्द्र सिंह	175
2 विजय कुमार गुप्ता	19	सेर अली (पहले पीर मोहम्मद)	176
3 यगत किशोर बर्मा	20	निजामुद्दीन	177
4 बौ० ई० जैयसवाल	20(9)	टाइस्ल मकान	156
5 मानक चन्द जैन		प्लाट मं० 103 विश्वनाथ प्रसाद	
17-456 GI/J9		को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।	
		उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना—	
		(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्यदी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;	
		(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अप्रोत्साहिती के पास लिखित में किए जा सकेंगे।	
		स्वाक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही वर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।	
		अनुसूची	
		अमील का रकमा 0.11 एकड़ दुकना तथा कुछ प्रत्येक बनावट सहित जो हजारी बाबा शहर में स्थित है तथा पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 6832 दिनांक 28-5-1979 जिला भवर निवासन प्राधिकारी हजारी बाबा में निवन्धीत है।	
		उपोतिन्द्र नाथ, सक्रम प्राधिकारी, निरीक्षी सहायक प्रायकर आयुक्त, अर्जन रेंज, पटना।	
		तारीख : 17-10-1979	
		मोहर :	

प्रसूत आई० टी० एन० एम०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आपूर्ति (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पटना

पटना, दिनांक 17 अक्टूबर 1979

तिदेश सं० III—357/अर्जन/79-80—अतः मुझे जै०
नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जितना उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० सर्वे प्लाट नं० 105, 106 खाता नं० 124 है, तथा जो मूलिकियत प्लाट नं० 462 वाड़ नं० 6 (पुराना) 15 (नया) बड़िया बाजार हजारीबाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में शीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय हजारी बाग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिगत प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टिगत प्रतिफल से, ऐसे दृष्टिगत प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिशत, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण गे हैं जिसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन राज देने के अन्तर के दायित्व में कमी करने या उक्त बचतों में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिस्सी प्राप्त या हिस्सी वत पा अन्त आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अत शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ढाकिन्हों शर्तों—

1. श्री प्रणव कांति चटर्जी, पावर आफ एटोरेनी और वास्ते श्रीमति अनुपमा देवी, विधवा स्व० श्री अमृत्यु धन मुखर्जी निवासी 143/1, हन्दरा विश्वास रोड कार्यालय कांशी-चार कलकत्ता-37 (अन्तरक)

2. श्री रूप चन्द जैन पुनर स्व० सुगन चन्द जैन हजारी-बाग शहर। (अन्तरिती)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

किराएदारों की सूची

मेरेज नं०	नाम	होल्डिंग नम्बर
वर्तमान शोपरूप (दुकान कमरा)		
1.	विजय कुमार गुप्ता	148
2.	विजय कुमार गुप्ता	149

3.	यगल किशोर वर्मा	150
4.	बौ० डी० जैयसवाल	151
5.	मानीक चन्द जैन	152
दुकान कमरा नं०		
1	जनारदन प्रसाद मोदी	153
3	भगवान अग्रवाल (एम० पी० अग्रवाल)	158
4	कल्याण वत्त अग्रवाल	159
5	मानीक चन्द जैन	160
6	उपरोक्त	161
7	टी० भद्राचार्य	162
8	सरयु ठाकुर	163
9	लक्ष्मी प्रवाद पुत्र	164
	द्वारिका साव	165
9(ए)	मजमुल जैन	165
10	सरदार सिंह	166
11	सघन कुमार रंगीट	167
12	लक्ष्मी नारायण केशरा	168
13	ओम प्रकाश खड्डेलवाल	169
14	निर्मल कुमार खड्डेलवाल	
15	मोहम्मद कासीम (मसीद अहमद)	170
16	देवी प्रसाद	171
17	बेला बल्स	173
19	सुरेंद्र सिंह	175
20	सेर श्रीली (पहले पीर मोहम्मद)	176
20(9)	निजामुदीन	177
टाइल्स मकान		
प्लाट नं 103	विश्वनाथ प्रसाद	156

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लायबाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्राप्तान की तारीख से 45 दिन की अवधि या तकनीची व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धि हिस्सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाप लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रक्षा 0.22 एकड़ मकान तथा कुछ अन्य बानावट सहित जो हजारीबाग शहर में स्थित है तथा पूर्ण रूप से इस्तावेज संख्या 6644 दिनांक 23-5-79 जिला अवर निबन्धन पदाधिकारी हजारी बाग में निबन्धीत है।

ज्योतिन्द्र नाथ
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आपूर्ति,
अर्जन रेज, पटना

तारीख: 17-10-1979

मोहर:

प्रालूप अर्द्ध० ई० एन० एस० —————		
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को		
धारा 269व (1) के अधीन सूचना		
भारत सरकार		
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)		
अर्जन रेंज, पटना		
पटना, दिनांक 17 अक्टूबर 1979		
निदेश सं० III—358/अर्जन/79-80—अतः मुझे जै० नाथ		
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) को धारा 269-घ के अधीन सदम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है।		
और जिसकी सं० सर्वे प्लाट नं० 101, 102, 103, 105 है तथा जो खाता नं० 124, म्यूनिसिपल प्लाट नं० 462, बांड नं० 6(पुराना) बांड नं० 15(नया) बडम बाजार हजारीबाग शहर में स्थित है (श्री इसमें उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हजारी बाग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-5-1979 पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के इयावान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसरामान प्रतिफल से, ऐसे दूसरामान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) प्री अन्तरितों (अन्तरियों) के बोन्स ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—		
(क) अन्तरण से हुई किसी आप को बाजार, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या		
(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,		
अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार इसमें उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—		
1. श्रीमती सविता बनर्जी विधवा स्व० श्री एस० के० बनर्जी और श्रीमती धीरा चटर्जी पत्नी श्री प्रणव कान्ती-चटर्जी निवासी 143/1, इन्द्रा विश्वास रोड, मंवालय कोशी-पोरजिल-फलकता-37 (अन्तरक)		
2. श्री सुमर चन्द जैन पुत्र स्व० सुगत चन्द जैन हजारी-बाग शहर (अन्तरिती)		
किराएँदारों की सूची		
गैरेज नं० बर्ट- न०म होल्डिंग नं०बर		
मान शौप रूम (दुकान कमरा)		
1	विजय कुमार गुप्ता	148
2	विजय कुमार गुप्ता	149
3	युगल किशोर यर्मा	150

1	2	3
4	बो० ई० जैनवाल	151
5	मानीक चन्द जैन	152
दुकान कमरानं०		
1	जनारथन प्रसाद मोदी	153
3	भगवन अग्रवाल (एम० पी० अग्रवाल)	158
4	कल्पन दत्त अग्रवाल	159
5	मानीक चन्द जैन	160
6	उषरोक्त	161
7	टी० भट्टाचार्य	162
8	सरयु ठाकुर	163
9	लक्ष्मी प्राप्त पुत्र डारिकास, व	164
9(ए)	इंजगुल जैन	165
10	भरद्वारा ठिह	166
11	वन जुसर रंचीठ	167
12	नदीनी नारवण ठोड़ा	168
13	ओप वर्ज, अवंडीवाल	169
14	निर्वन कुम रावंडीवाल	
15	मोइ माद का रोप (मारी अहमद)	170
16	देवी प्रदाद	171
17	वेना वहर	173
19	उरेंद्र ठिह	175
20	शेर प्रती (पुड़े शीर मोहम्मद)	176
20(9)	निर्वनुदीन	177

टाईर्ड मान

प्लाट नं० 103 विश्वनाथ प्रसाद 156
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है।)

को यह सूचना जारी हरन दूरस्त तथा उक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रक्रम में ऊई भी आज्ञा :

(क) इस सूचना के राजावत र० व्राजान की तारोख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में सापेक्ष हो गे हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजावत र० व्राजान की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवांदृश्नाभरो के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याता 20क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उन प्रथाय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रक्ता 0.22 एकड मकान तथा कुछ अन्य बनावट सहित जो हजारीबाग शहर में स्थित है तथा पूर्ण रूप से इस्तावेज संख्या 6645 दिनांक 23-5-1979 जिला अवर निवासन पदाधिकारी हजारीबाग में निर्भूति है।

जै० नाथ

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,
अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 17-10-1979

सोहर :

प्रक्रम धार्डॉ टी० एन० एस०—
आयकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) भारा की
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (विवेचन)

प्रजेन रेज पटना

पटना दिनांक 17 अक्टूबर 1979

निवेश सं० III—359/प्रजेन/79-80—अतः मुझे जो०
नाथ,

आयकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-व
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विवात करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सबौ प्लाट नं० 105 खाता नं० 124 है,
तथा जो म्युनिसपल प्लौट नं० 462, वार्ड नं० 6 (पुराना)
15 (नया) ग्राम हजारी बड़म बाजार हजारीबाग में स्थित
है (और इससे उपावह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हजारीबाग में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 28-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथांपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके वृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे वृद्धमान प्रतिफल का
प्रत्यह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण
निवित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया जाता है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावजूद, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर हेने के प्रत्यरक के
वापिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-वा के अनुसरण में,
में, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-वा की उपचारा; (1)
के अधीन निम्नलिखित अन्तरिती, अवाहत :—

1. श्रीमति सविता बनर्जी पत्नी स्व० श्री ए० के०
बनर्जी और श्रीमति धीरा चटर्जी पत्नी श्री प्रणव कान्ती,
निवासी 143/1 इन्द्रा विवास रोड पटनालय कीशीपोर
जिला कलकत्ता-37 (अन्तरक)

2. श्री रूप अनंद जैन पुत्र स्व० सुगन अनंद जैन हजारी
बाग सहर (अन्तरिती)

3. किरायेदारों की सूचि :

गैरेज नं० वर्त-	नाम	होरिंडन नगर
मात्र सौप रूप		
(दुकान कमरा)		
1	विजय कुमार गुप्ता	148
2	विजय कुमार गुप्ता	149

1	2	3
3	युगल किशोर वर्मा	150
4	बौ० डी० जीयसवाल	151
5	मानोक अनंद जैन	152
दुकान कमरा नं०		
1	जनारदन प्रसाद मोदी	153
3	भगवान श्रीगवाल (एम०पी० श्रीगवाल)	158
4	कल्याण दत्त श्रीगवाल	159
5	मानोक अनंद जैन	160
6	उपरोक्त	161
7	टी० भट्टाचार्या	162
8	सरजू ठाकुर	163
9	लक्ष्मी प्रसाद पुत्र	164
9(ए)	द्वारिका साह	165
10	ब्रजमूल जैन	166
11	सरदार सिंह	167
12	संघन कुमार रंचीट	168
13	लक्ष्मी नारायण कैशरा	169
14	ओम प्रकाश खन्डेलवाल	—
15	मोहम्मद असीम (मसीद अहमद)	170
16	देवी प्रसाद	171
17	बेला बक्श	173
19	सुरेन्द्र सिंह	175
20	शंखली (पहले पीर मोहम्मद)	176
20(9)	निजामुद्दीन	177
टाईलस मकान प्लौट नं० 103 विवास प्रसाद		156

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह
किसी अन्य अविक्षिय द्वारा, प्रदोहनताक्षरी के पास
निवित में लिए जा सकें।

स्वाक्षीकरण :—इसमें प्रदृष्ट अवर्द्धों और पर्वों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-वा में परिवर्तित हैं, वही
चर्चे होया जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

जमीन का रकबा 0.11 एकड़ मकान तथा कुछ अन्य
बनावट सहित जो हजारीबाग सहर में स्थित है तथा पूर्ण
रूप से दस्तावेज संख्या 6863 दिनांक 28-5-1979 जिला
ग्रवर निवन्धन पदाधिकारी हजारीबाग में निवन्धन है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 0.11 एकड़ मकान तथा कुछ अन्य
सक्तम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,
प्रजेन रेज पटना

तारीख : 17-10-1979

मोहर :

प्रधन प्राईंटी०एन०एस०—
बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत बरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेज, पटना
पटना, दिनांक 17 अक्टूबर 1979
निदेश सं० III—360/प्रजन/79-80—प्रतः मुझे जे०

नाथ

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ
के प्रधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु
से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 105, खाता नं० 124 है, तथा
जो म्यूनिसिपल प्लॉट नं० 462 ग्राम हजारी, बड़मबाजार, हजारी
बाग में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हजारी
बाग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 28-5-1979।
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अनुरित की गई है और मूले पूर्ण विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का अनुदृ
ष्टिक्रिया से अधिक है, और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों) और प्रत्यक्षिती
(अन्तरिक्षियों) के लिए ऐसे प्रमाणण के लिए तथा पाया गया
प्रतिक्रिया, निम्ननिचित उद्देश्य से उक्त अस्तरण विवित में बास्तविक
रूप से लिया नहीं किया गया है।—

(क) यथारण ये ही किसी भाषा और बाबा उक्त
प्रधिनियम इ अधीन करके देने के अन्तरक के
अधिक में करी करने या उससे बदलने में सुविधा
के लिए, और

(ख) ऐसी किसी आय पा निमी द्वारा या घन्य आक्षियों
को, जिसमें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, बा
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथ अनुदित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया आना चाहिए था, जिसमें मुक्तिका के
नियम;

प्रतः भग, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपषारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रश्ना :—

1. श्री प्रणव कोन्ती चटर्जी पुत्र श्री पी० के० चटर्जी
पाषार आफ अटरनी और बास्ते श्रीमती अनुपमा देवी पत्नी
स्व० अमूल्यधन मुखर्जी निवासी 143/1, इन्द्रा विश्वास रोड
पत्नालय कोशीपोर कलकत्ता (प्रत्यक्ष)

2. श्री सुमरचन्द जैन पूत्र सुगत चन्द जैन मौजा—
हजारीबाग पत्नालय/जिला जहारीबाग (अन्तरिती)

किराएदारों की सूची

प्रेज नं० वर्त- नाम

होटिंग नगर

मात सौप रूप

(तुकान कमरा)

1	1	3
1	विजय कुमार गुप्ता	149
2	विजय कुमार गुप्ता	149

1	2	3
3	मुगल किशोर बर्मा	150
4	बौ० डी० जयसवाल	151
5	मानीक चन्द जैन	152
टुकान कमरा नं०		
1	जनारधन प्रसाद मोदी	153
3	भगवान अग्रवाल	158
	(एम० पी० अग्रवाल)	
	कल्याण छत्र अग्रवाल	159
5	मानीक चन्द जैन	160
6	उपरोक्त	161
7	टी० भट्टाचार्य	162
8	सरजु ठाकुर	163
9	लक्ष्मी प्रसाद पुत्र	164
	द्वारीका साब	
9(ए)	ब्रजभूल जैन	165
10	सरदार सिंह	166
11	सधन कुमार रचीट	167
12	लक्ष्मी नारयण कौशरा	168
13	ओम प्रकाश खड्डेलवाल	169
14	निर्मल कुमार खड्डेलवाल	
15	मोहम्मद कासीम (मसी महमद)	170
16	देवी प्रसाद	171
17	बेला वक्स	173
19	सुरेन्द्र सिंह	
20	सर अली (पहले पीर मोहम्मद)	176
20(9)	निजामुद्दीन	177
टाईल मकान		
प्लॉट नं० 103 विश्वनाथ प्रसाद		
(वह अधिक जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)		
को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजेन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।		
उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाब्देपः—		
(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या उससम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;		
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वृद्वस्तावरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।		
इष्टदातारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिवर्तित हैं, वही ग्रन्थ होगा, जो उस प्रध्याय में विद्या हुआ है।		
अनुसूची		
जमीन का रकबा 0.11 एकड़ मकान तथा कुछ अन्य बनावट सहित जो हजारी बाग सहर में स्थित है तथा पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 6864 दिनांक 28-5-1979 जिस अवर निवन्धन प्राधिकारी हजारीबाग में निबन्धीत है।		
जै० नाथ सभाम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त प्रजन, रेज पटना		

तारीख 17-10-1979
मोहर :

प्रस्तुप आई० ई० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बिहार, पटना
पटना, दिनांक 17 अक्टूबर 1979
निदेश सं० III-361/79-80—अतः, मुझे, जे० नाथ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन समाप्त प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ₹
से अधिक है।
और जिसकी सं० होल्डिंग नं० 156 नया वार्ड नं० 15
है, तथा जो प्लौट नं० 103 (पठिनमी अंश) 104 (अंश)
105 (उत्तरी अंश) याम हजारी, बड़म बाजार हजारीबाग
में स्थित है (और इसे उपाखद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कायालय हजारी-
बाग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 25-5-1979
की पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित भी गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथार्कान सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदृश्य प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए नया पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त स्वतंत्रण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त स्वतंत्रण की अधिनियम के पश्चात कर देने के प्रस्तरक के
समिक्षा में रूपों करने पा उसमें व्यवसे में सुविधा
के लिए; और/या
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोगनायं सम्बन्धित
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रद, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष के अनुसूचण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

- श्री प्रभात कुमार मुखर्जी एवं स्व० विनय कुण्डा
मुखर्जी प्रवधक आई० सी० आई० निवासी पूर्वी मार्ग, बसन्त
बिहार, नई दिल्ली। (अंतरक)
- श्री धीरेंद्र कुमार जैन पुत्र स्व० सुगत चन्द्र जैन
हजारी बाग शहर। (अंतरिती)
- किरायेकारों की सूची:—

गर्जे नं० वर्त-	नाम	होल्डिंग नम्बर
मान शौप रूप		
दुकान कमरा		

(1)	(2)	(3)	(4)
1	"	विजय कुमार गुप्ता	148
2	"	विजय कुमार गुप्ता	149
3	--	सुगत किशोर चन्द्र	150

(1)	(2)	(3)	(4)
4	--	बी० डी० जैयसवाल	151
5	--	मानीक चन्द्र जैन	152
दुकान कमरा नं०	.	.	.
1		जनारघन प्रमाद मोदी	153
3		भगवान अग्रवाल	
		(एम० पी० अग्रवाल)	158
4		कल्याण दत्त अग्रवाल	159
5		मानीक चन्द्र जैन	160
6		उपरोक्त	161
7		टी० भट्टाचार्य	162
8		सरयु ठाकुर	163
9		लक्ष्मी प्रसाद	
		पुत्र द्वारिका साव	164
9(ए)		ब्रजपूल जैन	165
10		सरदार सिंह	166
11		सधन कुमार अंचोट	167
12		लक्ष्मी नारायण केशारा	168
13		ओम प्राण ग्रेडेलवाल	169
14		निर्वल कुमार अंचेलवाल	
15		बोइमद हसीम (मसीद अहमद)	170
16		देवी प्रसाद	171
17		बेला बक्स	173
19		सुरेंद्र रिह	175
20		सर श्रीनी (पहले पीर मोहम्मद)	176
20(ए)		निजामुद्दीन	177

टाइल्स मकान

प्लौट नं० 103 विश्व नाथ प्रसाद।

(वह व्यक्ति जिनके अधिकारों में संगति है)

को यह सूचना यारी दिए रूपांतर सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कायेवादियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रमधन में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तस्मान्द्वयी व्यक्तियों पर
तूबना हो जाओन स 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भातर युक्त
व्यक्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबीहस्ताशरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जीरीन का रकमा 0.22 एकड़ मकान सहित जिसका
होल्डिंग नम्बर 156 वार्ड नं० 15 प्लौट नं० 103, 104,
105 है जो ग्राम हजारी बड़म बाजार हजारी बाग में स्थित
है तथा पूरा रूप से दस्तवेज संख्या 6720 दिनांक 25-5-79
जिला अवर नियन्त्रन पदाधिकारी हजारीबाग में निबेदीन है।

जीरीतन्द्र नाथ
सक्तम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बिहार, पटना

तारीख: 17-10-1979
मोहर:

प्रखण्ड आई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बिहार पटना

पटना, दिनांक 1 जनवरी 1980

निदेश सं० III 368/प्रजन/79-80—अतः, मुझे,
ज्योतिन्द्र नाथ,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-क
के अधीन सशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिवाना उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिवानी सं० रोडिङ नं० 747, मॉहिन नं० 203ी,
बाड नं० 11 एम० एम० प्लौट नं० 621 तौरी नं०
802 थाना नं० 137 है तथा जो कदम कुप्रां कांग्रेस नगर
पटना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के पार्यालय पटना
में रजिस्ट्रीहरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक 19-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तररु (अन्तरकों) के
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों
को, जिसमें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अक्षियों, प्रथात् —

1. श्रीमती फूल कुमारी देवी पटनी स्व० श्री बैजनाथ
प्रसाद सिंह उर्फ नुनु बाबू पुनी स्व० श्री काली चरण सिंह
ग्राम राजीपुर थाना विक्रम जिला पटना बर्तमान कदम
कुप्रां कांग्रेस नगर पटना।
(अन्तररु)

2. श्रीमती शमिष्ठा शर्मा पल्ली श्री हृदय नारायण शर्मा
निवासी 377 विद्युत बिल्डिंग गिरगांव रोड, फस्टफ लोर बंबई-2।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक:

(क) इस सूचना के राजात्र में प्रहाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अक्षियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में नियम ढोनी हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षियों में
ने किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अक्षित द्वारा अधोवस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पूर्ण मकान जो तीन मंजिला है उसका फस्ट पलोर
का सम्पूर्ण किला जो एक कट्टा तेरह घूरके रक्षे में स्थित
है तथा जो कदम कुप्रां कांग्रेस नगर, पटना में स्थित है और
पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 2979 दिनांक 19-5-1979 में
वर्णित है तथा जो जिला ग्रावर निवेशन पदाधिकारी पटना
के द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतिन्द्र नाथ
सकाम प्राधिकारी,
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बिहार, पटना

तारीख 1-1-1980

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंट टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बिहार, पटना
पटना, दिनांक 1 जनवरी 1980

निवेदा सं० III 369/अर्जन/79-80:-अतः, मुझे
ज्योतिन्द्र नाथ,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० होल्डिंग नं० 74ए, सकिल नं० 20 वी
वाँ सं० 11 एम० प्लॉट नं० 621 तौंची नं० 802
थाना 137 है, तथा जो कदम कुश्री कांप्रेस नगर, पटना
में स्थित है (और इससे उपाध्य श्रनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 19-5-1979

को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रमुख भी यहै है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का प्रमुख प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों)
और प्रमुखियों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रमत्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफिल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रमत्तरण
लिखित में दास्ताविल रूप से कवित नहीं किया गया है:-

(क) प्रमत्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में मुश्किल के लिए; और/या

(ख)ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त प्रधिनियम, या
धम-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगमाध्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
मुश्किल के लिए;

लक्षण: उक्त प्रधिनियम की आरा 269-ग के अनुसार
वे, जो, उक्त प्रधिनियम की आरा 269-ष की उपशारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अवृत्ति—

1. श्रीमती फूल कुमारी देवी पत्नि स्व० श्री देव नाथ
प्रवाव सिंह उर्फ नुन बाबू पुत्री स्व० श्री कालीचरण सिंह प्राम
राजीपुर थाना विक्रम जिला पटना वर्तमान कदम कुश्री
कांप्रेस नगर पटना-3। (अन्तरक)

2. श्री बृद्धय नारायण शर्मा पुत्र स्व० श्री कैलाश शर्मा
प्राम विहुटा पोस्ट बिहुड़ा जिला पटना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त व्यक्ति के प्रवृत्त के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त संपत्ति के प्रवृत्त के संबंध में हुई भी प्राप्तेव :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन की प्रबंधि या तस्वीरी अवित्यों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रबंधि जो भी जब वार
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में
से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन भी तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हिल-
बहु किसी भ्रम्य अवित्त द्वारा, अश्रोहस्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संघीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और एवं का, जो उक्त
प्रधिनियम के अडाय 20-क में परि-
मालित वहै, ही अर्थ होता, जो उस प्रधिनियम
में विद्या नया है।

अनुसूची

सम्मुख भकान जो तीन जिला है उसका दूसरा फलोर
का सम्मुख छिता जो एक कट्टा तेरह घूर के रक्के में स्थित
है तथा जो कदम कुश्री कांप्रेस नगर पटना में स्थित है और
पूर्ण रूप से दस्तावेज संब्या 2978 दिनांक 19-5-78
में वर्णित है और जो जिला अवर निवेदन प्राधिकारी
पटना द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतिन्द्र नाथ
सभाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख: 1-1-1980

मोहर:

प्र० प्र० प्र० १०० टी० एन० एंस०—

श्रावकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, महायज्ञ श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बिहार, पटना
पटना, दिनांक 1 जनवरी 1980

निवेद सं० III-370/अर्जन/79-80—ग्रतः, मुझे,
ज्योतिन्द्र नाथ,
श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसमा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट नं० 762 हो० नं० 567/401
(नया) और 316 (पुराना) सं० नं० 6 वार्ड नं० 2 सीट
नं० 31 है तथा तथ्य जो एजीबीसन रोड और न्यू डाक
बंगलो रोड पटना के कोने में स्थित है (और इससे उपाबध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-5-1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य ग्राहितयों
को, जिन्हें भारतीय श्रावकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
भविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रतिशरण में,
म, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

18—456GI/79

1. श्री शमशेर जंग मेहता पिता श्री केशव नाथ मेहता 28,
मदानन्द रोड, कालीघाट, कलकत्ता-26। (अन्तरक)
2. श्री गर्दार अमरीक सिंह पिता स्व० मरदार लाल सिंह
166 पाटनीपुरा कालोनी, पटना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षणात्मकी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20फ में परिभाषित है वही
प्रय॑ होगा जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 2306 वर्ग फीट है जो न्यू डाक
बंगलो रोड और एजीबीसन रोड के कोने पर स्थित है जिस
का मूल्यांकन प्लाट नं० 762, हो० नं० 567/401 (नया)
और 316 (पुराना) सं० नं० 6 वार्ड नं० 2, सीट नं० 31
है तथा जो रजिस्ट्रार और एक्सोरेंस कलकत्ता द्वारा पंजीकृत
दस्तावेज संख्या I-2598 दिनांक 11-5-79 में पूर्ण रूप
में वर्णित है।

ज्योतिन्द्र नाथ
सक्षम प्रशिक्षित
महायकर श्रावकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बिहार, पटना

तारीख: 1-1-1980

मोहर:

प्रूप शाई० टी० एन० एम०-----

आयत्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संदर्भ आयत्र आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलोर

बंगलोर, दिनांक 28 नवम्बर 1979

निर्देश सं० सीआर 62/23952/79-80/एसीक्यू/बी—
अतः मुझे पी० रंगानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 226, है, तथा जो राजामहल विलास एक्सटें-
शन बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय गंधीनगर बंगलूर दस्तावेज सं० 530/79-80
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन ता० 30-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधि-
नियम के प्रतीत नह देते के अन्तरकों के दायित्व
में कमी करने या उपरे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें आयत्र अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रतीतार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
() के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री के० एम० देसीकर वालीवालम तजूर डिस्ट्रिक्ट
(अन्तरक)

2. श्री (1) एम० एल० वाज 2. मिसेज ईवा इ०
वाज देवानारी 226 राज महल विलास एक्सटेंशन
बंगलूर-560006 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेष्टः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामीन में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

संबोधण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
प्रथ्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 530/79-80 ता० 30-5-79]
बर सम्पत्ति सं० 226 तथा जो राजामहल विलास
एक्सटेंशन बंगलूर में है।

पी० रंगानाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलोर

तारीख : 28-11-1979

मोहर :

प्रधन प्राई. डी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संशोधन आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, विनांक 7 दिसंबर 1979

निर्देश सं० सी०आर० 23999/79-80/एसीक्यू/बी—
अतः मुझे पी० रगानाथन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन संशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 59 है तथा जो तीसरा मेन रोड या गोविंदप्पा रोड बसावनगुडी बंगलूर-4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बसावनगुडी बंगलूर दस्तावेज सं० 544/79—80 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 21-5-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे पहले विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गमदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और प्रतिरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त स्थावर सिविल में वास्तुक्रिय रूप से नहिं नहीं किया गया है:—

(क) बस्तरण से तुर्हि किसी प्राव की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्षरक के वाविल्य में कमी करने या उसमें बदले जैसे सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी प्राव या किसी वन या अन्य प्रास्तियों को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाप्तनायं प्रत्यक्षरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नविवित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. 1. श्री सी० एम० रामचन्द्रा राव, (2) श्रीमति सीता बाई (3) श्री सी० आर० वेंकटा राव (4) श्री सी० आर० पी० रगा राव (5) सी० आर० बदरीनाथ (6) सी० आर० गोपीनाथ (7) श्रीमति लालिथा बाई (8) श्री सी० एन० श्रीनिवासन राव (9) श्रीमति पारीमाला (10) कृष्णा कुमार पुत्र सी० एन० श्रीनिवासा राव और (11) कुमारी वीना पुत्री सी० एन० श्रीनिवासा राव पता : क्रमिक सं० 1 और 2 सं० 59 गोविंदप्पा रोड बसावनगुडी बंगलूर क्रमिक सं० 3 से 6 को रेप्रेसेंट कर रहे हैं श्री सी० एम० रामचन्द्र राव, श्री पी० ए० होल्डर (अन्तरक)

2. (1) डी० ए० सपनगीरामा बट्टी (2) श्रीमति टी० एस० यारोजम्मा सं० 109, हसपीटल रोड बंगलूर-52 (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रक्षिप्त बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-यद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विभिन्न में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरण।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा; जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 544 /7980 ता० 21-5-1979] ।

उक्त सम्पत्ति पुराना सं० 10 और नया सं० है 59, तीसरा मेन रोड और अब कहलाता है गोविंदप्पा रोड बसावनगुडी, बंगलूर-4।

पी० रगानाथन
संशम प्राधिकारी
संशोधन आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक: 7-12-1979

मोहर:

प्रध्य प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निर्वेश सं० सी०आर० 62/24091/79-80/ए० बग०/
भी—अतः मुझे पी० रंगानाथन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के प्रधीन सम्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० 239 है तथा जो बिश्वमंगला लेओट, सिविल
स्टेशन बेंगलूरु में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय,
शिवार्जीनगर बंगलूरु में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) अधीन ता० 12-6-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया
प्रतिफल-निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के प्रधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने पा उससे बचने में
मुविष्ठा के लिए; पौर/पा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या गम्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या छन्न-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तर्राष्ट्रीय द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, उसमें
में मुविष्ठा के बिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुशरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की
उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ले० क० दुग्धिवास बांनर्जी नं० 2/ए रायिल ब्रोज
लेन कलकत्ता-5 रिप्रेजेंट कर रहे हैं उनके पी० ए० होल्डर
श्री सी० रामस्वामी ब्रैंगंगार (अन्तरक)

2. कप्तान के० एस० श्रीकान्त न० 189, दसवाँ
क्रास विलसनगारडेन बेंगलूरु रेप्रेजेंट कर रहे हैं उनके पी० ए०
होल्डर डा० एस० राया (अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घावेप :—

(क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी गम्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताकारी के पास
निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुख शब्दों प्रौढ़ पदों का, जो उक्त
अधिनियम के गम्याय 20-क में
परिभाषित है, वही पर्यंत होगा, जो उस गम्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज न० 484/79-80 ता० 12-6-1979)
खाली जगह सं० 239, तथा जो बिश्वमंगला लेओट
बेंगलूरु में स्थित है।
परिमिती

पू—प—70 फूट

उ—द—100 फूट

पूरा क्षेत्र—650. 32 अदर फीटर

षकबन्दी

पू—ग्रासी फूट सड़क

प—जगह सं० 236

उ—जगह सं० 240

द—जगह सं० 238

पी० रंगानाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूरु ।

तारीख : 11-12-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. दी. एम. एस.---
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 दिसम्बर 1979

निर्देश सं. सी० आर० 62/23967/79—80/एस्कू०/
बी—अतः मुझे पी० रानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं. 91, है तथा जो ननदीदुर्गा रोड, बंगलूर-6,
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसन्धी में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधी-
नगर बंगलूर-6, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) अधीन 30-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकरण के लिये प्रमाणित को गई है और मुझे वह विश्वास करने
का कारण है कि वसापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्ते
दृश्यमान प्रतिकरण से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकरण का पद्धति प्रतिशत से
प्राप्ति है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया जाया प्रतिकाल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक कम से कमित नहीं
किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी के ने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और, या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनावर
अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

अतः यदि, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व के अन्तरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, वर्णित :-

1. श्री श्री० पी० शीवन पुत्र लेट एम० पी० बस्सपा
सं. 91, ननदीदुर्गा रोड बंगलूर-6 (अन्तरक)
2. श्री सी० वी० नरासिम्हन पुत्र लेट श्री सी० एस०
वेंकटासवमी नायडू सं. 91 ननदीदुर्गा रोड बंगलूर-6 (अन्तरिक्षी)

उक्त सम्पत्ति के प्रदंत के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवधियों पर सूचना
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से
किसी अधिकता द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय
किसी अन्य अधिकता द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निखित में किये जा भएंगे।

प्रब्लेम :—इसमें प्रयुक्त शब्दों योर पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही पर्यंत होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अमृसूची

(वस्तावेज सं. 681/79-80 ता० 30-5-1979) घर
सम्पत्ति मुनसीपल सं. 91 ननदीदुर्गा रोड बंगलूर-6
ननदीदुर्गा रोड

चक्रबन्दी
पू—निजी सम्पत्ति
प—निजी सम्पत्ति
उ—निजसम्पत्ति
द—साइट सं. 90

पी० रानाथन
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 22-12-1979

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—————
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 विसम्बर 1979

निर्देश सं० सी० आर० 62/24001/79-80/ए० क्य०/
 बी—ग्रतः मुझे पी० रंगनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
 के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० 60, है तथा जो दूसरे कास, खलासीपालयम
 नियो लेआ॒ट बैंगलूर-2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
 अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
 अधिकारी के कार्यालय, बसावनगुडी बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन
 ता० 21-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
 गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-
 नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
 कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
 में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
 ग्रन्थी। निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्थीतः

1. श्री एस० डी० सेश्या बाप का नाम एस० डी०
 श्रीनिवासन्धा सं० 7, पारक वियो सौत पब्लिक स्कूल रोड
 बसावनगुडी बैंगलूर-4
 (अन्तरक)

2. श्रीमति एम० अमीर अनन्तीसा बेगम सं० 8 (अपस्टे-
 रस) घोषा कास, सादर पतरपा रोड, कुमबारपेट बैंगलूर-2
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितवद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

टप्पटीकरण:—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
 नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
 अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 557/79—80 ता० 21-5-1979)
 घर सम्पत्ति सं० 60 तथा जो दूसरे कास खलासीपालयम
 नियो लेआ॒ट, बैंगलूर-2।

चकवन्दी:—

उ—निजी सम्पत्ति

द—दूसरा कास

पू—प्रमिसस सं० 61

पष—निजी सम्पत्ति

पी० रंगनाथन
 सभी प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 22-12-1979

मोहर:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० सी० आर० 62/24002/79—80/ए०सी०
क्यू/बी—अतः मुझे पी० रंगानाथन

आयकर अधिनियम, 1962 (1962 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 61 है तथा जो दूसरा क्रास खलासीपालयम नियो लेओट बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बसायनगुडी, बंगलोर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 21-5-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय वे वावप उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी किसी आया या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—

1. श्री एस० डी० एस० सेशेम्पा पुत्र श्री एस० डी० श्रीनिवासव्या सं० 7 पारक विधू, सांत पल्लिक स्कूलर रोड, बसायनगुडी बंगलूर-4 (अन्तरक)

2. श्री एम० बी० हबीबुर राहमान सं० 61 दूसरा क्रास खलासीपालयम नियोज लेओट बंगलूर (अन्तरित)

3. 1. सव्यद अली (2) मधूनाता शट (वह व्यक्ति, जिसके अधिभेग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधिश्व, जो श्री अवधिबदा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वाले किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और मर्दों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 558/79-80 ता० 21-5-179)
घर सम्पत्ति सं० 61, दूसरा क्रास खलासी पालयम नियो लेओट बंगलूर-2 ।

चक्रबन्धी :—

उ—निजी सम्पत्ति

द—दूसरा क्रास

पू—निजी सम्पत्ति

प—सम्पत्ति सं० 60

पी० रंगानाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 22-12-1979

मोहर :

प्रलूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

ग्राहक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 दिसम्बर 1979

निवेश सं० सी० आर० 62/24876/79—80/ए०सी०
क्यू/बी—प्रतः मुझे, पी० रंगानाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 212 है, तथा जो सूबेदार छतरम रोड, सेशादीपूरम, बंगलूर-10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) अधीन ता० 14-8-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) के० वी० नारायण सं० 15, वेस्ट पारक रोड मलेश्वरम, बंगलूर (2) के० वी० रामचंद्रन सं० 5, 'शीवाकार्मा ईस्ट लिंक रोड मलेश्वरम (सी० स्ट्रीट) बंगलूर (3) वी० सदासीवम सं० 98 "कस्तूरी हौस" तेरवां कास, छठवां मेन, मलेश्वरम (4) के० वी० कृष्णमूर्ति छठवां मेन, मलेश्वरम बंगलूर-3 (अन्तरक)

2. (1) श्री डी० के० रामचंद्रा सं० 181 ब्लेपेट बंगलूर (2) के० पुढु राव सं० 58 रामकृष्णा पुरम, अन्नम्मा टेम्पल एक्सटेंशन बंगलूर-9 (अन्तरिती)

3. (1) अलताफ जुबीली रेडियो हौस (2) कपोटल हेर डरससररस (3) फोटो स्टुडियो (4) सावीता स्टोरस (5) फरन्डस टैलरस (6) के० एन० मूरती (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्प्रभन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जोकी अवधिबाद में समाप्त होती हो, क भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1565/79-80 ता० 14-8-79)

घर सम्पत्ति सं० 212, तथा जो सूबेदार छतरम रोड बंगलूर-20 में है।

चक्रबन्दी :—

पूः नारीदासाखू की सम्पत्ति

प : सूबेदार छतरम रोड

उ : राधा स्तो सम्पत्ति

द : डी० वी० नारायणनास्वामी अर्हर सम्पत्ति

पी० रंगानाथन
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 21-12-1979

मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

(ADMN. BRANCH I)

New Delhi, the 19th January 1980

No. F. 6/80-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Shri Ved Prakash Sharma, Private Secretary to Hon'ble Judge to officiate as Assistant Registrar with effect from the forenoon of January 18, 1980, until further orders.

MAHESH PRASAD
Deputy Registrar (Admn. J.)
Supreme Court of India

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
New Delhi-110011, the 22nd December 1979

No. A. 12019/1/75-Admn. II.—The Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints the following Superintendents (Holl.) in the office of the Union Public Service Commission to officiate on an *ad hoc* basis as Assistant Controller (D.P.) in the Commission's office for the period from 1-12-1979 to 29-2-1980, or until further orders, whichever is earlier :—

1. Shri J. L. Kapur,
2. Miss Santosh Handa.

No. A. 12019/2/78-Admn. II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following permanent Research Assistants (Hindi) of this office to officiate on an *ad hoc* basis as Junior Research Officer (Hindi) for the period from 3-12-1979 to 29-2-1980, or until further orders, whichever is earlier :

1. Smt. Sudha Bhargava
2. Shri Chand Kiran
3. Shri J. N. S. Tyagi.

No. A. 32016/2/78-Admn. II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri Ram Singh, a permanent Research Assistant (R&S) and officiating Research Investigator in the office of Union Public Service Commission to officiate on an *ad hoc* basis as Junior Research Officer (R&S) in the Commission's office for the period from 3-12-1979 to 29-2-1980, or until further orders, whichever is earlier, *vice* Smt. Raj Kumari Anand, Junior Research Officer (R&S) granted leave.

The 24th December 1979

No. A. 31013/1/79-Admn. II.—In supersession of this office notification of even number dated 7-12-1979, Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints substantively, Shri M. P. Guha, a permanent officer of the West Bengal Agricultural Service (Administrative) and officiating as Senior Research Officer (Bengali) in the office of the Union Public Service Commission since 17-11-1969 to the same post viz., Senior Research Officer (Bengali) w.e.f. 28-8-1979.

S. BALACHANDRAN
Under Secy.
for Chairman

New Delhi-11, the 22nd December 1979

No. A. 32013/3/79-Admn. I.—In continuation of Union Public Service Commission Notification of even No. dated 27-11-1979, the President is pleased to continue the appointment of Smt. Veena Maitra, an officer of the Military Lands and Cantonments Service as Deputy Secretary in the office of the UPSC for a further period from 24th November, 1979 until further orders.

The 4th January 1980

No. P/271-Admn. I.—In continuation of Union Public Service Commission notifications of even No. dated 15-3-79 and 17-9-79, the re-employment of Shri S. P. Chakravarty beyond superannuation in the post of Officer on Special Duty 19—456GI/79

(Confidential) in the office of Union Public Service Commission has been continued further from 1-1-80 to 31-3-80, with the conurrence of the Ministry of Home Affairs Department of Personnel & Administrative Reforms *vide* their letter No. 39017/16/79-Fatt. (B) dated 24-12-79.

The 14th January 1980

No. A. 32013/1/79-Admn. I(i).—The President is pleased to appoint the following officers in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Under Secretaries on *ad hoc* basis in Grade I of the Central Secretariat Service for the period shown against each, or until further orders, whichever is earlier :

S. No., Name & Period

S/Shri

1. B. B. Mehra, Grade A Officer of CSSS from 22-10-79 to 21-1-1980.
2. B. S. Kapur, Section Officer from 13-10-79 to 12-1-1980
3. R. N. Khurana, Section Officer from 21-11-79 to 20-2-1980
4. J. P. Goel, Section Officer from 3-12-79 to 29-2-1980
5. M. A. Ganapathy Ram, Grade A Officer of CSSS from 5-11-79 to 20-12-79

No. A. 32013/1/79-Admn. I (ii).—The President is pleased to appoint the following officers in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Under Secretaries on *ad hoc* basis in Grade I of the Central Secretariat Service for the period shown against each, or until further orders, whichever is earlier :—

S. No.	Name	Period
	S/Shri	
1.	P.C. Mathur, Section Officer	from 23-10-79 to 22-1-80
2.	T. M. Kokel, Grade A Officer of CSSS	from 24-11-79 to 24-12-79
3.	S. Srinivasan, Section Officer	from 24-11-79 to 2-1-80
4.	D. P. Roy, Section Officer	from 6-11-79 to 26-12-79

S. BALACHANDRAN, Under Secy.
Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 21st January 1980

No. 10 RCT 3.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri J. K. Wadehra, Executive Engineer of the Central Public Works Department, in an officiating capacity, with effect from 14-1-1980 (AN), until further orders.

K. L. MALHOTRA
Under Secy.
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL, C.B.I.

New Delhi, the 21st January 1980

No. A-2/69-Ad-V.—Shri A. V. Gopalakrishnan, an Officer of Tamil Nadu Government has relinquished the Office of Senior Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation at Madras on the afternoon of 31-12-79 on his repatriation to his present Department.

No. G-3/71-Ad-V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri G. R. Srinivasan, Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation, O.O.W. Madras on promotion as Senior Public Prosecutor in the Central Bureau of Investigation on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 2-1-80 and until further orders.

The 28th January 1980

No. R-93/66-Ad. V.—The President is pleased to appoint Shri R. K. Shukla, an officer of Maharashtra Police Service, to officiate as Superintendent of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment with effect from the forenoon of 25th October, 1979, and until further orders.

Q. L. GROVER
Administrative Officer (E)
C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 22nd January 1980

No. P. VII-2/79-Estt.—Shri Gian Chand Sharma, Office Suptd. of the C.R.P.F. is promoted to the grade of Section Officer on purely *ad hoc* basis in the Directorate General, C.R.P.F., New Delhi w.e.f. 7-1-1980 (F.N.).

B. K. KARKRA
Asstt. Director (Adm.)

DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 19th January 1980

No. B(73)/AII.—The Director of Printing is pleased to appoint Capt. T. K. Balakrishnan to officiate as Security Officer in the Govt. of India Press, Publication Unit, Santragachi, Howrah in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, with effect from the forenoon of 24th December, 1979, until further orders.

M. M. JOSHI
Deputy Director (Adm.)

MINISTRY OF FINANCE

DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 22nd January 1980

No. BNP/C/5/79.—In continuation to this Department's Notification of even number dated 1-12-79 the appointment of Shri N. G. Kibe as Accounts Officer in Bank Note Press, Dewas is extended for a further period upto 31-3-1980 on the existing terms & conditions.

P. S. SHIVARAM
General Manager

COMMISSION ON PUBLIC EXPENDITURE

New Delhi, the 13th January 1980

No. 1(3)-A/CPE/79.—The President is pleased to appoint Shri K. H. Ramanathan, a retired Deputy Secretary of the Planning Commission as Senior Research Officer in the Commission on Public Expenditure under the Ministry of Finance, Department of Expenditure with effect from the forenoon of 28th December, 1979 to 31st May, 1980.

The 28th January 1980

No. 1(3)-A(5)/CPE/80.—On his having been selected as Private Secretary to the Minister of Finance, Shri K. H. Ramanathan, Senior Research Officer in the Commission on Public Expenditure is struck off the strength of the Commission with effect from the forenoon of 14th January, 1980.

J. N. KAUL
Under Secy. (A)

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT

**OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR
GENERAL OF INDIA**

New Delhi-110002, the 29th January 1980

No. 191/CAI/24-70.—On his attaining the age of superannuation Shri B. D. Sharma, Audit Officer (Commercial) serving in the Office of Member of Audit Board & Ex-Officio

Director of Commercial Audit, New Delhi has retired from service w.e.f. 31-12-1979 (A.N.).

M. S. GROVER
Deputy Director (Commercial)

**OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
CENTRAL REVENUES**
New Delhi-2, the 22nd January 1980

No. Admn. I/O-O-556/3-12/79-80/2072.—The Director of Audit hereby appoints substantively, the following officiating Audit Officers of this office, against the permanent posts of Audit Officers, in the time scale of Rs. 840—1200, from the dates shown against them:

Name	Date of Confirmation As A.O.	Seniority as per gradation list as on 1-3-79
1. Shri S.K. Jain	1-6-75	Ranks below Shri K. L. Dhall, A. O. (S. No. 16-P. 3).
2. Shri C. P. Khanna	1-8-76	Ranks below Shri H.S. Rekhi, A. O. (S. No. 17-P. 3).
3. Shri N.V. Bansil	1-7-77	Ranks below Shri B.P. Jain, A. O. (S. No. 13-P. 5).
4. Shri F.C. Goel	14-6-79	Ranks below Shri D.D. Guglani, A. O. (S. No. 28-P. 6).

Sd/- Illegible
Joint Director of Audit (Admn.)

THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 22nd January 1980

No. Admn. I/8.132/79-80/318.—Shri S. Rama Swamy Accounts Officer, Office of the Accountant General-II, Andhra Pradesh, Hyderabad, has retired from service with effect from 31-12-79 AN.

R. HARIHARAN
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
KARNATAKA**

Bangalore, the 23rd January 1980

No. ES. I/A4/79-80/929.—The Accountant General is pleased to promote the following permanent Section Officers to officiate as Accounts Officers in a purely temporary capacity until further orders, without prejudice to the claims of their seniors, if any, with effect from the date of their taking charge :—

S/Shri

- 1. B. SHIVARAMAIAH
- 2. R. N. INAMDAR.

The promotions are subject to the ultimate results of Writ Petition No. 4367 of 1978 filed in the Supreme Court.

M. A. SOUNDARARAJAN
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
UTTAR PRADESH-I**

Allahabad, the 10th January 1980

No. Admn. I/11-144(XV)/322.—The Accountant General, U.P.-I, Allahabad has appointed the following Section Officers

to officiate as Accounts Officer in this office until further orders with effect from the dates noted against each:

S/Shri	
1. Chandra Prakash Srivastava	31-12-79 A.N.
2. Rai Baghbambri Prasad	31-12-79 F.N.
3. Shyam Sunder Singh	1-1-80 F.N.
4. Prabhu Narain Srivastava	31-12-79 A.N.
5. Tulsi Ram Agarwal	31-12-79 A.N.
6. Krishan Lal Bhola	31-12-79 A.N.
7. Ram Kishore Mehra	31-12-79 A.N.

S. M. DUTTA

Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE C.D.A.

CENTRAL COMMAND,

Meerut, the 18th January 1980

No. AN/X-14/Comp/CZ/59.—In pursuance of sub-rule (I) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965, I hereby give notice to Shri Radhey Shyam, Temporary Clerk, Account No. 8313002, serving in the office of the Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut, that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is published or, as the case may be, tendered to him.

B. N. RALLAN

Controller of Defence Accounts
Central Command, Meerut

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 18th January 1980

No. 18342/AN-1 (Level-II)/78.—The President is pleased to appoint the following officers of the Indian Defence Accounts Service to officiate in Level II of the Senior Administrative Grade (Rs. 2250-125/2-2500) of that service, on *ad hoc* basis for one year, or till regular arrangements are made, whichever is earlier, with effect from the dates shown against them:—

Sl. No., Name of the officer & Date from which appointed.

1. Shri B. N. RALLAN	11-12-79 (FN)
2. Shri R. N. TYAGI	12-11-79 (FN)
3. Shri K. P. RAO	03-12-79 (FN)

The 22nd January 1980

No. 71019(11)/79/AN-1.—On the basis of the results of the Combined Competitive Examination held by the Union Public Service Commission in 1978, the President is pleased to appoint the following individuals as Probationers in the Indian Defence Accounts Service with effect from the dates shown against them:—

Sl. No., Name & Date of appointment

1. Shri RAJESHWAR KUMAR ANAND	12-07-79 (FN)
2. Shri SATYA NARAYAN MISRA	21-11-79 (FN)
3. Shri SATISH KUMAR DOGRA	19-12-79 (FN)
4. Shri ARVIND RANA	12-12-79 (FN)
5. Shri SHYAMLAL SINGLA	12-07-79 (FN)
6. Kum. RANJANA GANGULY	19-11-79 (FN)
7. Kum. SHOBHANA TEWARI	17-11-79 (FN)
8. Shri TRILOK CHAND MAURYA	14-07-79 (FN)
9. Shri PARAS RAM	13-11-79 (FN)
10. Shri PREM LAL	12-11-79 (FN)
11. Shri PRABHU DAYAL MINA	24-11-79 (FN)

K. P. RAO

Addl. Controller General of Defence Accounts
(AN)

MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES
(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 28th January 1980

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 1/2/79-Admn. (G)/541.—The President is pleased to appoint Kumari P. Srivastava, a permanent officer of the Section Officer's Grade of the CSS to officiate in Grade I of that Service for the period from 23-8-1979 to 29-2-1980 or till a regular officer joins, whichever is earlier.

2. The President is also pleased to appoint Kumari P. Srivastava as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi for the aforesaid period.

C. S. ARYA

Dy. Chief Controller of Imports and Exports
for Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 16th January 1980

No. 12/666/70-Admn. (G).—Consequent upon his appointment as Special Officer (Planning Cell) of the District Industries Centre in the Govt. of Orissa, Shri B. K. Mohapatra, Deputy Director (Economic Investigation), Small Industries Service Institute, Cuttack relinquished charge of his post with effect from the afternoon of 31st December, 1979.

No. A-19018(399)/79-Admn. (G).—The President is pleased to accept the resignation of Shri P. N. Maji from the post of Assistant Director (Gr. I) (Chemical) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) with effect from the forenoon of 31st December, 1979.

M. P. GUPTA

Deputy Director (Admn.)

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 28th January 1980

No. EST. I.2(700)/266.—Shri C. R. Bose, Assistant Director Gr. II (NT) in the office of the Textile Commissioner, Bombay has retired from service from the afternoon of 31st December, 1979 on attaining the age of superannuation.

J. C. HANSDAK
Deputy Director (Admn.)

Bombay-20, the 29th January 1980

No. EST. I.2(704)/277.—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of 10th September, 1979 and until further orders, Shri M. W. Chemburkar, a Grade I Officer of I.E.S., as Joint Textile Commissioner (Economics) in the Office of the Textile Commissioner, Bombay.

No. EST. I.2(452)/283.—The President is pleased to appoint Shri M. Madurai Nayagam, Adviser (Cotton) as Additional Textile Commissioner in the Office of the Textile Commissioner, Bombay, with effect from the forenoon of the 26th September, 1979, and until further orders.

No. EST. I.2(333)/288.—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 28th September, 1979, and until further orders, Shri H. Ramakrishna Rao,

Director in the Office of the Textile Commissioner, Bombay, as Industrial Adviser and Ex-officio Joint Textile Commissioner in the same office.

N M. C. SUBARNA
Textile Commissioner

**DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)**

New Delhi-1, the 16th January 1980

No. A-1/1(1109).—Shri R. P. Bhattacharya, Offg. Asstt. Director (Admn.) (Gr. II) in the office of the Director of Supplies & Disposals, Calcutta retired from Government service with effect from the afternoon of 31st December, 1979 on attaining the age of superannuation (58 years).

The 24th January 1980

No. A-1/42(34).—The President is pleased to appoint Shri J. C. Bhandari, permanent Director (Grade I of the Indian Supply Service) and officiating Addl. Director General, super-time scale post in the Indian Supply Service, substantively to the permanent post of Deputy Director General, super-time scale post in the Indian Supply Service in the Director General of Supplies & Disposals, New Delhi, with effect from 1-5-79.

No. A-1/1(1054).—On his reversion to the post of Junior Progress Officer, Shri Dev Raj, officiating Assistant Director (Gr. II) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi, relinquished charge of his post on the afternoon of 11-1-80.

No. A-1/1(1086).—The President is pleased to accept the resignation of Shri N. K. Mathur, Assistant Director (Grade I) (Grade III of the Indian Supply Service) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the afternoon of 31-12-79. Accordingly, Shri N. K. Mathur ceased to be on the rolls of this Directorate General with effect from the afternoon of 31-12-1979.

No. A-1/1(1147)/80.—The President is pleased to appoint Shri Sushil Kumar Agrawal, candidate nominated by the Union Public Service Commission on the result of Engineering Services Examination, 1978 as Assistant Director (Grade I) (Training Reserve) (Grade III of the Indian Supply Service, Group 'A') with effect from the forenoon of 1-1-80.

The 25th January 1980

No. A-1/1(1050).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri S. Nagarajan, Junior Progress Officer to officiate on *ad hoc* basis as Assistant Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay with effect from the forenoon of 11-1-80.

The promotion of Shri S. Nagarajan as Assistant Director (Grade II) is purely temporary and on *ad hoc* basis without prejudice to the rights of officers, otherwise senior to him and will not confer on him any right whatsoever to claim promotion in future on the ground of present officiating arrangements.

No. A-1/1(1149).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri B. C. Mukherjee, Junior Field Officer (Lit.) in the office of Director of Supplies & Disposals, Calcutta to officiate on *ad hoc* basis as Assistant Director (Lit.) (Gr. I) in the same office with effect from the afternoon of 8-1-80.

The appointment of Shri Mukherjee as Assistant Director (Lit.) (Gr. I) is purely temporary and on *ad hoc* basis without prejudice to the rights of officers, otherwise senior to him and will not confer on him any right to claim promotion in future on the ground of present officiating arrangements.

The 29th January 1980

No. A-1/42(34).—The President is pleased to appoint Shri B. R. R. Iyengar, permanent Director (Grade I of the Indian Supply Service) and officiating Deputy Director General, super-time scale post in the Indian Supply Service, substantively to the permanent post of Deputy Director General, super-time scale post in the Indian Supply Service in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi, with effect from 1-10-78.

The 21st January 1980

(ADMN. SECTION A-6)

No. A-17011/44/72-A6.—Shri B. P. Chakraborty, a permanent Examiner of Stores (Textiles) and officiating Asstt. Inspecting Officer (Textiles) in the office of Director of Inspection, Calcutta retired from Service w.e.f. 31-12-79 (AN) on attaining the age of superannuation.

The 23rd January 1980

No. A-17011/157/79-A6.—On his selection by U.P.S.C., the President has been pleased to appoint Shri D. C. Das, Assistant Director (Grade II) in the office of the Textile Commissioner, Bombay to officiate as Inspecting Officer (Tex) (Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A', Textile Branch) in the office of Director of Inspection, Bombay, w.e.f. 1-1-1980 (FN) and until further orders.

K. KISHORE
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals

**ISPAT, KHAN AUR KOYLA MANTRALAYA
(KHAN VIBHAG)**

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 24th January 1980

No. 729B A-19012(ACAO-SRC)/79-19A.—Shri Sukha Ranjan Chakraborty, Cost Accountant (*Ad hoc*) Geological Survey of India is appointed as an Assistant Cost Accounts Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 5th November, 1979, until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY
Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 19th January 1980

No. A.19012(119)79-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri K. T. Louis, Senior Technical Assistant (Ore Dressing) is appointed to the post of Assistant Research Officer (Ore Dressing) in Indian Bureau of Mines in the officiating capacity with effect from the forenoon of 29th December, 1979, until further orders.

The 22nd January 1980

No. A.19011(263)/80-Estt.A.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee, the following permanent Assistant Mining Engineers have been promoted to the post of Assistant Controller of Mines in Indian Bureau of Mines from the dates mentioned against each :—

1. Shri K. S. Krishnamurthy—14-12-79 (A.N.).
2. Shri K. M. Prahlad—12-12-79 (A.N.).
3. Shri C. Aswathnarayan—14-12-79 (A.N.).
4. Shri R. Radhakrishnan—16-12-79 (F.N.).

S. BALAGOPAL
Head of Office

**DEPARTMENT OF COAL
COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION**

Dhanbad, the January 1980

No. Adm.12(1)79.—Shri A. N. Gupta, a permanent Jr. Engineer (Elect) Coal Mines Labour Welfare Organisation is hereby promoted as Asstt. Engineer (Elect) w.e.f. 10-12-1979 (F/N) and posted in Coal Mines Welfare Works Division No. I, Dhanbad.

T. C. K. LOTHIA
Coal Mines Welfare Commissioner
Dhanbad

DIRECTORATE GENERAL : DOORDARSHAN

New Delhi, the 22nd January 1980

No. A-19012/6/79-SII.—Director General, Doordarshan is pleased to appoint Shri A. K. Chakravarty, previously working as Administrative Officer at All India Radio, Allahabad as Administrative Officer (Senior) at Doordarshan Kendra, Lucknow in the scale of Rs. 650-1200 with effect from 29-1-79 (A.N.).

2. On attaining the age of superannuation, Shri A. K. Chakravarty, an officer of the cadre of Administrative Officer (Senior) at Doordarshan Kendra, Lucknow retired from Government service with effect from the afternoon of the 31st January 1979.

C. L. ARYA,
Dy. Director of Admin.
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
FILMS DIVISION

Bombay-26, the 21st January 1980

No. A-19012/1/80-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, hereby appoints Shri N. T. Borse, an Inspector of Post Offices, in the Office of the Post-master General, Bombay as Welfare Officer in the films Division at Bombay from 5th January, 1980 on deputation basis.

N. N. SHARMA,
Asstt. Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE OF ADVERTISING AND
VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 21st January 1980

No. A-35021/1/77-Estt.—The resignation of Shri G. K. Guglani, a permanent Senior Artist, on deputation to International Crops Research Institute for the Semi-Arid Tropics, Hyderabad, from the post of Senior Artist in this Directorate is hereby accepted with effect from 16th May, 1979.

J. R. LJKHI,
Deputy Director (Admn.)
for Director of Advertising and Visual
Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES
(STORE I SECTION)

New Delhi, the 22nd January 1980

No. A.12025/2/79-SI.—The President is pleased to appoint Shri Sumir Chowdhury, Factory Manager, to the post of Deputy Assistant Director General (Medical Store) in the Government Medical Store Depot Hyderabad on an *ad hoc* basis for a period of six months with effect from the forenoon of the 27th Dec., 79.

SHIV DAYAL,
Dy. Director Administration (ST)

New Delhi, the 22nd January 1980

No. A.12025/18/79(FRSL)Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Vijay Kumar Dhingra, Junior Analyst, Food Research and Standardisation Laboratory, Ghaziabad, to the post of Senior Analyst at the same laboratory, with effect from the afternoon of the 28th December, 1979 on a temporary basis and until further orders.

Consequent on his appointment as Senior Analyst, Food Research and Standardisation Laboratory, Ghaziabad, Shri Vijay Kumar Dhingra relinquished charge of the post of Junior Analyst in the Laboratory on the 28th December 1979 (A.N.).

The 25th January 1980

No. A.12023/2/79-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri C. Vittal to the post of Administrative Officer at B.C.G. Vaccine Laboratory Guindy, Madras, with effect from the afternoon of 28th December, 1979, in a temporary capacity and until further orders.

S. L. KUTHIALA,
Deputy Director Administration (O&M)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 28th January 1980

No. A.19025/34/79-A.III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), the under-mentioned Senior Inspectors have been appointed to officiate as Assistant Marketing Officers (Group I) in this Directorate at the stations and with effect from the dates mentioned against each, until further orders :—

1. Shri P. Suryanarayana Murthy, 31-12-79 (FN) at Guntur.
2. Shri K. Rama Rao, 4-1-80 (FN) at Chilakalurpet.
3. Shri E. Mohan Naidu, 28-12-79 (FN) at Madras.
4. Shri K. M. Narayana Murthy, 2-1-80 (FN) at Bangalore.
5. Shri A. M. Gopinath, 2-1-80 (FN) at Surat.
6. Shri Madan Lal Meena, 29-12-79 (FN) at Amritsar.
7. Shri R. P. Jaiswal, 2-1-80 (FN) at Bombay.
8. Shri M. J. Davis, 2-1-80 (FN) at Madras.
9. Shri K. M. Balakrishnan, 2-1-80 (FN) at Bodinay-Kanpur.
10. Shri S. C. Halder, 29-12-79 (FN) at Calcutta.
11. Shri H. N. Singh, 2-1-80 (FN) at Patna.

The 29th January 1980

No. A-19024/6/78-A.III.—Consequent on his promotion to the post of Assistant Director (General Chemistry) in this Directorate at Nagpur, Shri B. A. Sarnobat handed over charge of the post of Chief Chemist at Bombay in the afternoon of 17th December, 1979.

B. L. MANIHAR,
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

Bhabha Atomic Research Centre
PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 16th January 1980

No. PA/61(13)/79-R-IV.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Palakkaparambil Velandy Narayanan, a Sub-Officer in the Bhabha Atomic Research Centre as Station Officer on an *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of January 4, 1980 until further orders.

A. S. DIKSHIT,
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 4th January 1980

No. DPS/2/1(8)/79-Adm/30.—On transfer from the Reactor Research Centre, Kalpakkam, Shri T. S. V. Aiyar, a permanent Assistant Personnel Officer and officiating Administrative Officer II, has been appointed in the Madras Regional Purchase Unit of the Directorate of Purchase and Stores with effect from the forenoon of November 30, 1979 in the same capacity until further orders.

K. P. JOSEPH,
Administrative Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 25th January 1980

Ref. No. 05000/J-6/462.—Shri Jawahar Lal Jain, a temporary Stenographer (Senior) of Heavy Water Project (Kota) is appointed as an Assistant Personnel Officer in Heavy Water Projects (Central Office), w.e.f. January 9, 1980 (F.N.) until further orders.

K. SANKARANARAYANAN,
Senior Administrative Officer
for Officer-on-Special Duty

DEPARTMENT OF SPACE

CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560025, the 14th January 1980

No. 10/5(15)/79-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space is pleased to promote Shri Arvind Madhav Kolge, Technical Assistant-C of the Civil Engineering Division of Space working at present in the Engineering Maintenance Division of Space Applications Centre Ahmedabad to the post of Engineer-SB with effect from the forenoon of 1st October, 1979 in an officiating capacity and until further orders and has been posted to work in the same Division.

H. S. RAMA DAS,
Administrative Officer-J

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 17th January 1980

No. A-32013/17/78-E.A.—The President has been pleased to appoint Shri H. C. Malik, Asstt. Aerodrome Officer to the grade of Aerodrome Officer, on purely *ad-hoc* basis, for a period of six months with effect from the 9th January, 1980 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier. Shri Malik is posted at Civil Aerodrome, Amritsar.

V. V. JOHRI,
Asstt. Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 17th January 1980

No. 32014/17/79-E.A.—The Director General of Civil Aviation has been pleased to appoint the following Aerodrome Assts. to the grade of Asstt. Aerodrome Officer on *ad-hoc* basis with effect from the 17th September, 1979 and until further orders :—

S. No. Name Station of posting

1. Shri Dharam Pal, Delhi Airport, Palam.
2. Shri M. M. Bhardwaj, Delhi Airport, Palam.

V. V. JOHRI,
Asstt. Director of Administration

New Delhi, the 21st January 1980

No. A. 32014/4/79-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following three Communication Assistants to the grade of Asstt. Communication Officer on *ad-hoc* basis with effect from the date and station indicated against each:—

S. No.	Name	Present station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1	2	3	4	5
S/Shri				
1.	J.S. Augustus	C.A.T.C., Allahabad	ACS, Madras	12-12-79 (F.N.)

1	2	3	4	5
S/Shri				
2.	R. Venkateswarlu	A.C.S., Gauhati	ACS, Gauhati	22-12-79 (F.N.)
3.	M. Natarajan	A.C.S., Porbander	ACS, Nagpur	22-12-79 (F.N.)

No. A. 38012/1/79-EC.—The undermentioned two Officers of Aeronautical Communication Organisation of the CAD relinquished charge of office on retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation on the date and at the station indicated against each:—

S. No.	Name & Desig.	Station of posting	Date of retirement
1.	Shri K.G. Raghavan Asstt. Tech. Officer	Aero. Comm. Station Trivandrum	31-12-79 (AN)
2.	Shri Dalip Singh Asstt. Comm. Officer	Aero. Comm. Station New Delhi	31-12-79 (AN)

JR. N. DAS
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 23rd January 1980

No. A-12025/3/71-EI.—In continuation of this office Notification No. A-12025/3/71-EI, dated 5th July, 1979, the Director General of Civil Aviation is pleased to sanction continued *ad-hoc* appointment of Shri K. K. Sharma, to the post of Hindi Officer, in the Civil Aviation Department, beyond 31-12-1979 for a period of six months or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

C. K. VATSA,
Assistant Director of Administration

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Guntur-522004, the 19th January 1980

No. IV/16/46/79-Adj.—Please refer to Board's letter F.No. 207/43/79-CX. 6, dated the 23rd October, 1979, a copy of which was endorsed to you.

2. The names and other particulars of persons convicted or punished in Departmental proceedings under the Central Excises & Salt Act, 1944 and the rules framed thereunder are furnished hereunder for publication in Part-III, Section-I of the Gazette of India:—

(a) Persons who have been convicted by courts under Section 9 of the Act.

Name & Address of the person	C.C. No.	Particulars of conviction
S/Shri		
1. T. Chinniah, L. 5 No. 2/78, Bobbili	109/75	To pay Rs. 50/- or to undergo month S.I.
2. M. Satyanaraina, L. 5 No. 2/78, Bobbili	108/75	Do.
3. B. V. Ramana, L. 5 No. 2/78 Bobbili	110/75	Do.
4. T. V. Subrahmanyam, L. 5 No. 2/74, Palakole	1862/76	To pay a fine of Rs. 500/-
5. C. Surya Rao, Kulla	157/76	To pay a fine of Rs. 1000/-
6. C.V.N. Prasad, Kulla	157/76	To pay a fine of Rs. 500/-

(b) Persons who have been found by an officer referred to in Section 33 of the Act to have contravened any of the provisions of the Act or rules made thereunder and on whom a penalty of ten thousand rupees or more has been imposed by such officer.

Name & Address of the person/company or firm (1)	The other particulars referred to in sub-rule (1) (2)(a) (2)(b) (2)(c) (2)(d) (2)(e)				
	The provisions of the Act or rules made thereunder contravened The amount of penalty imposed	The value of excisable goods or other property ordered to be forfeited by a court under Sec. 10 of the Act or adjudged by the officer referred to in Sec. 33 to be confiscated	Amount of fine in lieu of confiscation, if any, imposed under Sec. 34 of the Act of the Central Excise Rules, 1944	Particulars of any licences revoked under Rule 181	
1. M/s. Guntur District Milk Producers' Co-op. Union Ltd., Feeder Balancing Dairy, L. 4 No. 1/77, (Food Products), Vadlamudi, Tenali Taluk, Guntur Dist. (A.P.) (O.R. No. 17/MP/77. Adj.).	Rules 173-B(2), C(2A), 173-F, Rs. 50,000/- 9(1), 173-G(4), G(3), 173(4) & 173-G(2) of the Central Excise Rules, 1944	Nil	Nil	Nil	
2. M/s. Paper Engineering Services Pvt. Ltd., L. 4 No. 2/78 (ACG-NES), Vijayawada, Krishna-District (A.P.) (O. R. No. 9/MP/78. Adj.)	Rules 9(1), Rs. 10,000/- 173-PP, 174, 43 & 48 of the Central Excise Rules, 1944	Nil	Nil	Nil	

C. BHUJANGASWAMY, Collector

Bhubaneswar, the 26th November 1979

No. 7/79—The undenoted officers of Central Excise & Customs of this Collectorate have retired on Superannuation of the dates mentioned against each.

Name of the officers	Designation	Date of Superannuation
Shri Bholanath Mishra,	Superintendent, Central Excise, Group 'B'	31-5-79 (A.N.)
Shri Kanduri Charan Mohapatra,	Do.	31-5-79 (A.N.)
Shri Narasingh Mishra	Do.	31-5-79 (A.N.)
Shri Birabhadra Bal	Do.	30-6-79 (A.N.)
Shri Banchanidhi Mishra	Do.	31-8-79 (A.N.)
Shri Jugal Kishore Ghose	Administrative Officer	31-10-79 (A.N.)

No. 8/79—On promotion, the undenoted Inspectors (Senior Grade) Central Excise & Customs of this Collectorate

have assumed charge as Superintendent, Central Excise Group 'B' on the dates mentioned against each.

Name of the officers.	Assumption of charge in the grade of Supdt. Group 'B'.
-----------------------	--

Shri Biswanath Sethi	6-6-79	(F.N.)
Shri M.V.N. Rao.	27-6-79	(F.N.)
Shri Francis Lakra	31-7-79	(F.N.)
Shri Natabar Das.	13-9-79	(A.N.)

H. VUMKHAWTHANG
Collector
CENTRAL EXCISE & CUSTOMS
BHUBANESWAR

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL (WORKS)
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 28th January 1980

No. 27-S/K(3)/69-ECII.—The President is pleased to accept the notice of voluntary retirement of Shri B. G. Khubchandani, Supdt. Engineer (Civil) at present on leave to retire from Government service. Accordingly Shri Khubchandani will retire from Govt. service in the afternoon of 26th January, 1980.

S. S. P. RAU,
Dy. Director of Administration
for Director General (Works)

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
 (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
 COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
 Kailash Financiers Private Limited.*

Jullundur, the 19th January 1980

No. G/Stat/560/2403/813.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Kailash Financiers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
 Bee Gee Standard Tools Private Limited.*

Jullundur, the 24th January 1980

No. G/Stat/560/2279/815.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bee Gee Standard Tools Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL,
 Registrar of Companies
 Punjab, H.P. and Chandigarh

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
 M/s. Stores Dyes and Chemicals Limited.*

Ahmedabad, the 24th January 1980

No. 598/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Stores Dyes and Chemicals Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
 M/s. The Bhavnagar Public Dairy Limited.*

Ahmedabad, the 24th January 1980

No. 721/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. The Bhavnagar Public Dairy Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
 M/s. Shubhdarshini Printers and Enterprises Pvt. Ltd.*

Ahmedabad, the 24th January 1980

No. 2337/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Shubhdarshini Printers and Enterprises Pvt. Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

Sd. ILLEGIBLE
 Registrar of Companies
 Gujarat

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
 Padam Sales Private Limited*

Jullundur, the 24th January 1980

No. G/Stat/560/3081/960.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Padam Sales Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

N. N. MAUTIK
 Registrar of Companies
 Punjab, H.P. and Chandigarh

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX
 (INCOME TAX)
 (INCOME TAX)

Lucknow, the 21st November 1979

No. 168.—A new charge to be known as 'Office of the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax (Assessment) Moradabad' is hereby created at Moradabad.

2. This order is effective from 21-11-1979.

ORDER

The 7th December 1979

*Jurisdiction—Income-tax Act, 1961—Section 125A—
 Jurisdiction of Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 (Asstt.) Moradabad in CIT, Lucknow charge—*

C. No. 24/79/Tech-II.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 125A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling me in this behalf I, the Commissioner of Income-tax, Lucknow hereby direct that Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax (Asstt.) Moradabad shall exercise or perform all the powers or functions conferred on or assigned to an ITO and he shall perform these powers and functions concurrently with the Income-tax Officers of Circle-II, Moradabad.

2. This order is effective from 15-12-1979.

Jurisdiction—Income-tax Act, 1961 Section 124(1) & (2)?

Income-tax Office, Circle-II, Moradabad

No. 81(c)(11)/78/Tech.—In partial modification of this office order dated 31-12-77 (issued with endorsement F. No. 81(c)(19)/77/Tech. dated 3-1-1978) as amended with this office order dated 5-12-79 circulated under endorsement F. No. 81(c)(ii)/78 dated 7-12-79. The following items shall be added under col. 5 in the jurisdiction of ITO A-Ward, Circle-I, Moradabad (formerly B-Ward, Moradabad).

"(5) All persons or classes of persons whose last assessed income/income returned for any pending assessment as on 30-11-79 is Rs. 5 lakhs or above and whose place of assessment as on or under the provisions of section 124(3) of I.T. Act 1961 (43 of 1961) is in the revenue districts of Almora, Bijnor, Chamoli, Moradabad, Pauri Garhwal, Pithoragarh, Rampur pertaining to the charge of Commissioner of Income-tax, Lucknow.

(6) All cases of Chairman, Managing Directors, Directors and Managers of the Limited Companies falling under item 5 above.

(7) All cases of partners of a firm falling under item (5) above."

2. This order is effective from 15-12-1979.

No. 177.—Income-tax Circle, Moradabad is hereby bifurcated into two circles to be known as Income-tax Office, Circle-I, Moradabad and Income-tax Office, Circle-II, Moradabad.

No. 178.—Consequent upon the above the sub-charges hitherto known as B-Ward, Moradabad and E-Ward, Moradabad shall be redesignated as A-Ward, and B-Ward respectively of the newly created Income-tax Office, Circle-II, Moradabad.

No. 179.—Consequent upon the creation of Income-tax Office Circle-I, Moradabad, the sub-charges hitherto known as A.C.D. & E Wards of Income-tax Office, Moradabad shall be redesignated as A, B, C & D Wards respectively of the Income-tax Office, Circle-I, Moradabad.

No. 180.—The Sub-Charge hitherto known as D-Ward of Income-tax Circle, Bareilly is hereby redesignated as C-Ward, Circle-II, Moradabad with headquarters at Bareilly.

No. 181.—The Sub-Charges hitherto known as E, F & G Wards Income-tax Circle, Bareilly shall be redesignated as D, E and F Wards respectively of the Income-tax Circle, Bareilly.

These orders are effective from 15-12-1979.

*Jurisdiction—Income-tax Act, 1961 Section 124(1) and
(2) Income-tax Office, Circle-II, Lucknow*

No. 81(c)(11)/78/Tech/Vol-II.—In partial modification of this officc order 28-4-79 issued with endorsement 81(c)(11) 78/Tech dated 28-4-79, following districts shall be deleted under column 5 in the jurisdiction of ITO, A-Ward, Circle-II, Lucknow.

"Almora, Bijnor, Chamoli, Moradabad, Pauri Garhwal, Pithoragarh and Rampur."

This order is effective from 15-12-1979.

The 10th December 1979

*Income-tax Act 1961 section 123(1) & (2) Jurisdiction of
Inspecting Asstt. Commissioners of Income-tax, In Com-
missioner of Income-tax Lucknow charge—*

No. 81(B)/78/Tech.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) & (2) of section 123 of the IT Act 1961 and in supersession of all previous orders on the subject, I the Commissioner of Income-tax Lucknow hereby direct that the Inspecting Asstt. Commissioners of Income-tax posted to the Ranges specified in column 2 of the Schedule annexed hereto shall perform the functions in respect of all persons and classes of persons and of all Incomes and classes of Income in the areas comprised in the Income-tax Circles, specified in the corresponding entries in column 4 of the schedule.

2. This order is effective from 15-12-79.

DHARMI DHAR
Commissioner of Income-tax
Lucknow

FORM ITN8**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri Bhanji Rajaram Patel

(Transferor)

(2) Shri Bhavan Parbat Patel, Lalji Parbat Patel
Narayan Parbat Patel, Mahesh Bhavan Patel
Partners of M/s Kailash Construction Company,
(Transferee)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY**

Bombay, the 13th November 1979

Ref. No. AR-IV/IV/897-1/79-80.—Whereas, I V. S. SESADRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 157A TPS No. III, Ghatkopar situated at Ghatkopar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ghatkopar on 8-5-1979 Document No. S. 9786/78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 9786/78/Bom and registered on 8-5-1979 with the Sub-Registrar, Bombay.

V. S. SESADRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bombay.

Date : 13-11-1979.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Khubchand Watumull

(Transferor)

(2) Shri Gobind Kalindas Daryanani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1979

Ref. No. AR-III/AP.305/79-80.—Whereas, I P. L. ROONGTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot Nos. 6, 7, 8, S. No. 121 Versova situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 4/5/79—Document No. 3639/78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S 639/79 Bom. and Registered on 4/5/79 with the Sub-Registrar, Bombay.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Seal :

P. L. ROONGTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 7th December, 1979.

(Seal):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Kashiprasad J. Adukia, Mahabirprasad J. Adukia.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt Sushiladevi S. Thard, Sulochanadevi S. Thard
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 20th December 1979

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. A.R.II/2783.1/May 79.—Whereas, I P. L. ROONGTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.T.S. No. 427, 427(29)PT situated at Malad (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 4-5-79 Document No. S. 439/78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered No. S. 439/78/Bom and registered on 4-5-79 with the Sub-Registrar, Bombay.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. L. ROONGTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 20-12-1979.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Nandaben J. Sheth
(Transferor)
(2) Smt. Asha Narendra Shah
(Transferee)
(3) Shri Nandaben J. Sheth
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 24th December 1979

Ref. No. AR-III/A.P.306/79.—Whereas, I, V. TOCHHAWNG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 4 & 5 (Part), T.P. No. VI-Andheri, C.I.S. No. 633, 633/1, 633/2, situated at Andheri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Bombay on 16/5/79 document No. S-2132/77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-2132/77/Bom and Registered on 16/5/79 with the Sub-Registrar, Bombay.

V. TOCHHAWNG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date :24-12-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Lalita Pawar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY**

Bombay, the 24th December 1979

Ref. No. A.R.-III/A.P.307/79-80.—Whereas, I, V.
TOCHHAWNG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 403, C.T.S. 1616, 1616/1 to 1616/6 situated at Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 8-5-79. Document No. S-541/78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) 1. Smt. Kundanben M. Kapadia. 2. Shri L. C. Thakkar 3. Dr. Mrs. C. T. Sankar. 4. Shri B. S. S. Rao 5. Shri K. Agarwal 6. Smt. Vimla Sharma. (Transferees)

(3) 1. Smt. Kundanben M. Kapadia.
2. Shri L. C. Thakkar.
3. Dr. Mrs. C. T. Sankar.
4. Shri B. S. S. Rao.
5. Shri K. Agarwal.
6. Smt. Vimla Sharma.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-541/78/Bom and Registered on 8-5-79 with the sub-registrar Bombay.

V. TOCHHAWNG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-3, Bombay.

Date : 24-12-79.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st February 1980

Ref. No. A.R./II/2888.2/July, 79.—Whereas, I P. L. ROONGTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3, H. No. 4 (pt) CTS No. 2112 (pt) situated at Eksar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 2-7-79, Doc. Sr. No. 1136/78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri K. D. Chogle 2. Shubhada K. Chogle 3. Kailash K. Chogle 4. Yeshwini K. Chogle.
(Transferor)

(2) Borivili Raj Vaibhav Co.op. H.S. Ltd.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered No. S/1136/78/Bom. and registered on 2-7-1979 with the Sub-registrar, Bombay.

P. L. ROONGTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 1-2-1980
Seal):

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st February 1980

Ref. No. AR.II/2910.1/May 79.—Whereas, I, P. L. ROONGTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. Nos. C/816 to C/819 & C.S. No. 61/804, C/805, C/809, S. No. 245A/A & 245/5 situated at Pali Hill (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bandra on 24-5-79 Document No. 773/79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Pallavi J. Panchal 2. Ambaben D. Panchal, 3. Chaitanya J. Panchal, 4. Yogesh J. Panchal, 5. Bhairavi J. Panchal.

(Transferees)

(2) 1. Kundanmal Bhawarilal Choraria, 2. Vijaykumar Kundanmal Choraria, 3. Smt. Sayerdevi B. Choraria, 4. Santoshkumar Choraria.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered No. 773/79/Bom and registered 24-5-79 with Joint sub-registrar/IV Bandra.

P. L. ROONGTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 1-2-1980.

(Seal) :

FORM ITNS

(1) 1. Shri Kantilal S/o Seth Kesrimal Jhalani,
 2. Ashokchand, 3. Umeshchandra, 4. Maheshchandra
 Shri ss/o Kantilal Ji
 5. Smt. Kanchanbai, W/o Shri Kantilalji,
 Sarafa, Ujjain.

(Transferor)

(2) M/s Ratna Raj, through Shri Shantilal,
 S/o Shri Rajmal Chordia,
 Chandni Chowk, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1412/79-80.—Whereas, I,
K. K. ROY
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
 and bearing No.

Plot situated at Ratlam
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the office of the Registering officer at
 Ratlam on 31st May, 1979
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that
 the consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a
 period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or
 a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period
 expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 4087 sq. ft. at Shastri Nagar Colony, Ratlam.

K. K. ROY,
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bhopal.

Date : 5-1-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
 21—456GI/79

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1413/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 7th May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Rajendra Swaroop Madan, through constituted attorney
Praveen Madan,
Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Smt. Omwati Gupta,
W/o Shri S. S. Gupta, D.S.P.
Sadar Bazar, Jabalpur.

(Transferee)

(3) 1. B. S. Sachdeva, 2. Aruna Madan,
3. Bhasin T.C., 4. Dr. R. K. Puri,
all tenants.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Nos. 507 to 510 situated at Napier Town, Gorakhpur, Jabalpur.

K. K. ROY,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 5-1-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. S/Shri Avadh Behari & 2. Shyam Behari,
ss/o Shri Laxminarain Bajpai; &
3. Smt. Jamna Bai,
Wd/o Shri Laxminarain,
Masanganj, Bilaspur.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

(2) Shri Agyaram,
S/o Shri Jagatram Gambhir,
Masanganj, Bilaspur.

(Transferee)

Bhopal, the 5th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1414/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Bilaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 29th May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 7320 sq. ft. situated at Masanganj, Bilaspur.

K. K. ROY,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-1-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.**

Bhopal, the 5th January 1980

Ref. No.IAC/ACQ/BPL/1415/79-80.—Whereas, I,
K. K. ROY,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- House situated at Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on 4th May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Jhablibai,
 W/o Late Shri Mishri Lal
 Soraogi, Gandhi Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Devi,
 W/o Shri Niwas Garg,
 14, Shakkar Bazar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 430, situated at M.G. Road (Khajuri Bazar) Indore.

K. K. ROY,
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bhopal.

Date : 5-1-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) S/Shri Badrilal & Jagannath,
S/o Shri Ghasiram,
32/2, Ghipa Baknal, Indore.

(Transferor)

(2) M/s. Nav Anand Grah Nirman Sahkari Samiti
through President Shri Shankarlal,
S/o Shri Ramgopalji Billore,
9, Shiv Vilas Palace, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1416/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 11th July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land at Khusra No. 1475/1 and 1475/2 (Area 1.469 hectare or 3.63 acres) near Dasnera Maidan, Indore.

K. K. ROY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 5-1-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.**

Bhopal, the 5th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1417/79-80.—Whereas, I,
K. K. ROY
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Building situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Indore on 24th July, 1979
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Water Development Society,
 C/o Shri P. S. Bapna,
 2, Race Course Road, Indore.

(Transferor)

(2) M/s. Ridesaria Brothers,
 195, M.T.C.M. Indore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Super Structure located at Plot No. 15, Pologround, Indore including shed and building admeasuring 6700 sq. ft., electricity and water connections, and fittings structure, office structure attached to the building.

K. K. ROY,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-1-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1418/79-80.—Whereas, I,
K. K. ROY,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto,
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Indore on 25th July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

(1) Shri Bapurao,
S/o Shri Pandurang,
Prince Tailors, Opp. Central Hotel,
M.G. Road, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Devraj Bhai,
S/o Shri Desabhai,
11, Joy Builders Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the publication of this notice in the Official Gazette whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 11 constructed on a plot measuring 2501 sft. at
Joy Builder's Colony, Indore.

K. K. ROY,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal*

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Date : 5-1-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

(1) Shri Anand,
S/o Shri Balkrishna
Gharpure, 196, Palsikar Colony,
Indore.

(Transferor)

(2) Shri Shantilal,
S/o Shri Kundanmalji,
26, Bairati Colony, Indore
(at present, 168, Netaji Subhash Marg,
Indore).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 5th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1419/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House (Part) situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Indore on 14th June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

First Floor of House No. 168, Netaji Subhash Marg, Indore.

K. K. ROY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269O of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-1-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th January 1980

(1) Shri Anand,
S/o Shri Balkrishna
Gharpure, 196, Palsikar Colony,
Indore.

(Transferor)

(2) Shri Kundanmal,
S/o Shri Mishrinal Jain
168, Netaji Subhash Marg, Indore.

(Transferee)

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1420/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (Part) situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 14th June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferee to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Ground floor of house No. 168, Netaji Subhash Marg, Indore.

K. K. ROY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 5-1-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
22 —456GI/79

FORM ITNS—

(1) Smt. Bharti Bai,
W/o Shri Satyanarain Gupta
Civil Lines, Raipur.

(Transferor)

(2) Smt. Vidya Devi
W/o Shri Gopichand Jaisingh
Civil Lines, Raipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1421/79-80.—Whereas, I,
K. K. ROY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Raipur on 16th May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Tm

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

House constructed on plot No. 10/14 (Part) Block No. 11 measuring 2000 sq. ft. Civil Lines, Raipur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. K. ROY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-1-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jugal Kishore,
S/o Shri Bala Prasad Tiwari,
H. No. 21, 22, West Niwarganj, Jabalpur.
(Transferor)

(2) Shri Sunderlal Kesharwani,
S/o Shri Sewalal Kesharwani,
in front of Gate No. 4, Madan Mahal Station Road,
Wright Town, Jabalpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1422/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Jabalpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 26th June, 1979
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House on Block No. 53, Plot No. 53 at West Niwarganj, Jabalpur.

K. K. ROY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-1-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1423/79-80.—Whereas, I,
K. K. ROY
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
 movable property having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Jabalpur
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908
 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 Jabalpur on 29th May, 1979

for an apparent consideration which is less than the
 fair market value of the aforesaid property and I have
 reason to believe that the fair market value of the property
 as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
 more than fifteen per cent of such apparent consideration
 and that the consideration for such transfer as agreed to
 between the parties has not been truly stated in the said
 instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Om Parkash Kalra,
 J, 12/1 Rajori Garden, New Delhi.
 (Transferor)
- (2) Shri Girdharilal & Mrs. Mohini Devi,
 Dress Centre, Andher Dev, Jabalpur.
 (Transferee)
- (3) 1. Ms. Fort Glozier Industries Ltd.
 2. Ms. Hindi Teaching Scheme & Mrs. S. Nigam
 all tenants.
 [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in that
 Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
 any moneys or other assets which have not
 been or which ought to be disclosed by the
 transferee for the purposes of the Indian
 Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
 said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 1071C, 10771/1C, 1071/2C and 1071/3C on
 Plot No. 3/3, Shiv Niwas, Lajpat Kuoj, Jabalpur.

K. K. ROY,
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Date : 5-1-1980
 Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri Uttamchand and Sunderlal,
S/o Shri Sukhdev Jain,
Ganj Basoda.

(Transferor)

(2) Shri Ratanchand,
S/o Pooranchand Jain
Ganj Basoda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1424/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Ganj Basoda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ganj Basoda on 19th May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Single storied house on Rakba 1302 sft. at Ward No. 13, Sadar Bazar, Ganj Basoda.

K. K. ROY,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-1-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1425/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 7th May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys ought to be disclosed have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Thakur Madansingh
S/o Shri Fatesingh Tomar,
Sendhwā.

(Transferor)

(2) Shri Satishkumar,
S/o Shri Sohanlal Luthra,
44, Janki Nagar Extension Colony,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storied house on Rakba 2704 sft. at Janki Nagar Extension Colony, 'Panchwati', Indore.

K. K. ROY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 8-1-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Dr. (Smt.) Nirmaladevi,
W/o Shri Nareshchand Goyal,
First Floor, T.B. Hospital,
Malharganj, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Satyaprakash,
S/o Shri Gurdyal Mishra,
Janakganj Nagar, Lashkar at present at
24, Ravi Nagar, Khedapati Colony,
Gwalior.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 8th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1426/79-80.—Whereas, I,
K. K. ROY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
House (Part) situated at Gwalior
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Gwalior on 4th May, 1979
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been duly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of single storied house No. 24 on Halka No. 36 situated at Ravi Nagar, Khedapati Colony, Gwalior.

K. K. ROY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 8-1-1980
Seal :

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1427/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (Part) situated at Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 4th May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Dr. (Smt.) Nirmaladevi, W/o Shri Nareshchand Goyal, First Floor, T.B. Hospital, Malharganj, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Kailashchand, S/o Shri Gurdyal Mishra, 24, Ravi Nagar, Khedapati Colony, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

Part of House No. 24 on Halka No. 36 situated at Ravi Nagar, Khedapati Colony, Gwalior.

K. K. ROY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 8-1-1980
Seal ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Balkrishna,
S/o Shri Vithal rao Lavangalkar,
Nimbalkar-Ki-Goth, Lashkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri 1. Rajiv and 2. Sanjeev (Minors)
S/o Shri Atmaram,
through mother Smt. Nirmaladevi,
Nimbalkar-Ki-Goth, Lashkar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1428/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Lashkar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 1st May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storied house on Rakba 1190 sft. at 40/364, Nimbalkar-Ki-Goth, No. 2, Lashkar.

K. K. ROY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
23—456GI/79

Date : 8-1-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Hargovind,
S/o Shri Vallabhdas,
C-35, Mafcirs Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shahjehan,
W/o Indra Dutt Binesarisingh,
E-40, Saket Colony, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1429/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Indore on 25th May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. E-46, admeasuring 5750 sft. at Saket Colony, Indore.

K. K. ROY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 8-1-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Gurnomal, alias, Gunnmal, S/o, Sanwaldas,
B-51/521, Bairagarh, (Bhopal).
(Transferor)

(2) Smt. Radhabai, W/o Nenumal, B-51/521, Bairagarh.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1430/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Bhopal
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 3rd May, 1979,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. B-51/521 and B-56/5 on Rakba 1125 sft.
situated at New Bairagarh, Bhopal.

K. K. ROY

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 10-1-1980.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Shri Maharaj Narayan, S/o. Swaroop Narayan Rajdan; 2. Smt. Khemrani, W/o. Maharej Narayan Rajdan, Roshnighar Road, Lashkar.
(Transferor)

(2) Shri Premnarayan, S/o Gyarsilal Mehar Vaishya, Dal Bazar, Lashkar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1431/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Lashkar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on 7th May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot measuring 3271 sft. at Roshnighar Road, Lashkar.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-1-1980.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.**

Bhopal, the 10th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1432/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,
being the Competent Authority under
section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Agrl. Land Survey No. 3, Rakba 2.739 Hectare with
pacca Well situated at Dewas
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at Dewas on 24th 1979,
consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
value of the property as aforesaid exceeds the apparent con-
sideration therefor by more than fifteen percent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the
following persons namely :—

(1) S/Shi Ramratan; 2. Madan; 3. Bhagwan; 4. Gopal;
5. Badri, sons of Shri Radhakishan; 6. Smt. Manubai,
Wd/o. Radhakishan; 7. Smt. Lilabai, W/o. Ramesh,
R/o Dewas; 8. Smt. Kalawati Bai, W/o Tarachand,
Bijalpur, Teh. Indore; and 9. Shantabai, W/o.
Munnalal, Malipura, Ujjain.

(Transferor)

(2) Mafatlal Industries, through Manager Shri Bhikhu-
bhai Manchharam Solanki, Dewas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act, shall
have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Survey No. 3, Rakba 2.739
hectares (6.768 acres) with pacca Well situated at Dewas.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 10-1-1980.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chaturbhujdas, S/o. Kanhaiyalal Malpani, Itwara, Bhopal.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th January 1980

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL/1433/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. E-3/88, Arera Colony, Bhopal situated at Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal on 9th May, 1979,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Single storied house on Rakba 4962.6 sft. at E-3/88, Arera Colony, Bhopal.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-1-1980.

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th January 1980

Ref. No. JAC/ACQ/BPL/1434/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Plot No. 12, Rakba 6500 Sft. situated at Vishnupuri main
Colony, Indore
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Indore on 17th May, 1979,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the
**aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the considera-
tion for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer**
with the object of—

(1) Shri Anant s/o Narayan Khandekar, Retd. Lt.
Colonel, 374, Sindh Co-operative Housing Society,
Aundh, Poona, Maharashtra.

(Transferor)

(2) 1. Sri Maheshchand, 2. Sri Omprakash and 3.
Satishchand, sons of Rameschand Garg, Bhanwar-
kunwar, Choraha, In front of Manik Bag Gate,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice on
the respective persons, whichever period expired
later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA, of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the esquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons namely :—

Plot No. 12 admeasuring 6500 sft. at Vishnupuri Main
Colony, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 10-1-1980.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 11th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1435/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AGRL, Land Survey No. 629 and 493 Rakba 0.70 acres situated at Dewas, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 14th May, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Shri Nasaruddin and Sarafuddin, sons of Haji Sheikh Chhotu, Mohasinpura, Dewas. (Transferor)

(2) M/s Dewas Land and Finance Co. Through Shri Kanhaiyalal Narayan Soni, 130, Subhash Chowk, Dewas. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land at Survey No. 629 and 493, total Rakba 0.70 acres at Dewas.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 11-1-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) S/Shri Nasaruddin and Sarafuddin, sons of Haji Sheikh Chhotu, Dewas.
(Transferor)

(2) M/s Dewas Land and Finance Co., Through Shri Kanhaiyalal Narayan Soni, 130, Subhash Chowk, Dewas.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 11th January 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1436/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. Land at Survey No. 492 and 625, Rakba 0.65 acres situated at Dewas, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 7th May 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—
24—456GI/79

THE SCHEDULE

Agricultural land at Survey No. 492 and 625 total Rekba 0.65 acres at Dewas.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 11-1-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 11th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1437/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House (Part) situated at Bhopal, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bhopal on 30th May 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Manohardas, alias Manohar Kumar, S/o Devidas, through Shri Muralidhar, S/o Devidas Chandramani, Idgah Hills, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Noor Mohd, S/o Hussain Baksh; and Smt. Jubeda Bee, W/o Noor Mohd., Ibrahimpura, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Eastern portion of House situated near Tolwali Masjid, Hathikhana, Bhopal.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-1-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Munikumar, and Smt. Khemarani, W/o Maharaj Narayan Rajdan, Roshanighar Road, Lashkar.
(Transferor)

(2) Shri Premnarayan, S/o Gyarsilal Mahor, Vaishya, Dal Bazar, Lashkar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 11th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1438/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot measuring 2862 Sft. situated at Roshanighar Road, Lashkar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gwalior on 7th May 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot admeasuring 2862 sft. at Roshanighar Road, Lashkar.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-1-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Devendra Kumar, S/o Satyapal Arora, 33,
New Palasia, Indore.
(Transferor)

(2) S/Shri Moolchand, S/o Jhamandas Tolani; Prataprai
and Purshottamdas, sons of Moolchand Tolani, 33,
North Harsiddhi, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1439/79-80.—Whereas, I,
K. K. ROY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Factory Building and Land at 44-A, Sanwar Road, situated
at Indore,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Indore on 7th May 1979,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Factory building on an area of 2355.58 sft. with total open
land of 21320 sft. at 44-A, Industrial Area, Sanwar Road,
Indore.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 11-1-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Iqbal S/o Fakruddin Bohra, Bora Bakhal,
Chandni Chowk, Ratlam.
(Transferor)

(2) Shri Ratan Kumar Gandhi, S/o Shri Poonam Chand
Gandhi, New Road, Ratlam.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 11th January 1980

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL/1440/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Ratlam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 28th May 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House with constructed area of 611 sft. situated at Palace Road, Ratlam.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-1-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ratan Kumar s/o Shri Poonam Chand Gandhi,
New Road, Ratlam.
(Transferor)

(2) Shri Mustafa s/o Fakruddin Bohra, Bohra Bakhali,
Chandni Chowk, Ratlam.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 11th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1440/79-80.—Whereas, I,
K. K. ROY,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. House situated at Ratlam,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 28th May 1979,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House with constructed area of 611 sft. situated at Palace Road, Ratlam.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 11-1-1980
Seal :

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Ratan Kumar s/o Shri Poonamchand Gandhi,
New Road, Ratlam.
(Transferor)

(2) Shri Haji Fakruddin s/o Daud Bhai Bohra Pakawala, Bohra Bakhali, Chandni Chowk, Ratlam.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 11th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1442/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Ratlam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ratlam on 16th May 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House situated in Palace Road, Near Municipality, Ratlam.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-1-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Vishnu Kunwar w/o Thakur Parbat Singh
Rajput, Badi Sbitla-mata Road, Ratlam.
(Transferor)

(2) Shri Shantilal s/o Girwarlalji Gupta, Near Lokendra
Talkies, Ratlam.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
Bhopal

Bhopal, the 11th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1443/79-80.—Whereas, I,
K. K. ROY,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot situated at Ratlam,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Ratlam on 4th May 1979,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 390.00 sqm situated at Post Office
Road (Power House Road), Ratlam.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957).

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 11-1-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Babul Chanimal Mehta, Tal, P.O. Tal, Distt. Ratlam.

(Transferor)

(2) Smt. Sanibai w/o Shri Beharilal Soni, Tal, Distt. Ratlam.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE
BHOPAL**

Bhopal, the 11th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1444/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Tal, Ratlam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ratlam on 8th May 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House, double storied, situated at Tal, (Near Post Office), Distt. Ratlam.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 11-1-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25—456GI/79

FORM ITNS

(1) Shri Babulal Son of Chandmalji Jain, Tal, Distt. Ratlam.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri Gopal s/o Badrilal Soni and 2. Dilipkumar s/o Badrilal Soni (Minor) through mother Smt. Leelabai w/o Badrilal Soni, Tal, Distt. Ratlam.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE
BHOPAL**

Bhopal, the 11th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1445/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Tal, Distt. Ratlam, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 14th May 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the question of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House with open land situated near Post Office, Tal. Distt. Ratlam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 11-1-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Samratmal S/o Shri Basantilal Sethia, Ratlam, at present : Nai-Abadi Kambal Kendra, Mandasaur.
 (Transferor)

(2) Shri Abhay Kumar, S/o Basantilal Sethia, Dhan Mandi, Ratlam.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 11th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1446/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. House No. 67, situated at Freeganj, Motilal Nehru Marg, Ratlam,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 6th July 1979,
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 67, situated at Freeganj, Motilal Nehru Marg, Ratlam.

K. K. ROY,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-1-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shyamcharan, S/o Saligram Tandon, 89, Rupram Nagar, Indore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Indore Bank Employees' Housing Co-operative Society, through Secretary Shri P. D. Agrawal, 5, Yeshwant Niwas Road, Indore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BHOPAL

Bhopal, the 11th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1447/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House on Plot No. 102 situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 29th May 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Single storied house on Plot No. 102 measuring 2400 sft. situated at Rupram Nagar, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 11-1-1980

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Ramesh Kumar S/o Puttulal Shivhare, Bhuta Bazar, Bhind.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BHOPAL

Bhopal, the 11th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1448/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. House No. 31, situated at Ward No. 26, Bhuta Bazar, Bhind, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred Under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhind on 10th May 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt. Meenabai, W/o Mahavir Prasad Jain and Smt. Chandan Shree, W/o Munnilal Jain, Bhuta Bazar, Bhind.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storied house on Rakba 1331 sq. ft. at Ward No. 26, House No. 31, Bhuta Bazar, Bhind.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 11-1-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Shobha, W/o Damodar Deo, 65, Shanker Bagh Colony, Indore.
(Transferor)

(2) Smt. Guyatri Devi, W/o Govindlal Bansal, 34, Shanker Bagh Colony, Indore (Now at 65, Shanker Bagh Colony, Indore).
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BHOPAL

Bhopal, the 11th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1449/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 65, situated at Shanker Bagh, Colony, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 17th May 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 65, Shankerbagh Colony, Indore constructed on a plot measuring 2640 sft.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-1-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ramnarayan, S/o Ramcharan Sharma, Anand Nagar, Tah. Hujur, Distt. Bhopal.
(Transferor)

(2) Shri Rewaran S/o Harchand, Goharganj : at present at Dangarwara, Tah. Goharganj, Distt. Raisen.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 11th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1450/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of House situated at Kumharpura, Jinsi Jehangirabad, Chiklod Road, Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 14th May 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Eastern portion of house on Rakba 945 sft. situated at Kumharpura, Jinsi Jehangirabad, Chiklod Road, Bhopal.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-1-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ramnarayan, S/o Ramcharan Sharma, Anand Nagar, Tah. Hujur, Distt. Bhopal.
(Transferor)

(2) Shri Parasram, S/o Harchand, Goharganj : At present at Dangarwara, Tah. Goharganj, Distt. Raisen.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 14th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1451/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Part of House situated at Kumharpura, Jinsi Jehangirabad, Chiklod Road, Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 14th May 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Western portion of house on Rakba 1064 sft. situated at Kumharpura, Jinsi Jehangirabad, Chiklod Road, Bhopal.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 14-1-1980

Seal :

FORM IINS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd February 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1452/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. House No. 100 Bandobast No. 177, Ward No. 17 situated at Gole Gain, Chhindwara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chhindwara on 23rd May 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Harichankar Dubey, S/o Shri Devi Shankar Dubey, Madhav Ganj, Lashkar. (Transferor)
- (2) S/Shri Abhay Kumar; Sanjay Kumar sons of Shri Phoolchand Jain and 3, Sandeep Kumar S/o Subhash Chand, Chhindwara. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 100, Bandobast No. 177, Municipal Ward No. 17, Gole gain, Chhindwara.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Competent Authority

Date : 2-2-1980 .
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 11th December 1979

Ref. No. 975.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 57-21-6/1 situated at Kanchanapalem, Visakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Visakhapatnam on 20-6-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Pentakota Yellamma,
W/o Nukaraju, Kanchanapalem,
Visakhapatnam.
(Transferor)

(2) Sri Pragada Srinivasa Rao,
S/o Venkataswamy, 689/B, Malakonda Area,
Visakhapatnam-8.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 4737 dated 20-6-79 registered before the S.R.O. Visakhapatnam.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

New, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-12-79

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th December 1979

Ref. No. 976.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — situated at Valasapakala Village, Kakinada Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kakinada on 29-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, In pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) (i) Sri Gullapudi Satyanarayananamurthy,
(ii) Sri Gullapudi Veerajulu,
(iii) Sri Gullapudi Ramakrishna
(iv) Smt. Gullapudi Satyavathi,
D. No. 20-6-4, Adjacent to S.R.M.T. Office,
Kakinada.

(Transferor)

(2) M/s. Madhavi Enterprises,
Brokers and Commission Agents, Vallabai Street,
Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 3232 dated 29-5-79 registered before the S.R.O. Kakinada.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-12-79
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th December 1979

Ref. No. 977.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — situated at Tippers Shed Road, Mangalagiri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalagiri on 26-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) (i) Kanagal Jagann Mohana Rao
- (ii) Kanagal Sivaramkrishna Rao
- (iii) Kanagal Rajendra Prasad
- (iv) K. Gopalaswamy,
- (v) Nageswararao K. and
- (vi) K. Chakradara Rao,
Mopparu Village, Tenali Tq.

(Transferor)

- (2) Sri Kovela Kar Nagoji, Mangalagiri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1098 dated 26-5-79 registered before the S.R.O. Mangalagiri.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-12-79

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS(1) Sri Andem Bikshyam,
Fertilizer Merchant, Mangalagiri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 11th December 1979

Ref. No. 978.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1600 situated at Mangalagiri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalagiri on May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Dr. Goli Ram Mohana Rao,
S/o Gopala Rao, Mangalagiri,
Guntur District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1039 dated May, '79 registered before the S.R.O. Mangalagiri.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-12-79
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th December 1979

Ref. No. 979.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 13/137A situated at Gudivada (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gudivada on 9-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Sri T. V. Purushothama Rao, Advocate, Suryaraopeta, Vijayawada.
(Transferor)
- (2) Shri Ghoparala Srirama Chandra Rao, S/o Sivanarayana, Gudlavalleru, P.O. Gudivada Tq.
(Transferee)
- (3) (i) K. Udaya Sundara Rao, Gudivada.
(ii) P. V. Appa Rao, Gudivada.
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1400 dated 9-5-79 registered before the S.R.O. Gudivada.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-12-79

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Smt. Alla Ratnakumari,
W/o Venkajah,
Asst. Warehousing Officer, A.P.
State Warehousing Corpn. Gudivada.

(Transferor)

(2) St. Pius Xth Discarded Carmettile
Province of Manjammal, Kerala,
Rep. By Francis Xavir Church,
Kothagudem.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th December 1979

Ref. No. 980.—Whereas, I, K. K. VEER,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Kanur Village, Vijayawada Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on May '79
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 3117, 3177 and 4734 dated May '79 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-12-79

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th December 1979

Ref. No. 981.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 32-10-2 situated at Mogalrajpuram, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 31-5-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sri Thammareddy Krishna Rao,
S/o Subbaiah,
C/o Sri T. Ashokumar, Labour Officer,
Navabharat Tobacco (P.) Ltd. Guntur.
(Transferor)
- (2) P. Satish and P. Sujatha,
C/o Sri Vijaya Talkies, Guntur.
(Transferee)
- (3) General Paper Trading House, Patna.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 3743 dated 31-5-79 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-12-79

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Gurdial Kaur,
43-48, Subbalaxminagar, New Colony,
Visakhapatnam.

(Transferor)

(2) Dr. D. Chengal Roy, M. S. M. Ch.
D-I Doctors Colony,
Visakhapatnam.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th December 1979

Ref. No. 982.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 33, situated at Nowroji Road, No. 6/143-16 situated at Opp. Sea View Hotel, Visakhapatnam (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Visakhapatnam on 3-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 3223/79 dated 3-5-79 registered before the S.R.O. Visakhapatnam.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-12-79

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
27—456GI/79

FORM ITNS

(1) Smt. Dasyam Vimalabai,
W/o David Raju,
C/o M. C. Laurin High School, Kakinada.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th December 1979

Ref. No. 983.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 65-2-10 situated at Dwarakanagar, Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Kakinada on 7-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Sri Chirugupati Veera Venkata Surya Ramarao Prasad, S/o Satyanarayana, 65-2-10, Dwarakanagar, Kakinada.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2543 dated 7-5-79 registered before the S.R.O. Kakinada.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-12-79

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 11th December 1979

Ref. No. 984.—Whereas, I, K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 65-2-70 situated at Main Road, Dwarakanagar, Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 7-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Dasyam Vimalabai,
W/o David Raju,
C/o M. C. Laurin High School, Kakinada.
(Transferor)
- (2) Sri Ch. Satyanarayana
S/o Ch. Satyanarayana,
65-2-10, Dwarakanagar, Kakinada.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2544 dated 7-5-79 registered before the S.R.O. Kakinada.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-12-79

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Sri Vemulppalli Sri Krishna,
Asok Nagar, Guntur.

(Transferor)

(2) Smt-C. Jhansilakshmi Bao,
Principal, Ravi, Tutorial College,
Guntur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th December 1979

Ref. No. 985.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 10-A-7-97 situated at Asoknagar, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on May, '79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The schedule of the property as per the registered document No. 2762 dated May '79 registered before the S.R.O., Guntur.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-12-79

Seal :

FORM ITNS(1) Sri K. Vuppa Reddy,
Alampur, Tanuku Tq.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sri Penki Chandra Rao, S/o Surayya,
10th Ward, Palakol.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 11th December 1979

Ref. No. 986.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 46-1-11, 12 situated at Palakol (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Palakol on 16-5-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1006/79 dated 16-5-79 registered before the S.R.O. Palakol.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-12-79
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 11th December 1979

Ref. No. 987.—Whereas, I. K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Gandhipuram-II Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on May '79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Kovvuru Seethayamma,
W/o Veerreddy, Ravulapalem.
(Transferor)
(2) Smt. Akula Mangayamma,
W/o Posayya, Vemagiri
Presently at D. No. 14-8, Gandhipuram No. 2
Rajahmundry.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2095 dated May, '79 registered before the S.R.O. Rajahmundry.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-12-79

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Kovvuru Seethayamma,
W/o Veerreddi, Ravulapalem.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Akula Mangayamma,
W/o Posayya, Vemagiri, Presently at D. No. 14-8,
Gandhipuram No. 2, Rajahmundry.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th December 1979

Ref. No. 988.—Whereas, I, K. K. VEER., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — situated at Gandhipuram-II, Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on July '79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 3218 dated July '79 registered before the S. R.O. Rajahmundry.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-12-79

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) M/s Shaw Builders, H. No. 22-7-269/3 at Dewan Dewdi, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Smt. Kanta Bai, W/o Mohandas, 21-1-40 at Ghansi Bazar, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 9th January 1980

Ref. No. RAC. No. 458/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 22-7-269/39 situated at Dewan Dewdi Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura, Hyd. on May-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Mulgi No. 22-7-269/39 inside Dewan Dewdi, Hyderabad, registered vide Document No. 1500/79 in the office of the Sub-Registrar Azampura.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-1-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Shaw Builders,
H. No. 22-7-269/3 at Dewan Dewdi,
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

(2) Sri Abdul Majeed Sayani,
11-5-43 at Red Hills,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 9th January 1980

Ref. No. RAC. 459/79-80. Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mulgi No. 22-7-269/44,
situated at Dewan Dewdi, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Azampura on May-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Mulgi. No. 22-7-269/44 at Dewan Dewdi, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1654/79 in the office of the Sub-Registrar Azampura,

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 9-1-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
28—456GI/79

FORM ITNS

(1) M/s. Sham Builders,
H. No. 22-7-269/3 at Dewan Dewdi,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mohd. Shareef Savani, 11-5-43 at Red Hills,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th January 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC. No. 460/97-80.—Whereas I, K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Mulgi. No. 45 in situated at 22-7-269/45 Dewan Dewdi, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Azampura on May-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mulgi. No. 45 in the premises No. 22-7-269/45 at Salar-gunj Market Dewan Dewdi, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1653/79 in the office of the Sub-Registrar Azampura.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad

Date : 9-1-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Shaw Builders, H. No. 22-7-269/3 at Dewan Dewdi, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Smt. Indra Devi, W/o Sri Chethandas, H.No. 90-HR-Bros, Patel Market, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th January 1980

Ref. No. RAC. No. 461/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 22-7-269/19 situated at Dewan Dewdi Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Azampura, on May-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Shop. No. 19 in premises No. 22-7-269/19 at Dewan Dewdi, Hyderabad, registered vide Document No. 1652/79 in the office of the Sub-Registrar Azampura.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 9-1-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Shaw Builders, 22-7-269/3 at Dewan Dewdi Hyderabad.
(Transferor)

(2) Sri Mulchand Lekhraj, P/r in Modern Silk Shop Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th January 1980

Ref. No. ARC. No. 462/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop. No. 40, situated at 22-7-269/40 Dewan Dewdi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura on May-79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Mulgi No. 40 in the premises No. 22-7-269/40 at Dewan Dewdi Hyderabad, registered vide Document No. 1450/79 in the office of the Sub-Registrar Azampura.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 9-1-1980
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Najibunnisa Begum, W/o Syd Khurshid Hasan, H. No. 6-3-1089 at Somajiguda, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Sri Syed Ahmed Hussain, S/o Syed Khurshid Hasan, 6-3-1089 at Somajiguda, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th January 1980

Ref. No. RAC. No. 463/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Port 6-3-1089, situated at Somajiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on May-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of House M. No. 6-3-1089 situated at Somajiguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1503/79 in the office of the Sub-Registrar Khairatabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 9-1-1980
Seal :

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

FORM ITNS

(1) M/s Sri Krishna Construction Company, 5-8-612 at Abid Road, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Mrs. Meera Jagdish Ram Pershad, R/o "Anandh Bhawan", Opposite to Dharmanat School Yakutpura, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th January 1980

Ref. No. RAC. No 464/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shall 4-1-938/R-19 & 20, situated at Krishna Complex, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by **more than fifteen per cent of such apparent consideration** and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Hall on the 3rd floor of 4-1-938/R19 and 20, Krishna Complex Building at Tiluk Road, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2721/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-1-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Sri Krishna Construction Company, 5-8-612 at
Abid Road, Hyderabad. Managing partner
Sri Kailash Chaitan.

(Transferor)

(2) Mrs. Kaneez Amina W/o Mr. M. Sayeeduddin,
4-1-442/443 at IIInd floor Troop Bazar,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th January 1980

Ref. No. RAC. No. 465/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 4-1-938/R-19 & 20.
situated at Krishna Compex, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at
Hyderabad on May 79
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4-1-938/R-19 and R-20 on Second floor of Krishna Complex at Tilak Road, Hyderabad, registered vide Document No. 2747/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

New, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-1-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) S/Sri I. Mohd. Afzal Khan,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th January 1980

Ref. No. RAC. No. 466/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Port, and is situated at S. No. 74, 75 Nallakunta, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of vacant land in survey No. 74 and 75 admeasuring 1229 Sq. yds. situated at Nallakunta, Hyderabad, registered vide Document No. 2532/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-1-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) S/Sri 1. Mohd Afzal Khan,
2. Faiz Ahmed Khan,
3. Fazal Ahmed Khan,
all residing at H. No. 4-1-9 at Ramkote, Hyderabad.
(Transferor)

(2) The Padma Co-operative Housing Society Ltd.,
Reg. No. TA. 103 at Nallakunta, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th January 1980

Ref. No. RAC. No. 467/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Port. land in situated at S. No. 74, 75 Nalakunta, Hyderabad on May-79 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 transfer with the object of — at Hyderabad on May-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
29—456GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of vacant land in survey No. 74 and 75 admeasuring 1105 Sq. Yds situated at Nallakunta, Hyderabad, registered vide Document No. 2823/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 10-1-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 10th January 1980

Ref. No. RAC. No. 468/79-80.—Whereas I. K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open plot of land, situated at No. 120 in S. No. 130, 135 Bakaram, Hyderabad.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in May, 79
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Nirmala-A, W/o late Subash Chandra Bose, G.P.A. Sri K. Satish, 3-5-696 at Narayanguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Nagireddy, Murali Manohar Reddy, H. No. 3-5-701/A at Narayanguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land Plot No. 120 to survey No. 130 to 135 situated at Bakaram, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2652/79 in the Office of the Joint Sub Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 10-1-1980

Seal :

FORM TTNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th January 1980

Ref. No. RAC. No. 469/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land 1-4-1011, situated at Musheerabad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad in May, 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

(2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri Mohammed Ali,
S/o Adam Ali Hariana Wala, 19th fourth floor
Pamodi St. Bombay-3.
(Transferor)
- (2) Sri M. S. Chandraiah, Contractor, H.No. 1-1-593 at
Bakaram, Hyderabad.
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land within the premises No. 1-4-1011 at Golconda Cross road, Musheerabad, Hyderabad admeasuring 825 Sq. Yds registered vide Document No. 2745/79 in the office of the Joint Sub-Regist. Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 10-1-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri M. Ghaziuddin Khan, H. No. 3-4-306 at Parvarish Bagh, Lingampally, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 11th January 1980

Ref. No. RAC No. 470/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/3 Port. No. 3-4-306 at Lingampally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in May, 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/3 share in land and Building No. 3-4-306 Parvarish Bagh, Lingampally, Hyderabad, admeasuring 1587 Sq. Mts. registered vide Document No. 2754/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-1-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Hindustan Builders, & others,
Partner Shri Shamal Gupta,
H. No. 26-Bashir Bagh Palace, Hashir Bagh,
Hyderabad.
(Transferor)

(2) M/s G. Shanker & Co., Tobacco Merchant, H. No.
14-11-53 at Kamatipura, Mangalhat, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 11th January 1980

Ref. No. RAC. No. 471/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12-2-718 situated at Malakapur, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on May 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from a service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building M. No. 12-2-718 comprising 10555 Sq. Yds. with Compound Wall at Malakapur, Bairban, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1609/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 11-1-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 11th January 1980

Ref. No. RAC. No. 472/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10-3-18/2 Plot No. 116 East Maredpally Secunderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on May 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeside exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Sri W. Bharat Rao,
2. W. Waman Rao, H. No. 8555/B Opposite to Alankar Talkies, Secunderabad,
3. Smt. K. Sona alias Malathi, H. No. 6994 Kalasiguda, Secunderabad.
4. Smt. W. Usha, H. No. 1-3-1014 Kavadiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri K. B. P. Rao, S/o late K. Bhima Rao, H. No. 6994 Kalasiguda, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

House M. No. 10-3-18/2 in the plot No. 116 admeasuring 282.52 Sq. Mts. situated at East Maredpally, Secunderabad, registered vide Document No. 1075/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER**Competent Authority**

**Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.**

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-1-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Umakaran Tej Karan, Raja Ram Karan,
H. No. 8-2-547 at Banjara Hills, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th January 1980

Ref. No. RAC. No. 473/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 602, situated at S. D. Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on June 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Mrs. Vijaya Lakshmi Krishnamurthy,
2. Mrs. Vasantha Ram Mohan,
both at 602 flat "Kalamansion" 101 at S. D. Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Flat No. 602 on 5th floor of Kalamansion at S. D. Road, Secunderabad registered vide Doc. No. 1623/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-1-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Bandaru Narasinga Rao, S/o Krishna Rao,
H. No. 7/156 at Malleswara Road, Ananthapur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th January 1980

Ref. No. RAC. No. 474/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7/156 situated at Malleswara Road, Ananthapur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ananthapur on May-79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Sri Gudiputi Anjoneyulu S/o Subbarayulu, Kadadaragunta Village, H/o Koduru, Ananthapur-Tq. Ananthapur. Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House Door. No. 7/156 at Malleshwara Road, Ananthapur-town, registered vide Document No. 3135/79 in the office of the Sub-Registrar Ananthapur.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-1-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Syed Ashagar Hussain, H. No. 5-9-43 Basheerbagh,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Haleema Begum, W/o Sri Ahmed Hussain
Albakar, H. No. 4-1-1/2A, Mess Khana, King Koti,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th January 1980

Ref. No. RAC. No. 475/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-9-42/3, 4, 5 & 6 Mulgis,
situated at Basheerbagh, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in May-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

4 Mulgies bearing M. No. 5-9-42/3, 4, 5, and 6 and open space, situated at Basheerbagh, Hyderabad, registered vide Document No. 2656/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

30—456GI/79

Date : 11-1-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th January 1980

Ref. No. RAC. No. 476/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8-2-472 situated at Banjara Hills Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad in May-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Mohd Tariq Mirza,
2. Ashfaq Mohammed Mirza both residing at
Canadas G. P. A. Sri Gulam Ahmed, Jaffer Ali,
Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) B. Sarvotham Reddy, H. No. 2/602 Nakkalgutta,
behind Water Tank, Hanamkonda, Warangal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot and land 885 Sq. Yds M. No. 8-2-472 on Road No. 1 Banjara Hills, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1464/79 in the office of the Sub-Registrar Khairatabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-1-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Amelia L. D. Souza, w/o late A.L.D. Souza, H. No. 227 at Maredpally, Secunderabad. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. J. Jaswantha Rao, S/o Sitarama Swamy, "Srinivas" 190-Bowenepally, Secunderabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th January 1980

Ref. No. RAC. No. 477/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot. 8-1-9 situated at S. D. Road, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on May 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Northern portion half of M. No. 8-1-9 situated at Sarojini Devi Road, Secunderabad, admeasuring 535 Sq. Yds, registered vide Document No. 1124/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

THE SCHEDULE

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 11-1-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th January 1980

Ref. No. RAC. No. 478/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-1-316 situated at Troop Bazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Miss Clarina DeSouza D/o Dr. Johan C. DeSouza, H. No. 4-1-1316 Troop Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. Wilfred DeSouza, S/o Dr. John C. De-Souza, 4-1-316 at Troop Bazar, Hyderabad.
2. Mrs. Irene De-Souza, H. No. 4-1-1316 at Troop Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share owned by the Transferor in the property bearing M. No. 4-1-315 and 4-1-316 at Troop Bazar, Hyderabad admeasuring 3255 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 3089/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-1-1980.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th January 1980

Ref. No. RAC. No. 479/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land situated at 8-2-472 Road No. I, Banjara Hills (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on May 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mod. Tariq Mirza, 2, Ashfaq Mohd. Mirza, G.P.A. holder for both Sri Gulam Ahmed, H. No. 6-3-662 at Jafferlali Bagh, Hyderabad, Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Pinnamaneni Joya, H. No. 12-MIGH-East Maredpally, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land 1096 Sq. Yds situated at Road No. i. Banjara Hills, within M. No. 8-2-472, registered vide Document No. 1468/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-1-1980.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th January 1980

Ref. No. RAC. No. 480/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land No. 197 situated at 206, 207/A Madinaguda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on May 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Shri S. Suryanarayana Raju, 7-1-644/4 Sunder-nagar, 2. S. Achut Rama Raju, No. 1-109, Lankala Koderu, Narsapur Tq, West-Godawari Dist. 3. Venkata Ramaraju, No. 1-109, Lankala Koderu, Nagpur-Tq., West Godawari-Distt.
4. S. Suryanarayana Raju, 5. S. Ramalinga Raju, 1-54, Miyapur.

(Transferor)

(2) S/Sri C. Mahendranath, 2. C. Amarnath, 3. C. Naceendernath (Minor) under guardian father Sri C. Balkishen, all residing at No. 14-3-58 Goshamahal, Hyderabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDE

Land bearing S. No. 197, 206/A, and 207/A total land 10 Acres, at Madinaguda, village, Rangareddy-Dist, registered vide Document No. 961/79 in the office of the Sub-Registrar, Hyderabad-East.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-1-1980.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 16th January 1980

Ref. No. RAC. No. 481/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 197, 198/1 situated at 206/A 205/1 Madinaguda, Village

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East on May 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) S/Sri S. Suryanarayana Raju, 2. S. Achuta Ramaraju, 3. R. Venkata Rama Raju, 4. Rama Linga Raju, 5. S. Suryanarayana Raju, H. No. 7-1-644/4 Sundernagar, Hyderabad.

(Transferors)

(2) Smt. C. Laxmi Bai, 2. C. Amba Rani (Minor) 3. C. Sarasvathi, (Minor) guardian for both mother Smt. C. Laxmi Bai, H. No. 14-3-58 Goshamahal, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 197, 198/1 and part of S. No. 206/A, and S. No. 205/1 total area 10 Acrs, 10 Gunta, situated at Madinaguda Village, Rangareddy-Dist. registered vide Document No. 999/79 in the office of the Sub-Registrar, Hyderabad-East.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-1-1980.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Syed Abdul Hameed H. No. 14-1-402 at Aghapura, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Shri S. A. Mugtadar, 2, S. A. Moid both residing at H. No. 14-1-402 at Aghapura, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th January 1980

Ref. No. RAC. No. 482/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14-1-402, situated at Aghapura, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Doodbowli on May 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House M. No. 14-1-402, situated at Aghapura, Hyderabad, registered vide Document No. 584/79 in the office of the Sub-Registrar, Doodbowli, Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-1-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Hushmuthunisa Begum, 2. Sri Jainarayana Misra, both residing at S.P. Road, Secunderabad, (Transferor)

(2) Sr V. Prahalad Chary R/o Nallakunta, Hyderabad. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 16th January 1980

Ref. No. RAC. 483/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 53, situated at S. P. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on May 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. 53 admetasuring 546 Sq. Yds. situated at Sardar Patel Road, Secunderabad, part of premises No. 2-11-30, 156 to 159, registered vide Doc. No. 2774/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-1-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
31—456GI/79

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th January 1980

Ref. No. RAC. No. 484/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 10-37 situated at Huzurabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Huzurabad on May 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Sri K. Raji Reddy R/o Rempur, Huzurabad-Tq.
2. K. Mohan Rao, R/o Sirsapally, Huzurabad,
Kareemnagar-Dist.

(Transferors)

(2) Smt. A. Mariyamma W/o Papa Rao, H. No. 10-37
at Huzurabad, Kareemnagar-Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 10-37 admeasuring 3751 Sq. Yds. situated at Huzurabad, Kareemnagar-Dist., registered vide Doc. No. 653/79 in the office of the Sub-Registrar, Huzurabad, Kareemnagar-Dist.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-1-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Yelsani Ashanna S/o Lingaiah, & 13 others,
R/o Kotigallu, Nizamabad,
(Transferor)

(2) Sri K. Kotiah, S/o Sathaiah, & others, C/o M/s.
K. Kotiah, & Sons, Petrol Pump, Nizamabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th January 1980

Ref. No. RAC.No. 485/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Phulong, Nizamabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on May-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land admeasuring 3 Acres and 20 Gunta, situated at Phulong Road, Nizamabad, registered vide Document No. 1207/79 in the office of the Sub-Registrar, Nizamabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-1-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Mohd. Abbas Ali Khan, H. No. 6-3-345/2 at
Road No. 1, Banjara Hills, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri K. Kesava Reddy, S/o K. C. Reddy, H. N. No. P. J.-60, Panjagutta, Officers Colony, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th January 1980

Ref. No. RAC. No. 486/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open Land situated at S. No. 127/5, Banjara Hills, Ro. No. 1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khairtabad on May, 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, (27 of 1957);

Plot No. IV part of survey No. 127/5 situated at Banjara Hills, Hyderabad, admeasuring 546.88 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 1614/7, Sub-registrar office, Khairtabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 17-1-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Smt. Abida Begum H. No. 8-2-468/A/2 at Road No. 5, Banjara Hills, Hyderabad.
 (Transferor)

(2) Sri P. Srinivasa Rao, Administrative Officer, Telugu Academy, Himayatnagar, Hyderabad.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th January 1980

Ref. No. RAC. No. 487/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8-2-468/A/2, situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on May-79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 8-2-468/A/2, situated at Plot No. 4 admeasuring 1044 Sq. Yds. at Road No. 5 Banjara Hills, Hyderabad, registered vide Document No. 1479/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad

Date : 17-1-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Nawab Abzal Ali Khan, 6-3-345/2 at Banjara Hills, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Sri P. L. Mareddy (Conservator of Forest) (Saifabad) H. No. 303/A Naampally, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 17th January 1980

Ref. No. RAC. No. 488/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open Plot No. 4 situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khairatabad on May-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of,—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot of land No. 4 admeasuring 545 Sq. Yds. situated at Road No. 1, Banjara Hills, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1597 of 1979 in the office of the Sub-Registrar Khairatabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-1-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. B. Bharathi Devi, H. No. 1-9-636 at Vidyanagar, Hyderabad.
 (Transferor)

(2) Sri K. Krishna Mohan, 2. K. Venkata Ramana, 3. K. Usha Rani, 4. K. Subha Laxmi, 5. K. Ramamurthy, S. No. 57, Chintal Kunta Karmanghat, Saroongar, Rangareddy-Dist.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th January 1980

Ref. No. RAC. No. 489/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the competent authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), herein-after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land S. No. 57 situated at Karamghat village, Saroongar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East on May-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural Land S. No. 57 area 8 Acres, 19 guntas at Karamghat village, Saroongar, Rangareddy-Dist., registered vide Document No. 4617/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-East.

K. K. VEER,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-1-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. V. Sesamma, H. No. 4-4-181 & 182 Lalagudi Bazar, Secunderabad 2. Sri V. Sathyanarayana, H. No. 4-4-181 & 182, Lalagudi Bazar, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Annarapu Kamalamma W/o A. Veeriah, H. No. 4-4-44 at Gunj Bazar, Secunderabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 17th January 1980

Ref. No. RAC. No. 490/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4-4-179 to 181 situated at Mahankali St., Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on May-79

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

THE SCHEDULE

House M. No. 4-4-179, 180 & 181 at Mahankali Street, Secunderabad registered vide Doc. No. 1205/79 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 17-1-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri A. V. Veerabhadra S/o A. H. Venkar Rao,
H. No. 136-Prenderghast Road, Secunderabad,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Alladi Bharathi W/o Sri A. Narsimha Rao,
House No. 103/A at Maredpally, Secunderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th January 1980

Ref. No. RAC. No. 491/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot 103/A situated at Maredpally, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on May-79

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 103/A admeasuring 2,700 Sq. Feet building M. No. 10-2-70 situated at Maredpally, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1076/of 1979 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
32—456GI/79

Date : 17-1-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

THE ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-

GOVERNMENT OF INDIA

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th January 1980

Ref. No. RAC. No. 492/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-1-198/3A&B, situated at Venkatapuram Colony, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on May-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Sri P. Kamala Kumari, H. No. 6.1.298/3, Venkatapuram Colony, Secunderabad.
(Transferor)

(2) Smt. Imtiyaz Unisa Begum W/o Syed Afsar Ali, H. No. 1-4-760/1/B Bakaram, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Northern portion of House M. No. 6-1-298/3/A & B, situated at Venkatapuram Colony, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1047/79 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

Date : 17-1-1980
Seal :

FORM ITNS—

1. Smt. Vijai Rani widow of Girdhari Lal Alias Dhujjo Noori Darwaza Agra.
(Transferor)

2. Smt. Savitri Devi w/o Shri Jagdish Chand Singh r/o Noori Darwaza, Agra.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th October 1979

Ref. No. 429/Acq/Agra/79-80.—Whereas, I. B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 26-7-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/2 part of building No. 15/81 Eastern Side Area 87½ Sq

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 25-10-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th October 1979

Ref. No. 428/Acq/Agra/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 26-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

1. Smt. Vigai Rani widow of Girdhari Lal alias Dhujjo Baboo R/O Nuri Darwaza, Agra.
(Transferor)
2. Smt. Shakuntala Devi w/o Govind Pd, R/O Nuri Darwaza Agra.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/2 part of building No. 15/81 Western side part area 954 Sq Metrs.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 25-10-1979

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

1. Prablad Singh, Mahabir Singh, Tej Pal Singh sons of Shri Fateh Singh, R/O Nagla Sami Pargana & Tehsil Khurja, Distt. Bulandshahr.

(Transferor)

2. Suresh Singh s/o Shri Budh Singh r/o Nagla Sami Pargana and Tehsil Khurja Distt Bulandshahr.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th October 1979

Ref. No. 488-A/P.N./Khurja/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khurja on 8-6-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural Land No. 7 measuring 11 Bigha, 3+14 Biswansi Lagani 72/69 situated in Nagla Sami, Teh. Khurja Distt. Bulandshahr

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 27-10-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

1. Hoshiar Singh s/o Bansi r/o vill. Aurangnagar Kina-pur Pargana Jalalabad, Distt. Gaziabad.

(Transferor)

2. Jagbir Singh, Shri Ashok Kumar ss/o Shri Karan Singh R/o Buttpura Tehsil Anupshahar Distt. Buland-shahar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 27th October 1979

Ref. No. 775-A/P.N./Gaziabad/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gaziabad on 16-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agriculturing Land Khasra No. 49 are 6 Bigha, 3 Biswa 3 Biswansi Situated in V. Aurangnagar Kina Pur Pargana Jalalabad Distt. Ghazibad.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-10-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th November, 1979

Ref. No. 811-A/Dehradun/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dehradun on 27-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

1. Dr. Banmali Krishna s/o Shri Ram Chand r/o No. 25 Circular Road, Dehradun.

(Transferor)

2. Smt. Anandi Devi Sajvani w/o Major Dalip Singh Sajvani 51/8 Hardwar Road, Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 25 Circular Road, Dallanwala Dehradun area 1162.5 Sq M.

B. C. CHATURVEDI,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Kanpur.

Date : 17-11-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 30th November 1979

Ref. No. 471-A/Dehradun/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 14-6-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1. Shri Krishan Dutt Sharma s/o Shri Jhunni Lal Sharma r/o (D.J.G., B.S.E., Jodhpur) Mohalla : Tulsi Chabutra, Mathura.
 (Transferor)

2. Shri Om Narain Dwivedi s/o Shri M. R. Dwivedi r/o 15-E, Balbir Road, Dehradun.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and House which No. is 5, Block (N) Old No. 35 measuring 1624 Sq. Mtr. situated at Tegh Bahadur Road, Dehradun.

B. C. CHATURVEDI,
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 30-11-1979
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1. Chaudhari Mukhtar Singh s/o Chowdhari Har Pd. Singh, r/o 32, Civil Lines, Bulandshahar.
(Transferor)
2. Buland Land & Development Company, 14 Aurangjeb Road, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR
Kanpur, the 30th November 1979

Ref. No. 522-A/B. Shahar.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahar on 11-6-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 6172 sq. yds. situated at 32, Civil Lines, Bulandshahar.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
33—456GI/79

Date : 30-11-1979
Seal :

FORM ITNS

1. S/Shri B. N. Javeri, S. N. Javeri, R. N. Javeri, T. N. Javeri r/o 16/97 The Mall Kanpur.
(Transferor)

2. Shri Shiv Shanker Misra, Smt. Saroj Misra, Parveen Misra, R/o 18 Tagore Road, Kanpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd November 1979

Ref. No. 393-A/Kanpur/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 22-6-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed House No. 16/97, The Mall Kanpur.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 3-11-1979
Seal :

FORM ITNS

1. Shri Ram Narain s/o Shri Ram Swaroop Gaur r/o Khurja, Distt : Bulandshahar.
(Transferor)

2. Smt. Navab Kaur w/o Shri Lila Singh r/o Mohamadpur, Parg : Jever Teh : Khurja, Distt : Bulandshahar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th December 1979

Ref. No. 959-A/Khurja.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khurja on 11-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural Land No. 345 and 547 measuring 5 Bigha, 11 Biswa and 13 Biswansi situated at Vill : Mohamadpur Teh : Khurja, Distt. Bulandshahar.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 11-12-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 11th January 1980

Ref. No. 777/Acq/Etawah/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bharthana on 21-5-1979, for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,

(1) S/Shri Rakshpal Singh s/o Radhu Singh r/o Bikupur Teh, Bidhuna, Distt. Etawah.
(Transferor)

(2) Smt. Janki Devi w/o Shri Shyam Kishore, Hom Singh s/o Shri Ajab Singh, Gajadhar Singh s/o Sher Singh, Jai Devi Widow of Tam Singh, Abhilash Singh, Mam Singh (Balig), Indrapal Singh and Ajaipal Singh (Nabalig) s/o Bhushan Singh r/o Bakewar Parg : Bharthana, Distt. Etawah.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Bakewar Parg : and Sakin : Bikupur Teh : Bidhuna, Distt. Etawah.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Dated : 11-1-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Lalita W/o Shri Om Prakash Pandey r/o 18/163-A 145-B, Bibhav Nagar, Agra.
(Transferor)

(2) Shri Mohd. Harun s/o Shri Mohd. Yakub r/o 32/75-A, Hari Nagar Colony, Shamshabad Road, Agra.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th January 1980

Ref. No. 760/Acq/Agra/79-80.—Whereas I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Agra on 18-5-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One Immovable Property No. 18/163A/67 situated at Bibhav Nagar, Agra.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-1-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 11th January 1980

Ref. No. 789/Acq/Agra/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at as per schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Aitmadpur on 7-5-79,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) S/Shri Ranbir Singh s/o Shri Poraw Lal r/o
Nagala Chhabila Mauja : Barhan Post : Barhan
Teh: Aitmadpur, Distt. Agra.
(Transferor)

(2) Smt. Pooran Devi w/o Shri Satya Prakash r/o
Mauja : Barhan Post : Barhan, Smt. Mira Devi
w/o Shri Ranbir Singh r/o Nagala Chhabila, Mauja
and Post : Barhan, Teh : Aitmadpur Distt. Agra.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

THE SCHEDULE

Agricultural Land No. 1032 measuring 51/3.16, Lagan
62.25 N.P. situated at Mauja : Barhan, Pag : and Teh. Ait-
madpur, Agra.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

Date : 11-1-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Vijai Kishore Tandon s/o Late Lala Jugat Kishore Tandon R/o City Etawah, Mohalla : Kajitola Kunj.
(Transferor)

(2) Shri Mukut Singh, Krishna Gopal, Makhan Singh, Suresh Chand, Ramesh Chand (Balig) and Arvind Kumar Singh (Nabalig) Vilayat s/o Shri Birbal Singh r/o Nagala Pratappura Mauja : Niloi, Parg : and Distt : Etawah.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 11th January 1980

Ref. No. 776/Acq/Etawah/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Etawah on 1-5-79,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Chaks in 6 Parts Nos. 96/1/1.33, 100/0.97, 101/0.60, 103/2.69, 104/4.74, 105/2.29, and Lagan Rs. 97.10 situated at Village : Sarai Aisar Parg : and Distt. Etawah.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-1-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

[Kanpur, the 11th January 1980

Ref. No. 744/Acq/Kanpur/78-79.—Whereas I,
B. C. CHATURVEDI,
 being the Competent Authority under Section 269B
 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
 referred to as the 'said Act'), have reason
 to believe that the immovable property, having a fair market
 value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule
 situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
 of 1908) in the office of the Registering Officer
 at Kanpur on 4-5-79,

for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property, and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument
 of transfer with the object of:—

(1) Sardar Sohan Singh s/o Sardar Hari Singh r/o 200/3, Shastri Nagar, Kanpur Bahaisiyat Mukhtar-am-Minjanib Sardar Gurbachan Singh s/o Sardar Bud Singh r/o 15, Patel Road, Shahjahanpur.

(Transferor)

(2) Sardar Harjendra Singh, Sardar Jasbir Singh sons of Sardar Niranjan Singh r/o 37/1, Shastri Nagar, Colony, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 281 situated at Block No. 'H-2, Kakadeo, Kanpur.

B. C. CHATURVEDI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-1-1980
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th January 1980

Ref. No. 763/Acq/Agra/79-80.—Whereas I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. As per schedule situated at as per schedule
(and more fully described in the
schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer
at Agra on 31-5-1979,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) Shri Kameshwar Prasad Bhatnagar s/o Shri Amba Prasad, Ch. Ramesh Bhatnagar and Shailesh Bhatnagar and Rakesh Bhatnagar sons of Shri Rameshwar Prasad, r/o Madan Mohan Darwaja, Agra.
(Transferor)

(2) Shri Giriraj Sharan Gautam s/o Shri Shyam Sunder Gautam, Nand Kushore s/o Shri Giriraj Sharan, Smt. Bajrani Gautam w/o Shri Giriraj Gautam, Prem Narain Gautam s/o Giriraj Sharan Gautam r/o Show Darwaja, Agra.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

One Portion Property No. 14/284 14/284/1 measuring 552.69 Sq. Metre situated at Madan Mohan Darwaja, Agra.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

34—456GI/79

Date : 11-1-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri Sunder Lal s/o Shri Kallyan r/o Purwadaka Mauja : Aunto, Post : Gulriha, Parg : Bidhuna, Dist : Etawah.
(Transferor)

(2) Shri Baburam S/o Vishwanath r/o Purwadaka Mauja : Aunto, Post : Gulriha, Parg : Bidhuna, Dist. Etawah.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 11th January 1980

Ref. No. 758/Acq/Etawah/78-79.—Whereas I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at as per schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registration Officer at
Etawah on 3-5-79,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural Land No. 502 measuring 4.52, Lagan Rs. 85.35
situated at Mauja : Gulriha which has been sold for an apparent
consideration of Rs. 30,000/- the fair market value of
which is Rs. 68,500/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 11-1-1980
seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BORING CANAL ROAD,
PATNA-800001

Patna-800001, the 17th October 1979

Ref. No. III-356/Acq/79-80.—Whereas I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey Plot No. 105, under Khata No. 124, Municipal Plot No 462, Ward No. 6 (old) 15 (New) etc. situated at Hazaribagh town, Boddom Bazar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hazaribagh on 28-5-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Prabhat Kumar Mukherjee, s/o Late Binoy Krishna Mukherjee, Director, I.C.I., resident of 9 Poorvi Marg, Vasant Bihar, New Delhi-57.
(Transferor)
- (2) Shri Dharendra Kumar Jain, s/o Late Sugan Chand Jain, of Hazaribagh Town.
(Transferee)

FORM ITNS—		(3) Name of the petitioners—tenant.	H.N.
Garrage No.	now shop room	Name	
1	"	Vijoy Kumar Gupta	148
2	"	Vijoy Kumar Gupta	149
3	"	Jugal Kishore Verma	150
4	"	B. D. Jaiswal	151
5	"	Manik Chand Jain	152
Shop room No.			
1		Janardan Pd. Modi	153
3		Bhagwan Agarwal (M. P. Agrawal)	158
4		Kalyan Dutta Agarwal	159
5		Manik Chand Jain	160
6		Manik Chand Jain	161
7		T. Bhattacharya	162
8		Sarju Thakur	163
9		Laxmi Prasad S/o Dwarika Sao	164
9(A)		Brajmull Jain	165
10		Sardar Singh	166
11		Sadhan Kr. Rachhit	167
12		Laxmi Narayan Kasera	168
13		Om Prakash Khandelwal	169
14		Nirmal Kr. Khandelwal	
15		Mohd. Qasim (Mashi Ahmad)	170
16		Devi Prasad	171
17		Bala Bux	173
19		Surendra Singh	175
20		Sher Ali (Previously Peer Mohammad)	176
20(a)		Nizamuddin	177
Tiled house on Plot No. 103		Bishwanath Prasad [Persons in occupation of the property]	156

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

0.11 Acres of land with shops and other constructions thereon, situated at Hazaribagh Town more fully described in deed No. 6832 dated 28-5-79 registered with the District Sub-Registrar, Hazaribagh.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 17-10-1979
Seal :

FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

BORING CANAL ROAD,
PATNA-800001

Patna-800001, the 17th October 1979

Ref. No. III-357/Acq/79-80.—Whereas I, J. NATH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey Plot No. 105, 106 under Khata No. 124, Municipal Plot No. 462, Ward No. 6 (old) 15 (New) etc. situated at Hazaribagh town, Boddom Bazar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hazaribagh on 23-5-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Pranab Kanti Chatterjee, Holder of Power of Attorney for and on behalf of Smt. Anupama Devi, widow of Late Amulyadhan Mukherjee, r/o 143/1, Indra Biswas Road, P.O. Cossipore, Distt. Calcutta-37.
(Transferor)
- (2) Rup Chand Jain, s/o Late Sugan Chand Jain, of Hazaribagh Town.
(Transferee)

		(3) Name of the petitioners—tenant.	
Garbage No.	now shop room	Name	H.N.
1	"	Vijoy Kumar Gupta	148
2	"	Vijoy Kumar Gupta	149
3	"	Jugal Kishore Verma	150
4	"	B. D. Jaiswal	151
5	"	Manik Chand Jain	152
Shop room No.			
1		Janardan Pd. Modi	153
3		Bhagwan Agarwal (M. P. Agrawal)	158
4		Kalyan Dutta Agarwal	159
5		Manik Chand Jain	160
6		Manik Chand Jain	161
7		T. Bhattacharya	162
8		Sarju Thakur	163
9		Laxmi Prasad S/o Dwarika Sao	164
9(A)		Brajmull Jain	165
10		Sardar Singh	166
11		Sadhan Kr. Rachhit	167
12		Laxmi Narayan Kasera	168
13		Om Prakash Khandelwal	169
14		Nirmal Kr. Khandelwal	
15		Mohd. Qasim (Mushi Ahmad)	170
16		Devi Prasad	171
17		Bala Bux	173
19		Surendra Singh	175
20		Sher Ali (Previously Peer Mohammad)	176
20(a)		Nizamuddin	177
Tiled house on Plot No. 103		Bishwanath Prasad [Persons in occupation of the property]	156

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

0.22 Acres of land with buildings and other constructions thereon in Hazaribagh Town more fully described in deed No. 6644 dated 23-5-1979 registered with the District Sub-Registrar, Hazaribagh.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 17-10-1979

Seal :

FORM ITNS	(3) Name of the petitioners—tenant. Garrage now shop room No.	Name	H.N.
NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)	1 " Vijoy Kumar Gupta 2 " Vijoy Kumar Gupta 3 " Jugal Kishore Verma 4 " B. D. Jaiswal 5 Manik Chand Jain	148 149 150 151 152	
GOVERNMENT OF INDIA	Shop room No.		
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800001	1 Janardan Pd. Modi 3 Bhagwan Agarwal (M. P. Agrawal) 4 Kalyan Dutta Agarwal 5 Manik Chand Jain 6 Manik Chand Jain 7 T. Bhattacharya 8 Sarju Thakur 9 Laxmi Prasad S/o Dwarika Sao Brajmull Jain Sardar Singh 11 Sadhan Kr. Rachhit 12 Laxmi Narayan Kasera 13 Om Prakash Khandelwal 14 Nirmal Kr. Khandelwal 15 Mohd. Qasim (Mashi Ahmad) 16 Devi Prasad 17 Bala Bux 19 Surendra Singh 20 Sher Ali (Previously Peer Mohammad) 20(a) Nizamuddin	153 158 159 160 161 162 163 164 165 166 167 168 169 170 171 173 175 176 177	
Patna-800001, the 17th October 1979	Tiled house on Plot No. 103	Bishwanath Prasad [Person in occupation of the property]	156

Ref. No. III-Acq/79-80.—Whereas I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey Plot No. 101, 102, 103, 105, under Khata No. 124, Municipal Plot No. 462, Ward No. 6(old) Ward No. 15 (new) etc. situated at Hazaribagh town, Boddon Bazar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hazaribagh on 23-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shrimati Sabita Banerjee, widow of Late S. K. Banerjee and Smt. Dhira Catterjee, w/o Sri Pranab Kanti Chatterjee, t/o 143/1, Indra Biswas Road, P.O. Cossipore, Distt. Calcutta-37.
(Transferor)

(2) Shri Sumer Chand Jain, s/o Late Sugan Chand Jain, of Hazaribagh Town.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

0.22 Acres of land with building and other constructions thereon, in Hazaribagh Town more fully described in deed No. 6645 dated 23-5-1979 registered with the District Sub-Registrar, Hazaribagh.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 17-10-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BORING CANAL ROAD,
PATNA-800001

Patna-800001, the 17th October 1979

Ref. No. III-359//Acq/79-80.—Whereas I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey Plot No. 105, under Khata No. 124, Municipal Plot No. 462, Ward No. 6(old) 15 New etc. situated at Hazaribagh, Village Hazari Beddon Bazar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hazaribagh on 28-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Sabita Banerjee, w/o Late S. K. Banerjee and Smt. Dhira Catterjee, w/o Sri Pranab Kanti Chatterjee, r/o 143/1, Indra Biswas Road, P.O. Cossipore, Distt. Calcutta-37.
(Transferor)
- (2) Shri Rup Chand Jain, s/o Late Sugan Chand Jain of Hazaribagh Town.
(Transferee)

		(3) Name of the petitioners—tenant, Garage now shop No. room	Name	H.N.
	1	"	Vijoy Kumar Gupta	148
	2	"	Vijoy Kumar Gupta	149
	3	"	Jugal Kishore Verma	150
	4	"	B. D. Jaiswal	151
	5	"	Manik Chand Jain	152
		Shop room No.		
	1	Janardan Pd. Modi		153
	3	Bhagwan Agarwal (M. P. Agrawal)		158
	4	Kalyan Dutta Agarwal		159
	5	Manik Chand Jain		160
	6	Manik Chand Jain		161
	7	T. Bhattacharya		162
	8	Sarju Thakur		163
	9	Laxmi Prasad S/o Dwarika Sao		164
	9(A)	Brajmull Jain		165
	10	Sardar Singh		166
	11	Sadhan Kr. Rachhit		167
	12	Laxmi Narayan Kasera		168
	13	Om Prakash Khandelwal		169
	14	Nirmal Kr. Khandelwal		
	15	Mohd. Qasim (Mashi Ahmad)		170
	16	Devi Prasad		171
	17	Bala Bux		173
	19	Surendra Singh		175
	20	Sher Ali (Previously Peer Mohammad)		176
	20(a)	Nizamuddin		177
		Tiled house on Plot No. 103		
		Bishwanath Prasad		156
		[Persons in occupation of the property]		

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

0.11 Acres of land with building and other constructions thereon situated at Hazaribagh town more fully described in deed No. 6863 dated 28-5-1979 registered with the District Sub-Registrar, Hazaribagh.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 17-10-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
PATNA-800001

Patna-800001, the 17th October 1979

Ref. No. III-360/Acq/79-80.—Whereas I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 105, Khata No. 124 Municipal Plot No. 462 situated at Hazaribagh Village Hazari, Boddom Bazar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Hazaribagh on 28-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Pranab Kantl Chatterjee, s/o Shri P. K. Chatterjee, Holder of Power of Attorney for and on behalf of Smt. Anupma Devi, w/o Late Amulyadhan Mukherjee, r/o 143/1, Indra Biswas Road, P.O. Cossipore, Calcutta.
(Transferor)

(2) Shri Sumer Chand Jain, s/o Late Sugan Chand Jain, at & P.O. Hazaribagh.
(Transferees)

(3) Name of the petitioners—tenants.				
No.	room Garage	now shop	Name	H. N.
1	"	Vijoy Kumar Gupta	148	
2	"	Vijoy Kumar Gupta	149	
3	"	Jugal Kishore Verma	150	
4	"	B. D. Jaiswal	151	
5	"	Manik Chand Jain	152	
	Shop room Nos.			
	1	Janardan Pd. Modi	153	
	3	Bhagwan Agarwal (M. P. Agrawal)	158	
	4	Kalyan Dutta Agarwal	159	
	5	Manik Chand Jain	160	
	6	Manik Chand Jain	161	
	7	T. Bhattacharya	162	
	8	Sarju Thakur	163	
	9	Laxmi Prasad S/o Dwarika Sao	164	
	9(A)	Brajmul Jain	165	
	10	Sardar Singh	166	
	11	Sadhan Kr. Rachhit	167	
	12	Laxmi Narayan Kasera	168	
	13	Om Prakash Khandelwal	169	
	14	Nirmal Kr. Khandelwal		
	15	Mohd. Qasim (Mashi Ahmad)	170	
	16	Devi Prasad	171	
	17	Bala Bux	173	
	19	Surendra Singh	175	
	20	Sher Ali (Previously Peer Mohammad)	176	
	20(a)	Nizamuddin	177	
	Tiled house on Plot No. 103	Bishwanath Prasad [Person in occupation of the property]	156	

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

0.11 Acres of land with buildings and other considerations thereon situated at Hazaribagh town more fully described in deed No. 6864 dated 28-5-1979 registered with the District Sub-Registrar, Hazaribagh.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 17-10-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BORING CANAL ROAD,
PATNA-800001

Patna-800001, the 17th October 1979

Ref. No. III-361/Acq/79-80.—Whereas I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Holding No. 156 with New Ward No. 15, Plots No. 103 (Western Portion) 104 (Portion) 105 (Northern Portion) etc. situated at Hazaribagh, Village Hazari Boddom Bazar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hazaribagh on 28-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Prabhat Kumar Mukherjee, s/o Late Binoy Krishna Mukherjee, Director, I.C.I. r/o 9 Poorvi Marg, Vasant Vihar, New Delhi.	(Transferor)
(2) Dhirendra Kumar Jain, s/o Late Sugan Chand Jain, r/o Hazaribagh Town.	(Transferee)
(3) Name of the petitioners—tenant. Garage now shop Name H. N. No. room	
1 " Vijoy Kumar Gupta 148	
2 " Vijoy Kumar Gupta 149	
3 " Jugal Kishore Verma 150	
4 " B. D. Jaiswal 151	
5 " Manik Chand Jain 152	
Shop room No.	
1 Janardan Pd. Modi 153	
3 Bhagwan Agarwal (M. P. Agrawal) 158	
4 Kalyan Dutta Agarwal 159	
5 Manik Chand Jain 160	
6 Manik Chand Jain 161	
7 T. Bhattacharya 162	
8 Sarju Thakur 163	
9 Laxmi Prasad S/o Dwarika Sao 164	
9(A) Brajmul Jain 165	
10 Sardar Singh 166	
11 Sadhan Kr. Rachhit 167	
12 Laxmi Narayan Kasera 168	
13 Om Prakash Khandelwal } 169	
14 Nirmal Kr. Khandelwal } 170	
15 Mohd. Qasim (Mashi Ahmad) 171	
16 Devi Prasad 171	
17 Bala Bux 173	
19 Surendra Singh 175	
20 Sher Ali (Previously Peer Mohammad) 176	
20(a) Nizamuddin 177	
Titled house on Plot No. 103 Bishwanath Prasad 156	
[Persons in occupation of the property]	

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

0.22 acres of land with buildings thereon bearing Holding No. 156, Ward No. 15, Plot No. 103, 104, 105 in village Hazari, Boddorm Bazar, Hazaribagh fully described in deed No. 6720 dated 25-5-1979 registered with the District Sub-Registrar, Hazaribagh.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 17-10-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 1st January 1980

Ref. No. III-368/Acq/79-80.—Whereas I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Holding No. 74A Circle No. 20B, Ward No. 11 M.S. Plot No. 621 Touzi No. 802 Thana No. 137 situated at Kadam Kaun, Congress Nagar Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Patna on 19-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
35—456GI/79

(1) Smt. Fulcumari Devi w/o Late Shri Baijnath Prasad Singh alias Noonoo Babu D/o Late Kali Charan Singh At village Rajipur Ps. Bikram Distt. Patna. Present—Kadam Kuan Congress Nagar Patna. (Transferor)

(2) Smt. Sharwista Sharma w/o Shri Hridai Narain Sharma 377 Vidyout Building Girgaun Road First Floor Bombay-2. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First Floor of a triple storeyed bag h measuring 1 katha 13 Dhoors situated at Kadam Kaun Congress Nagar Patna described in deed No. 2979 dated 19-5-1979 registered with the district Sub Registrar Patna.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 11-1-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE
BORING CANAL ROAD PATNA-800001**

Patna-800001, the 1st January 1980

Ref. No. III-369/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Holding No. 74A, Circle No. 20B Ward No. 11 M.S. Plot No. 621 Tour No. 802 Thana No. 137 situated at Kadam Kuan, Congress Nagar, Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 19-5-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Pulkumari Devi W/o late Shri Baijnath Prasad Singh Alias Nooroobabu D/o late Kalicharan Singh at village Rajipur Ps. Bikram Dist. Patna Present—Kadam Kuan Congress Nagar, Patna-3. (Transferor)

(2) Shri Hridai Narain Sharma s/o late Kailas Sharma Village Bibta PO. Bibta Dist. Patna. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Second Floor of a triple storeyed building with an area of land measuring 1 Katha 13 Dhoors situated at Kadam Kuan Congress Nagar described in deed No. 2978 dated 19-5-79 registered with the District sub-Registrar Patna.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 1-1-80
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE
BORING CANAL ROAD PATNA-800001

Patna-800001, the 1st January 1980

Ref. No. III-370/Acq/79-80. —Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Municipal Plot No. 762, Holding No. 567/401 (New) and 316 (old) Circle No. 6, Ward No. 2, Sheet No. 31 situated at corner of Exhibition Road and New Dak Bungalow Road, Patna,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-5-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Sham Sher Jang Mehta, S/o Sri Kedar Nath Mehta, 28, Sadananda Road, Kalighat, Calcutta-26.
(Transferor)
- (2) Sardar Amrik Singh, S/o Late Sardar Labh Singh, 166 Patliputra Colony, Patna.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

2306 Sq. ft. land at the corner of Exhibition Road and Dak Bungalow Road bearing Municipal Plot No. 762, Holding No. 567/401 (New) and 316 (old) Circle No. 6, Ward No. 2, Sheet No. 31 more fully described in deed No. I 2598 dated 11-5-79 registered with the Registrar of Assurances Calcutta.

J. NATH
Competitive Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 1-1-80
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri K. M. Desikar, Valivalam, Tanjore Dist.
(Transferor)

(2) Shri M. L. Vaz, Mrs. Eva E. Vaz, "DEVANARY",
226, Raj Mahal Vilas Extn, Bangalore-560 006.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001**

Bangalore-560001, the 28th November 1979

C.R. No. 62/23952/79-80/ACQ/B.—Whereas, I,
P. RANGANATHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 226, situated at Rajmahal Vilas Extn., Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Document No. 530/79-80 on 30-5-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 530/79-80, dated 30-5-1979)

House property bearing No. 226, Rajmahal Vilas Extension, Bangalore.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 28-11-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 7th December 1979

C.R. No. 62/23999/79-80/Acq/B.—Whereas, I,
P. RANGANATHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 59 situated at 3rd Main road or Govindappa road
Basavangudi, Bangalore-4,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Basavangudi, Bangalore Doc. No. 544/79-80 on 21-5-1979
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) 1. Sri C. M. Ramachandra Rao.
2. Smt. Seetha Bai.
3. Sri C. R. Venkata Rao.
4. Sri C. R. P. Ranga Rao.
5. Sri C. R. Badrinath.
6. C. R. Gopinath.
7. Smt. Lalitha Bai.
8. Sri C. N. Srinivasa Rao.
9. Smt. Parimala.
10. Krishna Kumar s/o C. N. Srinivasa Rao and
11. Kumari Veena d/o Sri C. N. Srinivasa Rao.
Address : sl. No. 1 to 2 at 59, Govindappa
road, Basavanagudi, Bangalore sl. No. 3 to 6
are represented by GPA. Holder Sri C. M.
Ramachandra Rao sl. No. 7 w/o late C. M.
Nagaraja Rao Robertsonpet, K. G. F. sl. No. 8
Inspector, Bharath Earth Movers Ltd. Robert-
sonpet, K. G. F. sl. No. 9 Robertsonpet, K. G. F.
sl. 10 and 11 represented by their father Sri C. N.
father Sri C. N. Srinivasa Rao Robertsonpet
K.G.F.

(Transferors)

- (2) Sri D. A. Sampangirama Setty and Smt. T. S.
Sarojamma residing at No. 109, Hospital Road,
Bangalore-52.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 544/79-80, dated 21-5-79)

House property bearing No. 10 Old and New No. 59, 3rd
Main road, New known as Govindappa Road, Basavanagudi,
Bangalore-4.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 7-12-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Lt. Col. Durgu Das Banerjee, No. 2/A, Rashil Ghose Lane, Calcutta-5, Rep By his special Power of Attorney Sri C. Ramaswamiengar.

(Transferor)

(2) Capt K. S. Srikant No. 189, 10th Cross, Wilson Garden, Bangalore, Rep by his Power of Attorney holder Dr. S. S. Raya.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Bangalore-560001, the 11th December 1979

C.R. No. 62/24091/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 239, situated at Binnamangala Layout, Civil Station, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore Document No. 484/79-80 on 12-6-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 484/79-80, dated 12-6-1979)

Vacant site bearing No. 239 situated in Binnamangala Layout, Civilisation, Bangalore.

Measuring

East-West—70 feet.

North-South—100 feet.

Total area 650.32 Sq. Metres.

Bounded by

East—Eight feet Road,

West—Site No. 236.

North—Site No. 240.

South—Site No. 238.

P. RANGANATHAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-12-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Bangalore-560001, the 22nd December 1979

C.R. No. 62/23967/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 91, situated at Nandidurga Road, Bangalore-6, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Doc. No. 681/79-80 on 30-5-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri B. P. Shivan, S/o Late M. P. Basappa, No. 91, Nandidurga Road, Bangalore-6.
(Transferor)
- (2) Shri C. V. Narasimhan, S/o Late Sri C. S. Venkataswamy Naidu, No. 91, Nandidurga Road, Bangalore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 681/79-80, dated 30-5-1979]
House property Municipal No. 91, Nandidurga Road, Bangalore-6,
Boundaries :
East Nandidurga Road.
West Private Property.
North Private Property.
South site No. 90.

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-12-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri S. D. S. Seshaiah, S/o Sri S. D. Srinivasaiah,
No. 7, Park view, South Public Square Road,
Basavanagudi, Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Shrimathi M. Ammicrunnisa Begam, No. 8,
(Upstairs) 4th Cross, Sadar Patrappa Road,
Kumbarpet, Bangalore-2.

(Transferee)

(3) 1. M/s Public Road Lines,
2. M. Krishnappa Chetty,
3. K. B. Srinivas.

(Persons in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Bangalore-560001, the 22nd December 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

C.R. No. 62/24001/79-80/Acq/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 60 situated at II Cross, Kalasipalyam New Layout, Bangalore-2, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore Doc. No. 557/79-80 on 21-5-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 557/79/80 Dated 21-5-79)
House property bearing No. 60, situated at II Cross, Kalasipalyam New layout, Bangalore-2.
Boundaries :

North : Private Property
South : II Cross, Road,
East : Premises No. 61.
West : Private Property.

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-12-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri S. D. S. Seshaiah, S/o Sri S. D. Srinivasiah,
No. 7, Park View South Public Square Road,
Basavanagudi, Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Shri M. B. Habibur Rahaman, No. 61, II Cross,
Kalasipalyam New Layout, Bangalore.

(Transferee)

(3) 1. Syed Aali,
2. Manjunatha Bhat.

(Persons in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE

Bangalore-560001, the 22nd December 1979

C.R. No. 62/24002/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 61, situated at II Cross, Kalasipalyam, New Layout, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore, Doc. No. 558/79-80, on 21-5-79. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 558/79-80, dated 21-5-1979]
House Property bearing No. 61, II Cross, Kalasipalyam
New Layout, Bangalore-2.
Bounded by

North—Private Property.
South—II Cross Road.
East—Private Property.
West—Property No. 60.

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-12-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE**

Bangalore-560001, the 21st December 1979

C.R. No. 62/24876/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 212, Subedarachatram Road, situated at Seshadripuram Bangalore-20, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 108) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Doc. No. 1565/79-80 on 14-8-79, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. K. V. Narayan, No. 15, West Park Road, Malleswaram Bangalore.
 2. K. V. Ramachandran, No. 5 "Shivakami", East Link Road, Malleswaram ('c' street), Bangalore.
 3. V. Sadashivam, No. 98, "Kasturi House", 13th Cross, 6th main Malleswaram Bangalore-3.
 4. K. V. Krishnamurthy, No. 98, "Kasturi House", 6th Main 13th Cross Malleswaram, Bangalore.

(Transferors)

(2) 1. D. K. Ramachandra, No. 181, Balept Bangalore.
 2. K. Puttu Rao, No. 58, Ramakrishnapuram, Annamma temple Extension Bangalore-9.

(Transferee)

(2) 1. Altaf Jubilee Radio House.
 2. Capital Hair Dressers.
 3. Photo Studio.
 4. Savita Stores.
 5. Friends Tailors.
 6. K. M. Murthy.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1565/79-80, dated 14-8-1979]

House property bearing No. 212, Subedar Chatram Road, Seshadripuram, Bangalore-20.
 Boundaries :

East : Property of Haridasulu.
 West : Subedar Chatram Road.
 North : Raja Snow Building.
 South : Property of T. V. Narayanaswamy Iyer.

P. RANGANATHAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Bangalore

Date : 21-12-1979,
 Seal :

FORM ITN3

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th January 1980

Ref. No. IAC/Acq.-I/1-80/991.—Whereas, I, G. C. AGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12-C, Block No. D, situated at Hauz Khas New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on 25-5-1979

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Satpal Sharma S/o Mangat Ram R/o Vill. Smalear Tehsil Moga Distr. Faridkot (Punjab) through his General attorney Sh. Harbans Lal Sharma S/o Munshi Ram R/o R-6, Greater Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Balwant Rai Jai Chand & Sons (HUF) through Sh. Kulwant Rai, Karta, S/o Kanshi Ram Jai Chand R/o Vill. Lohara, Tehsil Moga, Distr. Faridkot (Punjab) Now at Khallamoria, Dibrugarh (Assam).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 12-C, Block D, measuring 272.2 sq. yds., single storeyed, situated in Hauz Khas Enclave, New Delhi, area of village Kharera on Delhi Qutab Road Delhi State and bounded as under :—

East Property No. D/12-D,
West Property No. D/12-B
North Road
South Property No. D/55-C.

G. C. AGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, New Delhi.

Date : 24-1-1980.

Seal :

